He Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 22]

नई बिल्ली, शनिवार, मई 31, 1980 (ज्येष्ठ 10, 1902)

No. 22]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 31, 1980 (JYAISTHA 10, 1902)

इस भाग में भिन्म पट्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियम्ब्रम और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेब्रा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा धायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 अप्रैल 1980

सं० ए० 19013/1/80-प्रणा० I-भारतीय प्रणासनिक सेवा (पश्चिम बंगाल: 1967) के श्रीधकारी श्री एम० दत्ता को, राष्ट्रपति श्लारा 11 श्रप्रैल, 1980 के श्रपराह्न से श्रागामी श्रादेशों तक संघ लोक सेवा श्रायोग, नई दिल्ली के कार्यालय में उप संचिव के पद पर नियक्त किया जाता है।

यशराज गांधी
प्रशासनिकः भ्रधिकारी
कते अवर सचिव (प्रशा०)
संव लोक सेवा भ्रायोग

गृह मंद्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

सं० ग्रो० दो० 1032/75-स्था०--महानिदेशकः केन्द्रीय रिजवें पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सनामाई नायकः को 19-4-1980 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिये ग्रथवा उस पर पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो 1--86 GI/80 (6059) भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकिरसा ध्रधिकारी के पद पर सदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो० 1463/80-स्थापना—राष्ट्रपति, ले० कर्नल (निवृतमान) विपित चन्द्र खतुर्वेदी को ग्रस्थाई रूप से ग्रागामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में चीफ मैडिकल ग्राफिसर (कमांडेंट) के पद पर दिनांक 14 ग्रगैल, 1980 के पूर्वाह्र से नियुक्त करते हैं।

कें आर० के प्रसाद सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110019 दिनांक 5 मई 1980

सं० ई० 16013(2)/2/79-कार्मिक--- प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतिरित होने पर, श्री छी० चन्त्रमोहन, श्राई० पी० एस० (म० प्र०-66) ने 10 श्रप्रैंस 1980 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट, एम० ए० पी० पी० कलपक्कम, के कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया। सं० ई० 38013/(3)/21/79-कामम्भ्राचा में स्थातांतरित होने पर, श्री एस० एन० पी० सिहा के 4 श्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्री० स० व० युनिट, वी० पी० टी० विशाखापटनम के सहायक अस्माहट पेपद घा धार्रभ र छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/24/79-कार्मिक-रामागुण्डम में स्थानांतरित होने पर, श्री बी० एन० तिवारी ने 2 ग्राप्रैल, 1980 के ग्राप्राह्म से के० ग्री० सु० ब० यूनिट, एस० एच० ए० ग्रार० केन्द्र, श्रीहरिकोटा, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड दिया।

(ह०) अपठनीय महानिरीक्षक

भारत के महा<mark>पंजीकार का कार्यालय</mark> नर्ड दिल्ली~110011, विनांक 8 **मर्ड** 1980

मं 10/52/79-प्रणा०-ग्र-राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्याक्षय में महायक निदेशक (प्रोग्राम) ग्रीर इस समय उसी कार्याक्षय में उप निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर कार्यरत श्री बी० के० भराठा को उसी कार्याक्षय में तारीख 9 भग्नेत, 1980 के पूर्वाह्न से ग्राम्वे ग्रादेशों तक, ग्रम्थाई क्षमता में नियमित आधार पर उप निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर पदौन्नति पर महर्ष नियक्त करने हैं।

2 श्री मराठा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं 11/110/79-प्रमार I---राष्ट्रपति, गुजरात सिविल सेवा के अधिकारी श्री वी० एष० वासवदा को गुजरात, अहमदा- बाद जनगणना में कार्य निदेशालय में तारीख 22 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री वासवदा का मुख्यालय ग्रहमदाबाः से होगा।

स० 11/121/79-प्रणा० I--राष्ट्रपति, श्रांघ्र प्रदेश सित्वत सेता के श्रीधकारी श्री के० जी० रातमूर्ति को आंध्र प्रदेश, हैदराबाद जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 10 श्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करने हैं।

श्री राममूर्ति का मुख्यालय हैवराबाद में होगा।

सं० 11/8/80-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सिविल सेवा के अधिकारी डा० एम० जी० देणपाण्डे को महाराष्ट्र, सम्बर्ध में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 14 म्रप्रैल, 1980 के पूर्वीह्न से म्रगले म्रादेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सम्र्ण नियुक्त करने हैं।

श्री देणराण्डे का मुख्यालय बम्बई में होगा।

सं० 11/24/80-हिन्दी—~राष्ट्रपति, तमिलनाडु मिबिल सेवा के अधिकारी श्री श्रार० वीरराजू को तमिलनाडु, मद्राम में जनगणना कार्य निदेशालय ने तारीख 14 श्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से, श्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्त पर स्थानान्तरण बारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्प नियुवत करते हैं।

श्री वीरराजू का मुख्यालय कोयम्बट्र में होगा।

सं० 11/24/80-हिन्दी--राष्ट्रपति, तिमलनाडु सिविल सेवा के श्रिविकारी श्री के० थंगावेलू को तिमलनाडु, मद्राम में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 11 ग्रप्रैल, 1980 के पूर्वात्व से, अगले आवेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण, द्वारा, उपनिवेशक जनगणना कार्य के पद पर महर्ष नियुक्त करने हैं।

श्री थंगावेलू का मुख्यालय मदुराई में होगा।

सं० 11/24/80-हिन्दी—राष्ट्रपति, तमिलनाडु सिविल मेवा के अधिकारी श्री अलिपिल्सई को समिलनाडू, मद्राम में जनगणा कार्य निवेशाल्य में तारीख 10 श्रप्रैल, 1980 पूर्वाह्न से, श्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उपनिवेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्थ नियुक्त करते हैं।

श्री म्रलपिल्लर्डका मुख्यालय तिरुवस्यपरली में होगा। पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

भारत सरकार टकसाल

कलकत्ता-53, दिनांक 2 मई 1980

सं० पि०-210/54/80-भारत सरकार टकसाल, प्रलीपुर, कलकत्ता के स्थाई उप-लेखाकार श्री मोहनलाल मिला को इस टकसाल के लेखा अधिकारी के पद पर स्थान पत्र रूप में वेतन नियमानुसार राणि 840-40-1000 -ई० बी०-40-1200 रुपये के वेतनमान में दिनांक 5-5-80 से 21-6-80 के ग्रविंग तक के लिये नियमत किया जाता है। यह नियुक्त इसी टकमाल के स्थाई लखा श्रिष्ठकारी श्री जे० पी० जोजें के उक्त ग्रविंग के लिये छुट्टी पर रवाना होने के कारण उनके रिक्त पद पर की गई है।

ए० राय उप-टकभास ग्रधिकर्ता

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय निदेणक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-2, दिनांक 14 मई 1980

सं० प्रणा०—I/का० ग्रा० 56——इस कार्यालय के एक स्थाई ग्रन्भाग ग्रधिकारी ग्रीर स्थानापन्न लेखापरीक्षा श्रध- कारी श्री डी॰ वी॰ मल्होता को भारत हैवी इलेक्ट्रिक्टस लि॰, नई दिल्ली में दिनांक 30 नवम्बर, 1979 से मंलग्न विवरण में दिये गए नियमों एवं शतों पर स्थाई रूप में प्रामेलिन निया गया है।

इसे वित्त मंत्रालय का अनुमोदन प्राप्त है जो कि नियंत्रक महालेखा-परीक्षक के पत्र सं० 835-जी० इ०-॥/
114-79 दिनांक 9 ग्राप्रैल, 1980 द्वारा सम्प्रेषित किया
गया है।

(ह्०) अपठनीय संयुक्त निदेशक, लखापरीक्षा (प्रशा०)

कार्यालय महाले**वाकार-** प्रश्नम

भ्वालियर, दिनांक 28 मन्नैल 1980

सं० स्थापना- 1/31- - श्री एम० ग्राप्त् घर्ड, स्थाई लेखा ग्रिधशारी को ग्रिधियाधिकी की ग्रायु हो जाने पर दिनांक 30-4-1980 को श्रपराह्म से, शासकीय सेवा से निवृत्त होने की ग्रमुमति प्रदान की जानी है।

> ध्रुवचरण साह बरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रणासन

कार्यालय महालेखाकार----द्वितीय कलकत्ता-1, दिनांक 7 अप्रेल, 1980

सं० एल० ए०/1---महालेखाकार, द्वितीय, पिष्वम ा ने निम्निलिखत अनुभाग ग्रिधिकारी को तदर्थ तथा ग्रिनितम रूप से महकारी परीक्षक, स्थानीय लेखा, पं० बंगाल के पूर्णतया श्रस्थाई पद पर 1-4-80 के पृत्रीह्म या जिस दिनांक से वे सचमुच सहकारी परीक्षक, स्थानीय लेखा, के रूप मे श्रपना कार्यभार संभालेंगे (इनमें से जो बाद में हो) श्रमली ग्रादेश तक नियोग करते हैं:---

श्री ऊपारजन ठाकुर

यह माफ तौर पर समझ लेनी चाहिए कि यह प्रोन्नति कलकसा उच्चन्यायालय के एक मुकदमें में विनिणय की ममाण्ति होने तक पूर्णतया श्रस्थाई रूप से है श्रीर भारतीय गणराज्य व दूसरों के विरुद्ध दायर किये गये 1979 के सी० ग्रार० केम नं० 14818 (डब्लू०) के श्रन्तिम फैसले के श्रवीन है।

सं एल ए०/(2)—-महालेखाकार, ब्रितीय, के पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित ग्रनुभाग ग्रिधिकारी को तदर्थ तथा ग्रनित्म रूप से सहकारी परीक्षक, स्थानीय लेखा, पं बंगाल, के पूर्णतया ग्रस्थाई पद पर 1-4-80 के पूर्शाह्र या जिम दिनांक से वे सचमुच सहकारी परीक्षक, स्थानीय लेखा, के रूप में ग्राना कार्यभार सम्भालेगे (इनमें से जो बाद में हो) ग्रानी ग्रादेग तक नियोग करते हैं:---

श्री परिमलचन्द्रकर

यह माफ तौर पर ममझ लेनी चाहिए कि यह प्रोक्षित कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक मुक्दमें में विनिर्णय की ममाप्ति होने तक पूर्णतया श्रम्थाई रूप में हैं श्रीर भारतीय गगराज्य व दूसरों के बिरुद्ध दायर किये गये 1979 के मीज श्रारूठ केस नंठ 14818 (उज्लूठ) के श्रन्तिम फैसले के श्रजीन है।

> बी० एन० दत्त र्वाधरी परीक्षक, स्थानीय लेखा पश्चिम बगाल

लेखा परीक्षा निवेशक का कार्यालय मद्रास-3, दिनाक 9 मई, 1980

मं० ए० पी० सी०/के० के०/1785 — श्री कं० कृष्णमृति लेखा परीक्षा अधिकारी, उनके लिए मंजूर की गयी छुट्टी अवधि के समाप्त होने के बाद, जो नोटिस श्रवधि के साथ-माथ चलेगी 24-4-80 पूर्वाहन से मूल नियम 56 (के) के श्रधीन स्वैण्डिक रूप से सेना निवृत्त हा गये।

> टी० बी० न(गराजन लेखा परीक्षा निदेशक

रक्षा--लेखा नियंद्रक (नीसेना) कायालय अम्बर्ध-39, दिनांक 14 अप्रैल, 1980

मं० ए० एन०/1/1600—श्री श्रार० रामचद्र कुरूप,
मुपुत्र श्री रामा कुरूप जो इस कार्यालय मे श्रद्धंस्थाई बलके
के पद पर था, 26 जून, 1979 से अनिधकृत गैरहाजिरी
पर था, तथा इस कार्यालय द्वारा भेजे गए जापन, जोकि
उसके विये हुए पतों पर भेजे गये थे, मे से किसी की भी
प्राप्ति स्त्रीकृति जमने नहीं दी। विभागीय नियमो के श्रधीन
श्रनुशासनात्मक कार्यवाही करने के उपरांत उसे 26 फरवरी,
1980 से नौकरी से निकाल दिये जाने का निर्णय किया
गया था श्रीर नौकरी से निकाल जाने का श्रादेण उसके
दिये हुये पतों पर भेजागय। था चूंकि वे रिजस्टर्ड लिफाफे
जिनमें उक्त कर्मचारी के नौकरी से निकाले जाने के श्रादेण थे श्रीर
जो उसके दिये हुये पतों पर भेजे थे, बिना वितरण के वाणिस श्रा
गये हैं, इसलिये यह श्रधिसुचित किया जाता है कि श्री श्रार०
रामचंद्र कुरुप, सुपुत श्री रामा कुरुप को नौकरी से हटाया
गया है।

वी० केउ गुप्ता रक्षा लेखा उप-नियंत्रक (प्रणासन) भारत सरकार के गजट में भाग III (अनुभाग-I) डाक व तार अंकेक्षण ग्रन्थ पुस्तिका डाक-लेखा निवेशक महानिवेशक, डाक-तार के ग्रश्रीतस्थ संरक्षित,

						_	महानिव	शिक, डाक	-तार के	ग्रधीनस्थ	सरक्षित
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	ठेकेदारों के नाम	2 3/4% 1976	3 % 1946 (कोन)	3% 1896- 97	3 1/2 % - 1865	23 1/2 1900-	%4% टी० एस० डी० सी०	4% 1960- 70	4% 1980	4% 1981	4% 1979
1	. प्रिय लाल गुखर्जी							300			
	. सिविल एवं मिलिटरी गजट, लाहोर				1,300						
3	. ट्रस्टीज ट्रीब्यून, प्रेस व गैर-प्रेस, मेसेज न्यूज पेपर, लाहौर					400					
4.	. मेसर्स धानुका इण्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड		500								
5.	मेसर्स जे० के० विजिनेस मशीन्स लि०, कलकत्ता		1,000								
6.	मेसर्स पाल एण्ड कम्पनी		2,000								
	मैसर्स नेशनल केबल वर्क्स लि॰	:	27,000								
	. प्रैस ट्रस्ट ऑफ इण्डिया लि०, जम्बई		7,200								
9.	वी भारत लाइन लिमिटे ड		3,000								
	बालमार लौरी एण्ड कं० लि०; सम्बद्ध		100								
11.	नारायण दास राजाराम कं०										
	प्रा० लि०		3,000								
12.	प्रेस दूस्ट ग्रॉफ इण्डिया लि०;		•								
	बम्बर्ध	2	6,200								
13.	किल्लिक निक्सन लि०	1	2,500								-
1 4.	प्रोतोस इन्जीनियरिंग कं० लि०	1	0,000								
	दर्न र मोरिसन एण्ड कं० लि०	9	,000								
16.	जीवन बीमा, कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया, केन्द्रीय कॉर्यालय,										
	बम्बई	2	7,000								
	किल्लिक निक्सन लि०		3,500								
18.	मैसर्स साउथ इण्डिया एक्सपोर्ट										
	र्भं० मद्रास		500								
19.	वि पाइनीयर लि॰, लखनऊ	1	.,500								
20.	माथुर भूमि प्रिटिंग एण्ड पब्लि- शिंग कं० लि० कोझीकोड, काली-										
	कट		1,000								
21.	मैसर्स रविन्द्र कुमार रेशमवाला	3	3,000								
22.	दि डेली गजट, करौंची	1	,000								
23.	मेसर्स ए० बी० पंडीत एण्ड कं०,फराँची	1	000								
_	पाण, काराचा	1	,000								

(मेन्युअल वोल्युम)-II पैरा 139(एफ)के अनुसार प्रकाशनार्थ कार्यालय, कलकता

दिनांक 31-3-79 ई० तक का रुक्का एवं प्रतिज्ञा-पन्नों की सूची

	13	14	15	16	17	18	19	20
4.4.4		4 1/2%		4 3/4%	4 3/4% प० वंग	5 % 1982	5 1/2% 1991	5 1/2%
		60			1976			

नाम-(जिनके पास बन्धक रखा गया है) डाक महाध्यक्ष, बंगाल एवं भासान (बंगला देश मद)। डाक्ष महाध्यक्षा, पंजाब (टेलिग्राफ ट्राफिक शाखा)। डाक महाध्यक्ष, पंजाब (टेलिग्राफ ट्राफिक शाखा)। मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, कलकत्ता । मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, कलकत्ता । नियन्त्रक, टेलिग्राफस्टोर, ऋलिपुर । प्रबन्धक, टेलिग्राफ वर्कशोप, ग्रलिपुर। मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालव बम्बर्छ । मुख्य ग्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय बम्बई । ृमुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय बम्बई । मुख्य ग्रधीक्षक, केन्द्रीयतारकार्यलय बम्बई । मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय बम्बई । मुख्य ग्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय बम्बई । मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय ∦ बम्बई । म् स्य ुप्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय । बम्बई। मुख्य ग्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय बम्बई । मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, , १ वम्बई। मुख्य ब्राधीक्षक, केन्द्रीय तारकार्यालय, मद्रास । प्रभारी ग्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, लखनऊ । मधीक्षक, केन्द्रीय ता**र** कार्याल**क**, कोश्रीकोड, कालीकट। मुख्य ग्रधीक्षक, केन्द्रीय तारकार्यालय, नई दिल्ली। प्रभारी श्रधीक्षक, तार कार्यालय,

क्रांची ।

भारत सरकार गजट में भाग III (अनुभाग-I) डाक व तार अंकेक्षण पुस्तिका डाक-लेखा निदेशक

महानिदेशक डाक-तार के अधीनस्थ संरक्षित.

						· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
1.	2	21	22	23	24	25	26
		5 1/2%	5 1/2%	5 1/2%	5 1/2%	5 1/2%	5 1/2
ठ के द	(रोकेनाम	महाराष्ट्र	म ० प्र ०	1990	मद्रास	2000	मि०बो०
		1977	1977		1978		1999

- 1. प्रिय लाल मुखर्जी
- 2. सिविल एवं मिलिटरी गजट, लाहौर
- द्रस्टीज द्रीब्यून, प्रेस व गैर-प्रेस, मेसेज न्यूज पेपर, लाहौर
- 4. मैंसमं धानुका इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०
- 5 मैं मसं जे० के० बिजिनस मशीन्स लि०, कलकता
- मैं समें पाल एण्ड कं०
- 7. मैं सर्स नेशनल केबल वर्क्स लि०
- प्रेस ट्रस्ट ऑफ इन्डिया लि० बम्बई
- 9. दी भारत लाइन लिमिटेड
- 10. बालमार लौरी एण्ड कं० लि०, बम्बर्ड
- नारायणदाम राजाराम कं० प्रा० लि०
- 13. प्रेस ट्रस्ट ऑफ इन्डिया लि०, बम्बई
- 12. कि:व्लिक निक्सन लि०
- 14. प्रोतोस इन्जिनियरिंग कं० लि०
- 15. टर्नर मोरीसन एण्ड कं० लि०
- 16. जीवन बीमा कारपोरेशन भ्रॉफ इंडिया, केन्द्रीय कार्यालय, बम्बई
- 17. किलिक निक्सन लि॰
- 18. मैसर्स साउथ इण्डिया एक्सपोर्ट कं, मद्रास
- 19. वि पाइनियर लि०, लखनऊ
- 20. माथुर भूमि प्रिटिंग एण्ड पब्लिणिग कं० लि०, कोझीकोड, कालीकट
- 21. मैंसर्भ रविन्द्र कुमार रेणमवाला
- 22. दि डेली गजट, कराँची
- 23. मैसर्स ए० बी० पंडीत एण्ड कं०, कराँची

(मेन्युअल वोल्युम) पैराना पैरा 139 (एफ) के अनसार प्रकाणनार्थ कार्यालय, कलकत्ता

दिनांक 31-3-79 ई० तक का रूक्का एवं प्रतिज्ञा-पत्नों की सूची

			=		••					
27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	
5 3/4% प॰	5 3/4%	5 3/4%	4 3/4%	4 1/2%	5 3/4%	6 1/2%	5 3/4%	6% 5	3/4%	
पु०	महा-	महा-	केरल	केरल	2003	2000	पुरु	महा-	2002	
बंगाल	राष्ट्र	राष्ट्र					बंगाल	राष्ट्र		
1979	1979	1980	1976	1974			1982	1985		

नाम--(जिनके पास बन्धक रखा गया है)। डाक महाध्यक्ष, बंगाल एवं श्रासाम (बंगला देश मद)। डाक महाध्यक्ष, पंजाब (टेलीग्राफ ट्राफिक शाखा)। डाक महाध्यक्ष, पंजाब (टेलीग्राफ ट्राफिक शाखा)। मख्य श्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, कलकत्ता। मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, कलकत्ता । नियंत्रक, टेलीग्राफ स्टोर, श्रलिपुर। टेलीग्राफ प्रबन्धक, वर्कशोप, श्रलिपुर । मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, बम्बई। मुख्य श्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, बम्बई। मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लंय, बम्बई। मुख्य श्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लंग, बम्बई। मुख्य श्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, बम्बई। मुख्य भ्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लंग, बम्बई। मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, बम्बई। मुख्य ब्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, बम्बई। मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, बम्बई। मुख्य श्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, बम्बई। मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, मद्रास। प्रभारी ग्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, लखनऊ। श्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, कोझीकोड, कालीकट । मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, नई दिल्ली। प्रभारी प्रधीक्षक, तार कार्यालय, कराँची ।

	1 2	3 4	. 5	6	7	8	9	10	11	12
24	। मैसर्सकोथ।सजी एण्ड सन्स,		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	····	_		-		11	
	करौँची	20	00							
25	. मैसर्स सुद्दस ड्रेक्यूज एण्ड कं० लि०,कराँची	5(00							
26	मैसर्स ईस्टर्न स्टीमशीप (प्रा०)									
	लि॰	2,00	00							
27	. गैमोन डंकन्ली एण्ड कं० लि०	1,00	00							
28	. हिन्द शिपिंग एजेन्सीज	1,50	0							
29	मैसर्स क्षियोनेल एडवाईस लि०	5,00	0							
	. दि डेली गजट प्रेस, कराँची	-,	·				100			
31.	मै० बर्माशेल ऑयल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रीब्यूटिंग कं० ऑफ इण्डिया लि०									
32.	्राण्डना । लुड मैसर्स रेली बदर्स लि॰						1,500			
	मै० बर्माशेल ऑयल स्टोरेज						1,000			
	एण्ड डिस्ट्रीब्यू टिंग कं० भॉफ इण्डिया लि०, लाहोर						200			
34.	मै० बर्माशेल ऑयल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रीअ्यूटिंग कं० ऑक इण्डिया लि०, रावलपिंडी									
25	वि डेली गजट प्रेस, कराँची						200			
33.	पि ७ था गण्ड त्रत्त्वभारा णा									
36⋅	हरवन्त सन्स लिमिटेड									
37.	भ्रार० भ्रार० नबर एण्ड कं०									
38.	मैसर्स हरबन्त सन्स लि०									
	मेससं कूपर इंजीनिवरिंग लिमिटेड									
	दि इन्डियन स्रोघरसीज बैंक लि∙									
	मैसर्सगेनोन डंकली ए•ड कं∙ लि०									
	मैसर्स गेनोन खंकली एण्ड कं० लि०								1,000	
	दि सिधिया स्टीम नेवीगेसन कं०लि०								•,0 - •	
44.	दि सिंघिया स्टीम नेवीगसन कं० लि०									
	रिज् वं बैं क ऑफ इण्डिया									
	बट्लीबॉय एण्ड कं० लि०									
	मेहता विकल एण्ड कं०									
	डेबलपर्मेट सेकेटरी, एल० प्राई० सी० ऑफ इण्डिया		9,000							
49. 8	इण्डियन फ्रोवरसीज बै क									
\$ 0. \	इण्डियन स्रोमरसीज बैंक									

13	14	15	16	17	18	19	20
							प्रभारी अधीक्षक, तार कार्यालय, कराँची । प्रभारी प्रधीक्षक, तार कार्यालय कराँची प्रभारी प्रधीक्षक, तार कार्यालय कराँची । टेलिग्राफ ट्राफिक पर्यवेक्षक (III), विभागी । तार गार्यालय, मतगा, बम्बई । मुख्य ग्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, बम्बई । सुख्य ग्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय,
							बम्बई । मुख्य ग्रधीक्ष <i>े, केन्द्रीय त</i> ारकार्यालय,
							अलकत्ता । श्रद्धीक्षकः, प्रभारी तार वार्यालयः, घराँची । श्रद्धीक्षकः, तार कार्यालयः, वर्षेची । श्रद्धीक्षकः, तार कार्यालयः, कराँची । मुख्य श्रद्धीक्षकः, वेन्द्रीय तार कार्यालयः, लाहाँ । मुख्य श्रद्धीक्षकः, वेन्द्रीय तार कार्यालयः, रावलपिंखी । श्रद्धीक्षकः, प्रभारी तार कार्यालयः,
400							कराँची । मु डग श्रधीक्षक, केन्द्रीय ना र कार्यालय, बम्बई ।
100							मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, बम्बई । मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, बम्बई । ग्राधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, पूना ।
						800 2,500	मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, कलकत्ता ।
	5,00 50						मुख्य प्रधीक्षकः, केन्द्रीय तार कार्यालयः, यम्बर्धः।
							मुख्य भ्रघीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, वम्बई । मुख्य भ्रघीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, वम्बई ।
			35,000				यन्य । मुख्य श्रधीक्षक, कें०स ० कार्या० बम्बई ।
			15,000				मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, बम्बई ।
			40,000			600	मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, बम्बई । मुख्य घ्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, बम्बर्ष ।
		5,000					तार प्रभारी, विभागीम तार कार्यालय, णान्ताकृज, बम्बई।
		10,000)				मुख्य श्रधीक्षकः, केन्द्रीय ता र कार्यालय, मद्रास ।

								=
1	2	21	22	23	24	25	26	-
4 . 0.	````							-

- 24. मैं पर्स कोशासजी एण्ड सन्स, कराँची
- 25. मैं पर्म लुइस ड्रेफ्यूज एण्ड कं० लि०, करौंची
- 26. में सर्स इस्टर्न स्टीमशीप (प्रा०)
- 27. गैमोन इंकन्ली एण्ड कं० लि०
- 28. हिन्द शिपिंग एजेन्सीज
- 29. मैंसर्स लियोनेल एडवार्डस लि॰
- 30. दि डेली गजट **प्रेस, कराँची**
- 31. मैं० बर्मा शेल ऑयल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रीब्यूटिंग कं० ऑफ इण्डिया लि०
- 32. मैंसर्म रेली ब्रदर्स लि॰
- 33. मैं० बर्माग्नेल ऑयल स्टोरेज एण्ड डिस्ट्रीब्यूटिंग कं० ऑफ दण्डिया लि०, लाहीर
- 31. मैं० बर्माणेल ऑयल स्टोरेज एण्ड डिस्टिब्यूटिंग कं० ऑफ टण्डिया लि०, रावलपिंडी
- 35. दि डेली गजट प्रेस, क**राँ**ची
- 36. ह्रवन्त सन्म लिमिटेड
- 37. ग्राप्त ग्राप्त नवर एण्ड कं
- 38. मैंसर्स हरबन्त सन्म लि०
- मैसर्स कूपर इंजीनियरिंग लि०
- 40 दि इन्डियन ग्रोयरसीज बैंक लि॰
- 41. मैं सर्स गेनोन डंक्सली एण्ड कं० लि०
- 42. मैं मर्स गेनोन इंकली एण्ड कं० लि०
- 43. दि सिंधिया स्टीम नेबीगेसन कं० लि०
- 44 दि सिधिया स्टीम नेवीगेसन कं०लि०
- 45 रिजर्व बैंक श्रॉफ इण्डिया
- 46. बट्रली बौंय एण्ड कं ि लिं
- 47. मेहता बिकल एण्ड कं
- 48 डेयनपमेंट सेक्नेटरी एल० आई० सी० ऑफ इंडिया
- 49. इण्डियन श्रोवरसीज बैक
- 50 इण्डियन ओवरसीज बैंक

तार प्रभारी, विभागीय तार कार्या-

मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-

लय, गान्ताऋज, बम्बई।

मद्रास ।

लय,

27 32 35 28 29 30 31 33 34 36 प्रभारी अधीक्षक, तार कार्यालय, कराँची । प्रभारी प्रधीक्षक, तार कार्यालय, करौंची । देलीग्राफ ट्राफिक पर्यवेक्षक (JII), विभागीय तार कार्यालय, मतंगा, मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, बम्बई। मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लंग, बम्बई। मुख्य श्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, कलकत्ता। श्रधीक्षक प्रभारी, तार कार्यालय, करौंची । ग्रधीक्षक, तार कार्यालय, कराँची। **प्राधीक्षक, तार कार्यालय, कराँची** मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या लय, लाहौर। मुख्य ग्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या लंग, रावलपिंडी। श्रधीक्षक प्रभारी, तार कार्यालय, कराँची । मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या लय, बम्बई। मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लंय, बम्बई। मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, बम्बई। **ग्रधीक्षक, केन्द्रीय** तार कार्यालय, पुना । मुख्य ग्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, कलकत्ता। मुख्य अधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, बम्बई। मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय सार कार्या-लय, बम्बई। म्ख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लॅय, बम्बई। मुख्य श्रधीक्षक, केन्द्रीय पार काया-लय, बम्बई। मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, बम्बई। मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-लय, बम्बई। मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्या-300 लय, बम्बई।

607	70	700 T 200 T	भारत	[भाग IIIखण्ड 1							
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	इण्डियन स्रोब										
	इण्डियन ग्रीव										
53.	यूनाइटेड बैंग् कलकत्ता	क ऑफ इति	ण्डया,								
5 4 .	मैसर्स लियोने	ल एडवाईस	लि०								
55.	मैसर्स मेकि (प्रा०) लि०		ক , o								
56.	मेंसर्स बट्लीव	ालाए०ड क	रोनी								
57	. यूनाइटेड बैं क (भुख्या०) व		(ण्डिया								
58	. भा० ग्रीद्यो (इण्डस्ट्रियल ऑफ इण्डिय	' डेबलपमेट									
59.	. मैसर्स इलाह (कलकत्ता ग		लि०								
60.	. यूनाइटेड बैं (मुख्या०कर	क श्राफ इ कक्ता)	इण्डिया								
61.	इण्डियन ग्रोव	रसीज बैक									
62.	इण्डियन स्रोब	रसीज बैक									
63.	. किल्लिक निव	सन लि०									

1,50,200

9,000

1,300

400 --

3,300 -

1,000

6 1. भैसर्म लियोनेल ए**डवार्ड**स लिमिटेड

65. महाराष्ट्र स्टेट कोग्रापरेटिय **बैक** लि०

सर्व योग

(male) . It is a second of the	Complete the Street						
13	1 4	15	16	17	18	19	20
				5	,000 500		मुख्य ग्रघीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय मद्रास ।
							मुख्य भ्रष्टीक्षकः, केन्द्रीय ता र कार्यालयः, कलकत्ता ।
							मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, कलकत्ता ।
							मुख्य प्राधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, बम्बर्ड।
							मुख्य ग्राधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, बम्बई ।
							मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तारकार्यालय, बम्बर्दे।
							मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय ता र कार्यालय, कलकत्ता ।
							मुख्य श्रधीक्षकः, केन्द्रीय तारकार्यालय, बम्बर्ड।
							मुख्य अधीक्षक,केन्द्रीय तार्घायांलय, कलकक्ता ।
							मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, कलकत्ता ।
							मृख्य ग्रघीक्षकः, केन्द्रीय तार कार्यालयः, मद्रासः ।
							श्रधीक्षक, प्रभारी विभागीय ता र कार्यालय,श्रन्नारोड, मद्रास ।
							मुख्य श्रधीक्षक, के० ता० कार्या० बम्बर्ड।
							मुख्य श्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्यालय, बम्बई ।
			400	5,500	20,500		90,000 3,300 600

		·				
1 2	21	22	23	24	25	26
 इण्डियन ओक्रसीज बैक 			<u></u>			·-··
52. इण्डियन ओवरसीज वैंक						
53. यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया कलकत्ता	i					
54. मैसर्स लियोनेल एडवार्डस लिय					25,000	
55. मैं मर्स मैं किनोन मेकेंजी कं (प्रा०) लि०						6, 000
56. मैं मर्स बटलीवाला एण्ड करोनी					76,700	
56. यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया	T				1,100	
(मुख्या०) कलकत्ता					75,000	
58. भा० श्रीद्योगिक विकास वैंव (इंडस्ट्रियल डैवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया)						
59. मैसर्स इलाहाबाद बक लि० (कलकसा शाखा)						
60. यूनाइटेड बैंक ऑफ इन्डिया (मुख्या० कलकत्ता)						
61. इण्डियन ग्रोवरसीज बैंक						
62. इण्डियन ओक्रसीज बैंक						
63. किल्लिक निक्सन लि॰						
64. मैससं लियोनेल एडवार्डस लिट						
65. महाराष्ट्र स्टेट कोन्रापरेटिय बैंक लि०	-					
सर्वं योग			1,500		1,77,800	10,000

27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	
-										मुख्य ग्रम्थीक्षक, केन्द्रीय तार काय लय, मद्रास।
										मुख्य ग्राधीक्षक, केन्द्रीय तार काय लय, मद्रास।
										मुख्य ग्राघीक्षक, केन्द्रीय तार काय सम्र, कलकत्ता।
										मुख्य श्रद्धीक्षक, केन्द्रीय तार काश्य लय, कलकत्ता।
										मुख्य ग्रधीक्षक, केन्द्रीय तार काय लय, अम्बई।
										मुख्य श्रधीक्षक, केन्द्रीय तार काय लय, बम्बई।
										मुख्य घ्रधीक्षक, केन्द्रीय तार काय लय, बम्बई।
					1 3,	500				मुख्य मधीक्षक, केन्द्रीय तार काय लय, कलकत्ता।
						5	0,000			मुख्य श्रधीक्षक, केन्द्रीय तार काय लय, बम्बई।
								25,	000	मुख्य भ्रष्टीक्षक, केन्द्रीय तार काय लय, कलकत्ता।
					20,000					मुख्य ग्रधीक्षक, केन्द्रीय तार काय लय, कलकत्ता।
					28,000					मुख्य प्रधीक्षक, केन्द्रीय तार काय लय, मद्रास।
		4,000								श्रधीक्षक प्रभारी, विभागीय त कार्यालय, श्रक्षा रोड़, मद्रास।
							2	5,000		मुख्य श्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्य लय, बन्धई। मुख्य श्रधीक्षक, केन्द्रीय तार कार्य
		4,000		. <u></u>						लय, बम्बई।

पस सं०-प्रकाशन /जी० एस०-1801 विमांक 13-3-80

सेवा में अग्रसारित-अवन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाव, हरियाणा ।

ह० अपठनीय लेखाधिकारी ह (लेखा-डाक) कलकता।

रक्षा मंत्रालय
डी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा
आर्डनेन्स फ ैक ्टरी बोर्ड
कलकत्ता, दिनांक 2 मई 1980

सं० 25/जी०/80—-राष्ट्रपति जी निम्नलिखित मक्सर स्परवाइजरों (श्रधीक्षक से प्रोन्तत) को स्थानापन्न रूप में तदयं प्राधार पर स्टाफ प्रफ्सर के पद पर प्रस्येक के नामने दर्शायी गई अविधि के लिये नियुवित की कार्योत्तर मंजूरी देते हैं:—

म सं० नाम	से	सक
1 2	3	4
सर्वेश्री		
1. कमलेन्दु गुप्ता	1-3-68	24-9-7
(म्रवकाश प्राप्त)		
2. ज्योति प्रकाणचास गुप्ता	1-3-68	28-3-6
(म्रवकाम प्राप्त)		
 संगेन्द्रनाथ बोस 	1-3-68	28-3-6
(श्रवकाश प्राप्त)		
4. कृष्णा श्रायर हरिहर रमन	1-3-68	28-3-6
 प्रफुल्ल कुमार राय 	1-3-68	31-12-7
(भ्रयकाश प्राप्त)		
 क्षितीश चन्द्र मुखर्जी 	1-3-68	5-10-7
(भ्रवकाण प्राप्त)		
7. बलदेव सिंह कम्पानी	1-3-68	12-7-7
(भ्रवकास प्राप्त)		
8. शिक्षिर रंजन गुहाराय	1-3-68	5-10-7
9. रथीन्द्र नाथ सेन गुप्ता	1-3-68	5-10-7
(म्रवकास प्राप्त)		
10 निर्मेल चन्द्र मुखर्जी	1-3-68	30-9-6
(ग्रवकाश प्राप्त)		
11. मुंकुन्द लाल कुन्दू	1-3-68	30-4-7
(अवकाश प्राप्त)		
12. रनेन्द्र नाथ बोम	1-3-68	7-8-6
(दिवंगत)		
13. पशुपति चटर्जी (दिवंगत)	1-3-68	15-12-6
14. विश्वनाथ चटर्जी	1-5-69	7-7-7
(भ्रवकाण प्राप्त)		
15. शम्भुनाथ सिन्हा	6-10-69	31-12-7
(अवकाश प्राप्त)		
16. धर्मचन्द्र वर्मा (दिवंगत)	22-10-69	5-8-7
17. धीरेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तवा	16-6-70	
(भ्रवकाश प्राप्त)	•	
18. श्रली हमन	5-12-70	31-12-7
ाठ. असा हमम (श्रवकाश प्राप्त/दिवंगत)	0 12 70	UI 14-7
(अपकाश प्राप्ताप्तवनता) 19. रवीन्द्र नाथ बोस	25-3-71	27-5-7
19. रवान्द्र नाय वात (शवकाश प्राप्त)	Δυ-υ-/I	1 1-0-1
(रायकारा आन्त <i>)</i> 20. हरिभूषण घोष	31-1-72	27-5-7

1	2	3	4
21 तीर्थ	प्रसाद बाग्ची	7-2-72	30-9-75
(भ्र	वकाण प्राप्त)		
22. कना	६ लाल मुखर्जी	31-1-72	27-5-77
`	वकाश प्राप्त)		
-	पद चटर्जी	3- 7- 72	27-5 -77
•	वकाश प्राप्त)		
-	ल्ल नाथ सान्याल	20-4-73	27-5-77
`	वकाश प्राप्त)		
25 गोप	ाल चन्द्र दास गुप्ता	20-4-73	31-3-74
(শ্ব	वकाश प्राप्त)		
26. तिरि	मर रंजन दत्ता	7-5-73	27-5-7 7
•	वकाण प्राप्त)		
	लि चन्द्र सेनगुप्ता	5-11-73	31-7-76
(শ্ব	वकाश प्राप्त)		
28. भूप	त भूषण विश्वाम	6-12-73	27-5-77
29 कुटा	ाचन्द्र भट्टाचार्जी	10-1-75	27 5-77
(য়	वकाश प्राप्त)		
30. मन	मोहन लाल नन्दा	1 0-1-7 5	27-577
(∱*	वंगत)		
31. हज्प	द चौधुरी	30-4-75	31-12-75
(श्र	वकाण प्राप्त)		

2. उपर्यक्त नियुक्तियों से होने बाला विसीय प्रभाव रक्षा मंत्रालय के पत्न संख्या पी० सी० 119(30)/68/IV/डी(फै०), दिनांक 2-9-75, जिसे उनके पत्न संख्या थ्रो० सी० 1/69(30)/68/IV/डी० (फै०), दिनांक 10-12-75 द्वारा संशोधित किया गया है, के श्रनुसार 1-1-1973 से स्वीकार्य होगा।

भारतीय आर्डीनेस फैक्टरियां सेवा

संख्या 26/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, श्री डी० शर्मा स्थायी सहायक प्रबन्धक का त्यागपत्र दिनांक 25 मितम्बर, 1978 (ग्रपराह्म) से स्वीकार करते हैं।

> वी० के० मेहता महायक महानिदेणक ग्रार्डनेंस फक्टरियां

वाणिज्य एवं नागरिक श्रापूर्ति मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1980 श्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1331/80-प्रशा० (राज०)/2846—राष्ट्रपति, श्रीमती सी० जुरशो श्राई० ए० एम० (एम० एच० 1971) जो पहले उद्योग निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, बम्बई में उद्योग संयुक्त निदेशक थी, उन्हें मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में श्रगला श्रादेश होने तक, 17 श्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से उप-मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० वेंकटरामन, मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1980

नियंत्रक, भायात-निर्यात के कार्यालय बम्बई में श्री जे० बी० शर्मा, सह।यक मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात-निर्यात का 21-3-1980 को निधन हो गया।

> पी० सी० भटनागर उप मुख्य नियन्नक, प्रायात-नियति **कृ**ते मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भ्वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 9 मई 1980

सं० 3267 एन/ए-32013(ए० श्रो०)/78-19ए--- निम्न• लिखित श्रधिकारियों की प्रणासनिक श्रधिकारी (पहले सहायक प्रशासनिक प्रधिकारी) के पदों पर तदर्थ युक्ति को भारतीय भ्वैज्ञानिक सर्वेक्षण में प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से नियमित किया जा रहा है:---

नाम	नियमित करने की तिथि
 श्री पी० के० गांगुली श्री जे० के० सिंहा राय श्री एस० के० दत्त 	25-2-1980 25-2-1980 25-2-1980

षी० एस० कृष्णस्वामी महा निदेशक

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 3 भग्रेल 1980

सं॰ ए-19011(27)/70-स्थाउनाए-विभागीय म्नित समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री यु० एन० सरकार श्रधीक्षक खनन भूवैज्ञानिक, सर्वर्थ श्राधार पर को स्थानापन्न रूप में ब्राधीक्षक खनन भूवैज्ञानिक के पद पर भारतीय खान क्यूरो में दिनांक 31-3-80 के पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेश तक सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

> एस० व्ही० ग्रली, कार्यालय ग्रध्यक्ष, भारतीय खान न्यूरो

सूचना भौर प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन भौर दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 मई 1980

सं॰ ए-38012/2/80-स्थापना-अपनी निवृत्ति के फल-स्वरूप इस निदेशालय के श्री सी० श्रार० राय ने सहायक उत्पादक प्रबन्धक (मुद्रण प्रचार) के पद से 30 अप्रैल, 1980 धपराह्न को पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> जनक राज लिखी उप निदेशक (प्रशासन) कृते विज्ञापन भौरद्ग्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, विनांक 8 मई 1980

सं० ए० 12026/25/77-प्रशासन-I---केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना से श्रपनी बदली हो जाने के फलस्वरुप डा० एस० के० सूरी ने 1 धगस्त, 1979 पूर्वाह्न से डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल नई दिल्ली में दंत शल्य चिकित्सक के पदका कार्यभार संभाल लिया है।

डा० एस० के० सूरी ने डा० राम मनोहर लोहिया प्रस्पताल, ई दिल्ली में प्रपनी बदली हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 1 भ्रास्त, 1979 पूर्वाह्म को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के प्रधीन जनियर स्टाफ सर्जन (दंत) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> शाम लाल कुठियाला निदेशक प्रशासन उप

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा, परमाणु विध्युत परियोजना बुलन्दशहर, दिनांक 13 मई 1980

सं० न० प०वि० प०/प्रशा/1(171)/80-एस/5942— नरौरा परमाण् विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना श्रभियन्ता स्यायी सहायक प्रशासन भ्रधिकारी तथा शाखा सचिवालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, नई दिल्ली के स्थानापन्न प्रशासन ग्रधिकारी-II, श्री ए० डी० भाटिया, को नरौरा, परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक 9 प्राप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से म्राप्रिम मादेशों तक के लिये रु० 840-40-1000-य० रो०-40-1200/- के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में प्रशासन ग्रधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

> जी० जी० कुलकर्णी वरिष्ठ प्रशासन भ्रधिकारी

ऋय भीर भंडार निदेशालय

मद्रास-600006, दिनांक 28 अर्पेल 1980

क्रय भीर भड़ार निदेशालय के निदेशक ने ग्रस्थायी भंडारक

3-86GI/70

श्री पी० वी० प्रभाकरन को उसी निदेशालय के रिएक्टर श्रनु-संधान केन्द्र में 7 श्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से 9मई, 1980 के श्रपराह्म तक के लिए ६० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000 ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक भंडार श्रधिकारी नियुक्त किया है।

> एस० रंगाचारी वरिष्ठ ऋय प्रधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैवराबाद-500 016, दिनांक 6 मई 1980

सं० प० ख० प्र०-1/23/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाण खनिज प्रभाग के निदेशक एतद् द्वारा श्री पंकजकुमार सिन्हा को परमाणु खनिज प्रभाग में 18 ग्रप्रौल, 1980 के पूर्वाह्म से श्रमले श्रादेश होने तक श्रस्थायी रूप से वज्ञानिक श्रविकारी/श्रभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 मई 1980

सं० प० ख० प्र०-1/7/79-प्रशासन—परमाणू ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा महालेखाकार-II महाराष्ट्र, नागपुर के कार्यालय के एक अनुभाग श्रिधिकारी श्री डी० के० खाटखेड़कर को परमाणु खनिज प्रभाग में 25 श्रप्रैल, 1980 के अपराह्म से लेकर अगले श्रादेश होने तक प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा श्रिधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र० 8(1)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एपतद् द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के लेखाकार श्री जे० के० शर्मा को उसी प्रभाग में श्री पी० के० दास, सहायक लेखा श्रधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 24 मार्च, 1980 के पूर्वाह्म से लेकर श्रगले श्रादेश होने तक पूर्णतया श्रस्थायी तौर पर सहायक लेखा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ग्रिधकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 7 मई 1980

सं० 05052/80/2017—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य-प्रधिकारी, श्री पारथमलाफिलिपोज चैरियन, भारी पानी परियोजना (तूरीकोरिन) के उच्च श्रेणी लिपिक को उसी परियोजना में 20-11-1979 (पूर्वाह्न) से 10-3-1980 (भनराह्न) तक के लिये भस्थाई तौर पर श्री जी० पदमनाभन,

सहायक कार्मिक श्रधिकारी, जिन्हें स्थानापन्न रूप से प्रणासन श्रधिकारी नियुक्त किया गया है, के स्थान पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रधिकारी नियक्त करते हैं।

> के० शंकरनारायणन वरिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी

रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपाक्कम-603102, दिनांक 28 ग्रप्रैल 1980

सं० 32013/10/80/प्रारः०/5466—रियेक्टर प्रनुसंधान केन्द्र के परियोजना निर्देशक ने इस केन्द्र के निम्नलिखित कर्म- चारियों को 1 फरवरी, 1980 से अगले प्रादेश तक के लिये रू० 650-30-740-35-810-दक्षता रोध-35-880-40-1000- दक्षता रोध-40-1200 के वेतनमान में प्रस्थायी वैज्ञानिक प्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस० बी०' नियक्त किया हैं:—

फ्रम नाम सं०	वर्तमान पद		
1. डा० एम० के० ग्रहमद	श्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी'		
2. श्री वी० सी० ग्रचारी	भाभा परमाणु श्रनुसंघान केन्द्र का स्थायी सहायक फोरमैन श्रौर स्थानापन फोरमैन ।		
3. श्री ए∍ मार० सेख	भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र का स्थायी सहायक फोरमैन श्रौर स्थानापन्न फोरमैन ।		
4. श्री म्रार० रमन	स्थायीवत् ड्राफ्ट्समैन 'सी'		
 श्री भ्रार० मधुसूदनन 	स्थायीवत् ड्राफ्ट्समैन 'सी'		
6. श्री जे० शेषगिरि	विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग का स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'ए' स्रोर स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक 'सी'		
7. श्री पी० जे० जोसफ	भाभा परमाणु श्रनुसंघान केन्द्र का स्थायी ट्रेड्समेन 'डी' श्रीर स्थानापम्न फोरमैन ।		

एस० पद्मनाभन, प्रशासन ग्रधिकारी

म्रंतिश्वि विभाग

विक्रम साराभाई श्रंतरिक्ष केन्द्र

तिरुवनतपुरम-695022, दिनांक 6 मई 1980

सं० वी० एस० एस० सी०/स्थापना/एफ/1(17)—निदेशक, बी० एस०एस० सी०, अंतरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र, तिरुवनतपुरम में निम्नलिखित कर्मचारियों को, वैज्ञानिक/इंजीनियर, 'एस० बी०', के पद पर र० 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के ग्रेड में 1 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं:—-

कमसंख्या नाम						पदनाम	प्रभाग/परियोजना
1. श्री सी० शिवनकुट्टी .					वैज्ञानिक/	इंजीनियर एस० बी०	ए० भ्रार० डी०
2. श्रीपी० वर्गीस .		•			"	11	एस० टी० प्रार०
 श्रीपी० रामकृष्णन . 					11	••	ई० एफ० एफ०
 श्री एम० एम० उदेयार 			•	•	",	7.7	ई० एफ० एफ०
5. श्रीजे०वर्की		•			,,	11	ई० एफ० एफ०
 श्रीसी० गोपालकृष्णन . 					"	11	ए० एन० एल०
7. श्री एन० सूर्यनारायणन			,		11	"	पी० भ्रार० टी०
8. श्रीमतीसी० वी० श्रन्तम्मा	•	•	4	•	"	71	एस० एम० ए०
9. श्री एस० मुसु .					"	11	भ्रार० पी०पी०
 श्रीमती बी० पी० उमादेवी 		•			11	1)	भ्रार० पी० पी०
। १० श्री विनोद सरवाडे .	,				"	"	श्चार० एक० एक
12. श्री के० सी० राजन नाडार				•	"	,	पी० एफ० एस०
.3. श्रीपी० एन० राम राव		-			,,,	,,	पी० एल० एस०
4. श्री एम० सुकूमारन नायर					"	**	एस० पी० डी०
 श्री एस० सुब्रह्मण्यन . 	•				"	"	एक० स्रार० पी०
 श्री राधाकृष्ण सत्यवीलु 					71	12	एस० एल० बी०
7. श्री के० श्रार० मोहनन नायर					17	11	एस० एल०वी०
8. श्रोके० स्रार० भास्कराकुरुप			•		"	1)	ई० एम० डी०
9. श्री हनुमन्तरायप्पा		•			"	11	कम्प्यटर

पी० ए० कुरियन प्रशासन भ्रधिकारी-II (स्थापना) कुते निदेशक, बी० एस० एस० सी०

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय	 श्री एन० के० बनर्जी 21-1-1980
भारत मौसम विज्ञान विभाग	 श्री हुकमसिंह सागर 1-3-1980
नई विल्ली-3, दिनांक 8 मई 1980	 श्री पांच् 25-3-1980
सं० ए० 32014/3/78-स्था०- <u>I</u> —मौसम विज्ञान के	 श्री दलबीर सिंह लाम्बे 1-3-1980
महानिदेणक निम्नलिखित व्यावसायिक सहादकों को स्थानापन्न	8. श्री रामधारी सिंह 25-3-1980
सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में उनके नाम के सामने दर्शाई गई तारोख से नियुक्त करते हैं:—	एस० के० दास
•	मौसम विज्ञान के भ्रपर महानिदेशक
1. श्री ऋषि कुमार वर्मा	(उपकरण)
2 श्री एल० डी० भ्रमयाल 4-3-1980	कृते मौसम विज्ञान के
3. श्री फ्रो॰ एस॰ भ्रग्रवाल 27-2-1980	- महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्लो, दिनांक 8 अप्रैल 1980

सं० ए० 32013/8/79-ई०-I—राष्ट्रपति ने डा० एस० सी० मजूमदार, निदेशक, रेडियो निर्माण घ्रौर विकास एकक (तदर्थ) को जो फिलहाल भ्रन्तर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन में प्रतिनियुक्ति पर है, दिनांक 6 फरवरो, 1980 से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न भाधार पर निदेशक के पद पर नियुक्त किया है।

चितरंजन फुमार वस्स सहायक निदेशक, प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1980

सं० ए० 38013/1/80-ई० ए०---- निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप श्रो के० एस० वेंकटरमन, विमान क्षेत्र प्रधिकारी, सिविल विमान क्षेत्र, बेगमपत दिनांक 31 प्रप्रैल, 1980 प्रपराह्म को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

विश्व विनोद जौहरी उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1980

सं० ए० 31013/1/79-ई०-ग्र—-राष्ट्रपति जी ने नागर विमानन विभाग के श्री ग्रो० एस० वधावन, स्थानापस उड़ान निरोक्षक को 5 मार्च, 1979 से उसी पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

सं० ए० 31013/2/79-ई०-I-—राष्ट्रपति जी ने नागर विमानन विभाग के श्रो पी० एस० गुजराल, स्थानापश्च सहायक निदेशक, मैंप्स एंव चार्ट्स, को दिनांक 16 अक्तूबर, 1977 से उसो पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

> चितरंजनकुमार वस्स सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1980

सं० ए० 32013/6/76-ई०एस०—राष्ट्रपति जी० ने निम्नलिखित सात अधिकारियो की विमान निर्देशक के ग्रेड में तदर्थ नियुवित को 1-1-1980 से 24-1-1980 (24 दिन) तक अथवा ग्रेड में नियमित नियुवित विए जाने सक इन में जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दे दी हैं :—

- 1. श्री मनुपम बागची
- 2. श्री एस० मजुमदार
- 3. श्री एच० एम० फुल
- 4. श्री एल० ए० महालिंगम
- 5. श्री डी० पी० घोष
- 6. श्री एल० एम० माथुर
- 7. श्री धार० एन० शास्त्री

विनांक 9 मई 1980

सं० ए० 12025/7/79-ई० एस०—संघ लोक सेवा धायोग की सिफारिशों पर राष्ट्रपति ने श्री नरिन्दर सिंह विशिष्ट सेवा पदक, को दिनांक 8 फरवरी 1980 (अपराह्न) से और अन्य आदेश होने तक सहायक निदेशक विमान सुरक्षा (इंजीनियरी)/वरिष्ठ विमान सुरक्षा अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया है। श्रीर इन्हें महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय, रामा कृष्ण पुरम नई दिल्ली में तैनात किया जाता है।

एन० ए० पी० स्त्रामी सहायक निवेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1980

सं० ए० 39012/2/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास एथरपोर्ट, मद्रास के श्री टी० एन० वेंकटरमन, संचार ग्रधिकारी का त्यागपत्र दिनांक 8-3-1980 (ग्रपराह्म) से स्वोकार कर लिया है।

दिनांक 12 मई 1980

ी स०ए० 32014/2/80ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायको को प्रत्येक थे नाम के सामने दी गई तारोख से सहायक सचार प्रधिकार। के ग्रेड मे तदर्थ भाधार पर नियुक्त किया है भीर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

क्रमसं० नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर तैनात किया है	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सर्वश्री			
1. वी० भार० छावड़ा	वै० सं० स् टेशन, पालम	वै ० सं० स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्लो	9-4-80 (पूर्वाह्म)
2. टो० वी० जैवियर	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	13-4-80 (पूर्वाह्म)
3. के०पो० जनार्दनन	वै० सं० स्टेशन, नागपुर	वै ० सं० स्टेशन, नागपुर	10-4-80 (पूर्वाह्म)
4. सा० पो० म्रार० मेनन	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	13-4-80 (पूर्वाह्म)
5. एम०ए० लेले	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	11-4-80 (पूर्वाह्म)
6. भ्रार० एन० मोगी	यै० स० स्टेशन, बम्बई	बै ० सं० स्टेशन, धम्बई	11-4-80 (पूर्वाह्म)
7. एन० टो० वजारानी	वै० स० स्टेशन, बम्बई	धै ० सं० स्टेशन, बम्बई	14-4-80 (पूर्वाह्न)
8. के० एस० बाजवा	वं० स० स्टेशन, श्रमप्तसर	वै० सं० स्टेशन , ममृतसर	14-4-80 (पूर्वाह्म)
9. सी० जा० मेनाकी	वै ० सं०स्टेशन, बम्ब ई	बै० सं० स्टेशन, बम्बई	14-4-80 (पूर्वाह्य)

दिनोक 13 मई 1980

सं० ए० 32013/10/79-ई० सी०---इस विभाग की दिनांक 8-11-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/10/79 ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री सुरेश चन्द्र की नागर विमानन विभाग में सहायक निवेशक संचार के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को श्रीर श्रागे दिनांक 26-3-1980 के बाद दिनांक

31-8-1980 तक, श्रयवा ग्रेड में नियमित नियुवित होने तक इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी देदी है और उन्हें इसी कार्यालय में नियुवत किया है।

> म्रार० एन० दास सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद मुस्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

बम्बई-400 020, विनांक 25 अप्रैल 1980

सं० एस० टी० 2/1979-80--- केन्द्रीय उत्पाद शुस्क नियमावली 1944 के नियम 2325 के उप नियम (1) द्वारा प्रवस्त शिक्तियों के प्रयोग में तथा केन्द्रीय उत्पाद शुस्क तथा नमक प्रधिनियम 1944 की घारा 9 के प्रधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये क्यिक्तियों और प्रधिनियम की घारा 33 में संविभित प्रधिकारी द्वारा 10,000/- रुपये या इससे प्रधिक की राशि के लिए दंडिस क्यिक्तियों के नाम और पते उपनियम (2) में उल्लिखित श्रन्य विवरणों सहित निम्न प्रकार से प्रकाशित विए जाते हैं ---

I--कोर्ट के मामले

क० सं०	व्यक्तिकानाम	पता	भ्रष्ठिनियम के किन प्रावधानों का उल्लंघन किया गया		दण्ड राशि	,
1	2	3	4		5	
				 		
<u>.</u>		II—	-विभागीय न्याय निर्णयन			·
	उस व्यक्ति का नाम जिस पर श्रिधिनियम की धारा 33 के अंतर्गत अधिकारी द्वारा 10,000/- क्पये का या इससे श्रिधिक का भर्ष दण्ड दिया गया है	पता	भ्रधिनियम के प्रावधान व भ्रथवा उसके श्रंतर्गेत भ्रेते नियमों का उल्लंघन किया गया	ण्ड राग्नि	म्रंतर्गत न्यायनणिय शुल्केय माल का मूल्यजो जब्त किया	मंतर्गत जस्ती के
1	2	3	4	5	6	7
1. 3	सर्वश्रो बनकर टेक्सटाईल्स	60, गर्व्हनमेट इंड- स्ट्रियल इस्टेट, कान्यो- बली (प०) बम्बई-400 067 ।	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रु० नियमावली, 1944 के नियमों 9(1), 52 ए, 53, 173 एफ०, 173 जी (1) (2) (4) श्रीर 226	10000/-	रू० 17,000/- का 682.50 कि०ग्रा० फेंन्सी यार्न	रु० 5,000/-

. 1	2	3	4	5	6	7
2	सर्वश्री टाटा मिल्स लि०	भ्रम्बेडकर रोड, दादर, बम्बई-400 014	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 173 एफ ० के साथ पठित नियम 173 बी, नियम 173 जी० (1) के साथ पठित नियम 9(1), 47,49, नियम 173 जी (2) के साथ पठित नियम 52 ए०	∓ ∘ 10000/-	क्ष० 5,51,746 86	±0 10,000/-

कु० श्री दिलिपसिंह जी समाहर्त्ता केन्द्रीय उत्पाद शुरुक, **अम्बर्द**-1

केन्द्रीय जल म्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनाक 12 मई 1980

सं० 19012/639/77-प्रणा० चार०---श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जन ग्रायोग श्री एच० एन० डकुग्रा द्वारा श्रतिरिक्त सहायक निदेशक के पद से दिये गए त्यागपत्र को 21 जनवरी, 1980 की ग्रयराह्म से स्वीकृत करते हैं।

जे० के० साहा ग्रवर सचिव

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली-II, दिनां रु 14 मई 1980

सं० एम० (63)/प्रशां० II—मुद्रग निदेशक ने श्री एम० ए० मुही छद्दीन को भारत सरकार मुद्रणालय, रिग रोड, नई दिल्ली में भहायक प्रबन्धक (प्रशासन) के पद पर र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के देननमान में 23 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्मन से अगले अदिण होने तक नियुक्त किया है।

म० मी० जोशी छानिकेशक (प्रशासन)

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्या**ल**य

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स बर्मा सेल प्रोबीडन्ट ट्रस्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अम्बई, दिनांक 31 मार्च 1980

सं० 15128/560 (5)—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूजना दी जाती है कि मेसर्स बर्मा सेल प्रोबीक्टेन्ट प्राइवेट लिमिटेंड को नीम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रौरं उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मेसर्स बर्मा सेल पेन्सन्स ट्रस्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे।

बम्बई, दिनांक 31 मार्च 1980

सं० 15414/560 (5)—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेंसमें बर्मा सेल पेन्सन्स ट्रस्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स सी० ग्रार० पटेल एन्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 16 श्रप्रैल 1980

सं० 15542/560 (3)— कम्पनी श्रिष्ठिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेंसर्स सी० श्रार० पटेल एन्ड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिवत न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेमर्स मेक मुस्लास गैरेज (प्राइवेट) लिमिटेड के विषय मे।

बम्बई, दिनांक 16 श्रश्रैल 1980

सं० 7942/560 (5)— हम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की छपधारा (5) के श्रनुसरण में एतदहारा

सूचना दी जाती है कि सेक्स मेक मुल्लास गेरेज (प्राइवेट) लिमिटेड का नाम भाषा रिजस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं मेसर्स कें अ डी० वासवानी एम्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे।

बम्बई, दिनांक 16 म्रप्रैल 1980

सं० 8473/लिक 0/560(5)—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण से एतदृष्टारा स्चाना दी जाती है कि मेसर्स कें ० डी० वासवानी ऐण्ड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम प्राज २ जिस्टर से बाट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पती श्रिधिनियम, 1956 एवं मेसर्स बोम्बे वडकाट श्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बग्बई, दिनाक 16 श्रप्रैल 1980

सं० 12736/560(3)---कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के श्रनसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेंसर्स बोम्बे बुड कापट प्राइबेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत्न कारण दिषत न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित वर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 एवं मेसर्स श्रमरीत ट्रेडिंग पने प्राह्वेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, 16 श्रप्रैल 1980

स० 18193/560 (3)--वग्पनी ग्रिष्टिन्स्म 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनस्थ में एत्टहरा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवान पर मेसर्स श्रमरीत ट्रेडिंग कपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकल नारण दिपत न विया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएका श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दो जाएकी।

एस० सो० गुप्ता कम्पनियो का सहायक रजिस्टार महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर मेसर्स एसोशियेटेड सर्विस (इण्डिया) लिमिटेड के विषय मे।

णिलाग, दिनावः 9 मर्छ 1980

सं०/जीं०पीं०/655/560(3)/557 --- कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 का उपधारा (3) के सन्-सरण में एतदाहारा यह सृचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अवसान पर मेसमें एसोशियेटेड सुविस (इडिया) निभिटेड का नाम इसके प्रतिकृत नारण दर्शित न किया गया तो २ जिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वस्पनी ग्रधिनियम 1956 ग्रौर मेसर्स नार्घ ईस्ट मीरर पब्लिकेणन प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे।

शिलांगं, दिनांक 9 मई 1980

सं०/जी० पी०/1648/560 (3)/559—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इसे तारीख से तीन मास के श्रवभान पर मेशर्स नार्थ ईस्ट मीरर पब्लिकेणन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर में ससं हूपमहल थियेट्रस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

शिलांग, दिनांक 9 मई 1980

सं० जी० पी० /1113/560(3)/564— कम्पनी श्रधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनु-सरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती हैं वि इस तार्रख से तीन मास के श्रवनान पर मेसर्स रूपमहल थिरेट्रग प्राइवेट निमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिश्वत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा श्रीर खक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

> एस० के० भट्टाचार्जी, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार अक्षामाम, क्षिलांग

कार्यालय भ्रायकर श्रायुवत, (मंबर्ग नियन्त्रण श्राधिकारी)

भ्रादेश

कानपुर, दिनांक 6 मई 1980

स्थापना—केन्द्रीय सेवायें ग्रुप "बी" राजपहित स्रायकर ग्रिधकारी पदोन्नति-स्थाना-तरण प्यं पदस्थापना (पोरिटग)

सं० 13---निम्नलिखिन भ्रायकर निरीक्षको को स्थानापश्न भ्रायकर श्रधिकारी ग्रूप "बी" के रूप मे रु० 650-30-740-35--810--र० रो०--880-40--1000--द० रो०--40-1200 के बेनल मान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से शीर श्रिप्रम श्रादेशों तक नियक्त किया जाता है। यदि यह पासा गया कि उनकी यह नियुक्तिया, विद्यमान रिक्तियों

		त विये जाने के योग्य होगे । तके गामने डल्लिखित स्राथकर	1	2	3
	क्त के अबोन रखो जाती कर्मचारीकानाम	ो हैं। ग्रायकर श्रायुक्त जिसके श्रधीन सेयाये रखी गई है	 श्री राम प्रस करवसूली क द्यागरा । 	ाद (ग्रनु० जाति) ।यिलिय,	<mark>म्राग</mark> रा
1	2	3			
,	श्री बी० एन० के० वर्मा, ग्राडिट सेल, मेरठ।	भेरठ		(संवग	बी० गुप्ता ग्रायकर ग्रायुक्त ॉंनियंत्रण प्राधिकारी) कानपुर

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 29 फरवरी, 1980

फा॰ सं॰ श्राय॰ ए॰ सी०-श्रर्जन/७१-८०--यतः मुझे, एस॰ के॰ विलय्या,

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 43 तथा 44, शीट नं० 56— सी० है तथा जो तारखेड़ा, अमरावती में स्थित है (भीर इससे उपावत श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, ग्रमरावती में रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-8-1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बादार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

सतः अब, उक्त सिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म¹, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) सिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्ः— 4 --363'/3) मै० बधराज फैक्टरीज लिमिटेड, प्रो० जीवराज जीवनदास, ग्रमरावती। (ग्रन्सरक)

- 2. (1) श्री तुलसीदास ताराचंद राठी,
 - (2) श्री ग्रशोक कुमार तुलसी दास राठी,
 - (3) श्री म्रनिल कुमार तुलसीदास राठी, ग्रमरावती। (भन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्तृ सम्पेरित के वर्जन के लिह्न कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियुं स्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 43 तथा 44 ,शीट नं० 56-सी, म० प्लाट नं० 3, मौजा तारखेडा, श्रमरावती।

> एस० के० पिल्य्या सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, नागपुर

तारीख: 29-2-1980

मोहरः

प्रकप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 धर्मेल, 1980

निवेश सं० 802-ए/दावरी/79-80----ग्रतः मुझे बी० रि० क्लव्वेती

सी० चसुर्वेदी,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रशीन सभन प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/~ रुपये से प्रधिक हैं भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मंगलबेगमपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, वावरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण हैं कि प्रधापूर्वोक्त सम्वत्ति का

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि प्रधापूर्वीक्त सम्मत्ति का उवित बातार जूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीष्टिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश में उना प्रतर्ग निवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई िक्सी आय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राप या किसी धन या भ्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः, भ्रम, उमर प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरग में, मैं, उमर प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नविखित व्यक्तियों, प्रयात् :---

- श्रय राजे पु खनेषू व विहारी सिंह पु बल्लू य गोपी पुत्र छुट्टन निवासी मकावली, फाजलपुर सूबा देहली। (ग्रम्सरक)
- 2. श्री महाऋषि विद्यापीठ यू० पी० द्वारा डा० जी० महापात्रा पुत्र श्री पी० महापात्रा ई०-9 डिफेंस कालोनी, नई दिल्त्री। (प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति से हितब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों धौर पदों का, जो उक्त धि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

कृषि भूमि ग्राम मंगलबेगमपुर परगना व तह० वादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-4-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन• एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचनाः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

निवेश सं० 662/एक्बि॰ रें०-III/79-80-कल०--यतः मुझे, बाई० थी० एस० जुनेजा,

आयसर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनिस बाजार मूल्य 25,000/- वर्ष से अधिक हैं और जिसकी सं० प्लाट सं० 4 है तथा जो सि० आई० टी० स्कीम नं० 114 ए में स्थित है (और इससे उपाधस अन्भुषी में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-8-1979

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जिंवत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिषक्ष के लिए सन्तरित की वर्ष है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिंवत बाजार मूक्य, उसके वृश्यमान प्रतिषक्ष से, ऐसे दृश्यमान प्रतिषक्ष का पण्डह प्रतिषत सिक है और अन्तरक (सन्तरकों) और सम्बरिती (अन्तरितर्यों) के बीच ऐसे सन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिष्क्ष फिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में बास्तिक छप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, कनत अवि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित में कभी करने या उससे वर्णने में सुविका के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य धास्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1942 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया यया या किया बाना चाहिए या, जियाने में सुविधा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की, उपधारा (1) के अधोंन नम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री शांति रंजन भट्टाचार्य (भ्रन्तरक)
- 2. श्री सुखमय पाल (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के श्रध्याय 20-क में यका परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

प्रमृत्यो

करीव 171.08 स्ववा० मीटर जमीन जो प्लाट सं० 4, सी० भ्राई० टी० स्कीम सं० 114ए, जो 106 प्रिन्स ग्रानवार साहू रोड़, कलकत्ता पर ग्रवस्थित है।

> श्राई० वी॰ एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 3-3-1980

प्रकप माई॰ दी॰ एत॰ एत॰---

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनोक 3 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सि०-110/रेंज-IV/कल०/79-80-- यतः म्हा, के० सिहा,

आध्यकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त समिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के सभीत सभाग प्राधिकारी को, यह विश्वास चरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से सभिक है

भ्रोर जिसकी सं० प्लाट सं० 4317/5781 है तथा जो थाना राणाघाट, जिला निदया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, राणाघाट में, रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 13-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल मे ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (मन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त मण्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त भ्रीविनयम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अग्य भारितयों को जिन्हें भायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधनियम, या धनकर भिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उन्त अधिनियम, शौ धारा 269-प के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम शौ धारा 269-म श्री उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित श्यक्तियों, अधीत् →

- श्री ग्रामुतोष देवनाथ (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स निदया टैनसटाईल्स मिल्स (ग्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति सों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत भाषितयों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निखान किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्छ श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मीजा राणाघाट, सं० 155, थाना तथा आकघर— राणाघाट, जिला नदिया ल्थित इकट्ठा 15 छटाक जमीन, साथ मकान का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलिल सं० 8009 में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज-IV, कलकत्त-16

तारीख: 3-3-1980

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • –

म्रायकर म्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कलकसा

> > कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सि॰-III/रेज-IV/कल०/79-80-- थत: मुझे, के० सिहा,

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट सं० 942 है तथ जो मौजा तथा थाना—सिलिगुड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिलिगुड़ी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 1-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती आरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रवः, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निक्तिकित व्यक्तियों अर्वात्:—

- 1. श्री कुष्न प्रसाद मिश्र (अन्तरक)
- 2. श्री ग्रहण चक्रवर्ती, परुलभ चक्रवर्ती (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप : 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो छक्त श्रीधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा डाकघर तथा थाना—सिलिगुडी स्थित 13 एकर जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे के 1979 का दिलल सं० 4485 में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 3-3-1980

प्ररूप आई० टो० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च, 1980

निदेश सं० एस० ग्रार०-537/टी० ग्रार० 70/सी०-59/कल०-1/79-80--यत मुझे, ग्राई० बी० एस० जुनेजा धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के म्रधीस सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिलहा उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से ग्रधिक है। ग्रौर जिसकी सं० 3 ग्रौर 4 है तथा जो हांसपूकुर लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 11-8-1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐंस भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर वेने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रतः म्रब उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, में, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रथांतः→→

- 1. श्री बिज नाथ सानंडलवाल एण्ड घादर्स (घन्तरक)
- 2. श्री दुर्गा प्रसाद गुक्ता (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 ग्रौर 4 हांसपुकुर लेन, कलकत्ता ग्रवस्थित 3500 वर्ग फिट जमीन पर श्रांसिक 3 तल्ला **ग्रौर ग्रांशिक चार** तल्ला मकान जो 11-8-79 तारी**ख में डीड मं० 4**350 ग्रनुसार रजिस्ट्री हुग्रा।

> आई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **धायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज-I, 54, रफी ग्रहमद किदवा**ई रोड, कलकत्ता-1**6

तारीख: 12-3-1980

प्रकर भाई• टी• एन॰ एस•----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्सण)
अजेन रेंज, 54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च, 1980

निर्वेष सं० 682/एक्बिंग आर०-111/79-80/कल०—
यतः मुझै, आई० बी० एस० जुनेजा,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी हो, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर मन्यति, विमहा उचित बाजार मूल्य
25,000/- व॰ से अधिक है
और जिसकी सं० 1 (अंश) है तथा जो झामापुकुर लेन,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और

कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत प्रधिक है पीर पत्रदक्त (अन्तरकों) और बन्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रश्नरण

लिखित में वास्तविष्ठ रूप से कवित नहीं किया वया है :---

पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय,

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के घडीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या धससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आव या किसी धन वा मण्य प्रास्तियों को; जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्निरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के सिए।

अतः सव, उनतः भविनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उनत भविनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिजिन व्यक्तियों, अर्थात्:~-

- 1. श्री निर्मल कुमार घोष (अन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रेमलता डालमिया (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारो करके पूर्वोस्त सम्मति के अर्जन के चिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओर !--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी धविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़ किमी सन्य न्योन द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्दीकरण--इसमें प्रमुक्त जड़रों और पर्वो मा, जा उन्त अधिनियम के सहयाय 20-क में परिभावित हैं, वही भने होगा भी उस प्रध्याय में विशा वया हैं।

भनुसूची

करीब 13 कट्टा 1 छटांक जमीन साथ मकान का 1/8 ग्रंश जो 1 झामापुकुर लेन, कलकसा पर ग्रवस्थित ग्रीर विलिल सं० 7385/1979 के ग्रनुसार है।

म्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-117, कलकत्ता-16

तारीख: 12-3-1980

प्रस्प माई • टी ॰ एन • एस ०----

आ यक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के श्रधीन सूचन!

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, 54, रफी ध्रहमद किदबई रोड, कलव ता

कलकत्ता, दिनोक 12 मार्चे 1980

निर्वेश सं० 683/एक्वि० घार०--III/79--80/कल०---यतः मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के

पश्चात् 'उन्त आधानयम' कहा गया ह), को घारा 269-खं क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1 (ग्रंश) है तथा जो झामापुकुर लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 17-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक का से किया नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त अधिनियम के भन्नीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाषणा किसी धन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अब, उन्त अभिन्यम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री निर्मल कुमार घोष (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बिमला डालमिया (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी फरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियाँ करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी क्षाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधिया तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा घष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो उक्त घछि-नियमं के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 13 कट्टा 1 छटांक जमीन साथ मकान का 1/4 अंश जो 1, झामापुकुर लेन, कलकत्ता पर अवस्थित श्रीर जो दलिल सं० 7386/1979 के अनुसार है।

श्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-ग्रा, कलकत्ता-16

तारीख: 1**2-**3-1980

प्रकप भाई। ठी। एतः एस।---

प्रायकर भिकितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रमीत सुचता

भारत सरकार कार्यालय, सङ्घायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्वेश सं० 684/एम्वि० झार०—117/79—80/कल०—यतः मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा, भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भिन्नी सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से भिष्क है

भोर जिसकी सं० 1 (श्रंश) है तथा जो श्रमापुकुर लेन, भलकत्ता में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पग्वह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर प्रन्तरक (ग्रग्तरकों) भीर प्रग्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रग्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त ग्रग्तरण लिखित नैमें वास्तिविक उप से कियत नहीं किया गया है:—-

- (क) मन्तरण से हुई किसी माम की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के वायित्क में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिश्रिनियम, या घन-कर मिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

अतः, धव, धवत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, धवत प्रधिनियम की घारा 269-थ की खपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :----5---86GI/80

- 1. श्री निर्मेल कुमार घोष (ग्रन्तरक)
- 2. श्री काशीनाथ सेकसरिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उनन सम्बक्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध वाद में समान्त होती, हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवळ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्म्बद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जो उक्त श्रीधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

करीब 13 कट्टा 1 छटाक जमीन साथ मकान का 1/8 ग्रंश जो 1, शामापुकुर लेन, कलकत्ता पर ग्रवस्थित ग्रीर जो दलिल सं० 7387/1979 के ग्रतुसार है।

माई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1117, कलकत्ता-16

तारीख: 12-3-1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

मायकर ऋधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ऋधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रज न रॅज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्वेश सं० 685/एिषय॰ रें०-111/79-80/फल०-यतः मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्मत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- हपये
से अधिक है
और जिसकी सं० 1 (शंश) है तथा जो भामापकर लेन.

भीर जिसकी सं० 1 (श्रंश) है तथा जो भामापुकुर लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रोर इससे उपावस श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-8-1979 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उका अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत, उक्त मिछ-नियम के भधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या धम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायक्षर भ्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधितियम, या धन-कर भ्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में भुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के श्रद्यीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री निर्मल कुमार घोष (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती गीतावेमी डालमिया (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन मन्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की धवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वरक्षीकरण : →-इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं वही श्रथं होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 12 कट्टा 1 छटांक जमीन साथ मकान का 1/8 ग्रंग जो 1, झामापुकुर लेन, कलकत्ता पर ग्रवस्थित ग्रोर दलिल सं० 7388/1979 के ग्रनुसार है।

भाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 12-3-1980

प्रकप भाई• टी• एन• एस•----

आयकर प्रचितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घषीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज, कलकत्ता

भलकत्ता, दिनांक 20 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 118 रेंज-IV/कल०/1979-80-यतः मुझे, के० सिंहा,

आयकर भिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिषित्यम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए के अधिक है

मोर जिसकी सं० 68 है तथा जो राम गोपाल सिंह रोड़, मासनसोल में स्थित है (मोर इससे उपाबद्ध मनुसूची में घोर पूर्ण कप से इ विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यान्तय, मासनसोल में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17-8-1979 को पूर्वोक्त सन्पति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिकृत से प्रधिक है बीर घम्तरक (धम्तरकों) और अम्तरिती (धम्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।--

- (क) अन्तरण से हुई जिसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अबने में सुविज्ञा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त धिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः भवं, उन्त अधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवास्

- 1. श्री निल गोपाल बसाक (भ्रन्तरक)
- 2. श्री ललित मोहन वसाक (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्दत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप।---

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की घवित्र, औ भी घवित्र वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजात में प्रकाशन की नारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त मिश्वनियम-के श्रष्टवाय 20क में परिचालित है, वही अवें होगा जो उस शब्दाय में दिया गया दै!

अनुसूची

68, राम गोपाल सिंह रोड़, भ्रासानसोल, जि० वर्ध-मान, में 5 का॰ 6 काक्चा जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिज सं॰ 4775 में भ्रीर पूर्णरूप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1V, कलकता

तारीख 20-3-1980 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 119/रेंज-IV/कलकता 1979-80 यतः मृ**स**े, के० सिहा,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उनन प्रश्चिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के स्वीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जित्रका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से मधिक है

भौर जिसकी सं० 72 है तथा जो शरत चटर्जी रोड, शिवपुर, हावड़ा में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्व रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में ,रिजस्ट्रीक्षरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 11-8~1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान भित्रकल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अग्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिजाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उत्तत श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उपन श्रिवनियम की धारा 269-थ की उपक्षारा (1) के अश्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवीत —

- श्री सोमेन्द्र, रमेन्द्र, शचिन्द्र, गोपेन्द्र, ब्रोजेन्द्र नाथ
 श्रीमती शिप्रा मज मदार, चिला सेनगप्त। (अन्तरण)
 - 2. श्रीमती मनिका राय (भ्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति ने प्रजैन ने लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई की बाबीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीख से 45 दिन की प्रवंधि या तरसन्यांची व्यक्तियों पर भूजना की तामील से 30 दिन की प्रवंधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हित-बद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के गान लिखित में किए आ सकेंगे।

ह्वण्डीकरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो खक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्याय 20-क में परिकाणित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

धनुसूची

72, शारत चटर्जी रोड़, शिवपुर, जिला हावड़ा में 12 काच्चा, 14 स्क्वा० सि० जमीन का सब क्रुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 1309 में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-, कलकत्ता-16

तारीख: 20-3-1980

प्ररूप बाहुँ० टी० एन्० एस० -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 20 मार्च, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 120/रेंज-IV/कल०/1979--80-मतः मझे, के० सिन्हा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अभिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रू० से अधिक-हु"

भौर जिसकी सं० 72 है तथा जो शरत घटर्जी रोड़, शिवपुर, हावरा में स्थित है (भौर इससे उपाबद मनुसूची में मौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के वार्मालय, हावरा में रोजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 11-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके देवंमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पृत्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण जिल्लिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, खक्त अधिनियम के संशीम कर दोने के मन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुर्तिश्वा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्मतिश्वित व्यक्तियों अधीतः —

- 1. श्री सोमेब, रभेन्द्र, शचिन्द्र, गोपेन्द्र नाथ राय श्रीमती शिप्रा मजुमदार चिन्ना सेनगुप्त। (ग्रन्तरक)
 - 2. श्रीमती निर्मता शाय (ब्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के भूजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क भें परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस जुब्याय भें दिका गया हुँ।

मन्द्ची

72 शरत चटर्जी रोड़, शिवपुर, हाबंदा, में 12 कट्टा 28 स्क्या - फिन्न जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का बलिस संग् 1308 में और पूर्णकंप से वंगित है।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 20-3-1980

मोहरः

प्ररूप आर्खे. टी. एन√ एचा. -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, फलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 21 मचि 1980

निवेश सं० ए० सि० /रेंज-II/कल०/1979-80-

अतः मुझे के० सिन्हां आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 62 है तथा जो प्रार० एम० बैनर्जी रोड़, स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में घीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्णित, कलकरत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 9-8-1979

को पूर्वांकत संवित्त के उचित बाजार मूल्य से का के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित को वीच ऐसे अन्तरण के बिए तथ वाया गया गृष्टि-फल निक्निचित उच्चेश्य से उनत अन्तरण कि कि विश्व में वास्तविक कुप से नहें भूत नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त सर्टिंध-नियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के दाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयसर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंत्र, या अन-कर अधिनियंग, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्नतं अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुस्रण में, मा, उन्नतं अधिनियम की धारा 269-ण की अपधारा (1) के मुधीन, निम्नुतिबित न्युक्तियों मुधीन्:—-

- 1. श्री देवेन्द्र विजय बैनर्जी (प्रन्तरक)
- 2. श्रीमती संध्यादास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृतित के अवर्ष के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप्:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित के द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- कुष्म किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास किसित में किए जा सक्तेंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो आयकर अभिनियम के अध्याय 70-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुस्त्री

जमीन परिणाम 2 कट्टा, 8 छटाख आर० एम० बैनर्जी रोड, कलकत्ता।

> कें सिन्हा (सक्षम प्राविकारी सहायक प्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंग रेंज-11, कलकत्ता-16

सारीख: 21-3-1980

मोहर ।

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०---

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, 54, रफी अहमव किववई रोड, कलकत्ता कलकसा, विनांक 21, मार्चे 1980

निर्वेश सं॰ ए० सि॰ /रेंज-II/कल०/1979 यतः मृक्षे, के० सिन्हा,

ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 11/1 है तथा जो श्रालिपुर एमिनिए में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता म, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के के श्रीम, तारीख 18-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) और धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरक से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिल्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा]के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या थ्रम्य थ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिताने में सुविधा के लिए;

मतः प्रत्र, उन्न अधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त भिविनयम की घारा]269-च की उपधारा (1) के अत्रोत, निम्नतिखित व्यक्तियों, अथौत :---

- 1. श्री सनत कुमार दत्त (भन्तरक)
- 2. श्री कालमकरी डिसाइन प्राईवेट लि॰ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो खकत श्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन परिमाण 1 विद्या 7 छटांक 1 एस० फुट झालिपुर एविन्यू, कलकत्ता।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजटून रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 21-3-1980

प्रकप साई० टी• एन• एस•---

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-11, 54, रफीअहमद कियवई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक, 21 मार्च 1980

मिर्वेश सं० ए० सि० /रेंज-II/कल०/19 यतः मुझे, के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्वान् 'उक्त मिविनियम' कहा गया है), की धारा 368-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कार हारण है कि स्थाबर सम्यन्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- र० से प्रक्षिक है भीर जिसकी सं० 31 है तथा जो लेक टाउन में स्थित है (भीर इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजप्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **भक्षीन, तारीख 31-8-1979 को पूर्वोक्त** सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त संपत्ती का उचित बाजार मृख्य, उसके दुश्यमान ब्रतिफल से, ऐसे बुष्यमान प्रतिफल के बन्बह प्रतिशत से भिधक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरीती (भन्तरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य सें उनत अन्तरण लिखित में वास्तनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, **एक्त** पश्चिमित्रम के अधीन कर देने के भागरक के दासिस्व में कमी करने या जसने सबने में सुजिखा के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त धिष्टित्यम, या धन-कर धिष्टित्यम, या धन-कर धिष्टित्यम, या धन-कर धिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा कियाने में सुविधा के लिए;

क्सा अब, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत पश्चिनियम की धारा 269-क की उपधाराः (1) के अभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थास्।——

- 1. श्री मतिलाल प्रामाणिक (मन्तरक)
- 2. श्री तापस दत्त (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी भाष्के पूर्वोक्स सम्पन्तिके धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजमक में प्रकाशन की तासिका से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समस्पत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशनः की तनरीख से 45 चिन के मीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हिसबा किसी धस्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहरूलाकरी के पान किखिल में दिन्त जा सन्तेंगे।

स्पान्त्रीकरकः --- इसमें प्रयुक्त काव्यों भीत पत्यों का, को करत विश्व-नियम, के प्रक्याम २०-च के परिभावित हैं, वही कर्म होगा जो उस वक्याम में विस्ता गम्बा है।

प्रमुखी

जमीन परिभाण — 4 काठा 2 एस० फुट, लेक टाउन, कलकत्ता।

> के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन र्रेज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 21-3-1980

प्रकर आई० टी∙ एन० एम०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) ह अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, 54, रफीअकिदवई रोड, कलकक्षा कलकक्षा, दिनांक 1 भ्रप्रैल, 1980

निर्वेश मं० ए० सी०/रेज-IV/कल०/1979 यत: मुझे, भ्राई० वी० एस० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 हा 43) 'निये उनमें इसके पत्कान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- ए० से ग्र**धि**क है भौर जिसकी सं० 63 है तथा जो ग्राचार्य जगदीण चन्द्र बोस रोड़, कलकत्ता-16 में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित दै), रिकस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, कलकत्ता में ,रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 16-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृहय से कम के द्रयम। । प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विक्शान ठाने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफाय से ऐसे दुश्यमान प्रतिपल के पन्द्रह प्रतिशत से शिषक है और प्रनारक (प्रश्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ।य पाया गया प्रक्रिक, निमालिखिन उद्देश्य से उपन अन्तरण विखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियप के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः, ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्राधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----6---86GI/80

- 1. श्री ग्रारमेन्द्र कुमार दाम ग्रौर चन्द्रलेखा भौमिक (श्रन्तरक)
- 2. श्री नियाज अहमद (श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **प्रजं**न के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्यानि के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी प्राक्षेप:--

- (ह) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भी उद्यूवीं वन व्यक्तियों में से किसी पा तन द्वारा;
- (ख) इन मुबता के राजांत्र में प्रकाशा को तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित-बद्ध किभी अन्य गावित द्वारा, प्रधोड़स्तावारी के पास नेखिन में किए जा मकोंगे।

ह्माब्हीकरण: --इसमें प्रमुक्त सम्बों और पदों का, जो उन्त अधिनयम क अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ार्व कीए, जो उस सध्यार में दिया गया है।

प्रनम् घी

मकान थोड़ा सा दो मंजिल और थाड़ा सा एक मंजिल सर्वेन्ट क्वार्टर, उसके साथ जमीन 6 के०-40 स्वव० फीट नं० 63 श्राचार्य जगदीण चन्ट बोस रोड, कलकत्ता डीड नं० 4385 तारीख 16-8-79 रिजस्ट्री श्राफ एस्योरेंस के सामने रजिस्ट्री किया गया है।

म्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 1-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस० - - - - आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज III, 54, रफीअहमद किदवई रोड,

कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 ग्रप्रैल 1980

निर्देश सं० 688 एक्वि॰ रेंज-III/80-81---यतः, मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा, मायकर मधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व्य के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से धर्धिक हैं न्नौर जिसकी सं० 7/2ए है तथा जो मारा<mark>ढा</mark> डिच लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का परब्रह प्रतिशत अधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) यन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उसस प्रिजियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के रायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध। के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी घाम या किसी धन या धाम्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर घिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठिनयम, या धन-कर घिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269य की उपधारा के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधीन,

- 1. श्रीमती धामिभा घोष, मिरा बोस, माया राय छाया दत्त, रेबा मिल ग्रीर केया बसु। (श्रन्तरक)
 - 2. श्रीमती चामेली सिल (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सग्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उकत श्रिवितयम, के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, बही पर्यहोगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है !

अन सूची

करीब 6 कट्टा, जमीन साथ उस पर बनाया मकान जो 7/2ए, माराढा डिच लेन,कक्षकसा पर श्रवस्थित।

> श्राई० बी०एस० जुनेज, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 1-4-1980

मोहरः

प्ररूप साई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 श्रप्रैल, 1980

निर्वेश सं० ए० मी०/रेंज-I/कल०/1979-80—यतः मुझे, भ्राई० वी० एस० जुनेजा, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूस्य बाजार 25,000/- इपये से प्रधिक श्रौर जिसकी सं० 1 है, तथा जो निताई बाब क्षेन, कलकत्ता में स्थित है (श्री: इन्से उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में ,रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 17-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथारूबोंकन सम्पत्ति का बाजार मृक्ष्य, उसके पृथ्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशान से भ्राधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (म्रग्तरितियों), के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्तरग स हुई किसी प्राथ की बाबन उक्त ग्रिबि-नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरण के वायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी घन या ग्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या श्रमकर श्रिष्ठित्यम, या श्रमकर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के धनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखन ध्यक्तियों, अर्थात:——

- 1. श्रीमती लक्षीमनी दासी (ग्रन्तरक)
- 2. मैं पगमेटन्स एण्ड एलायड प्रोडक्टम (श्रन्तरिती)
- 3. कुमारी भ्रतिमा सिकदार (यह व्यक्ति जिसके रती भोग में सम्पत्ति है),

को यह सूचना जारी करके पूर्वीना सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उत्तत सम्बन्धि के प्रजैत के सम्बन्ध म कोई भी प्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्राहा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नर्केंगे।

स्यब्डोकरण: ---इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उत्तर अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्टा 10 छटांक 21 स्को॰ फुट॰ जमीन स्नाकमचारम जो 1, मिनाइबाबू लेन, कलकत्ता पर अवस्थित श्रौर जो रजिस्ट्रार श्राफ एसुरेन्स, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकत दलिल सं॰ 1-8831/1979 के श्रनुसार है

> भ्रार्ष० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त,(निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 1-4-1980

प्ररूप ग्राई० टी०एन० एस०---

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज⊷III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 8 अप्रैल 1980

निर्देश स० 689/एक्वि० रेज-III/80-81/कल०-यत मुझे, श्राई० बी० एस० जुनेजा, म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क भ्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-बाजार मृल्य रुपये मे श्रधिक है न्नौर जिसकी स० $1/\overline{v}/1$ है तथा जो रायपुर रोड ईस्ट, कलकत्ता-32 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भ्रालिपुर मे, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1903 का 16) वे प्रधीन, तारीख 19-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल क लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्पमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है मीर ग्रन्तरह (प्रनरकों) श्रीर प्रनारिती (प्रनरितियों) क बीच ऐपे प्रनारम के निर्मास सामाध्यतिकार, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही कियागया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; ग्रीर/या
- (य) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्निती द्वारा क्रिकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः श्रव, उना प्रशिविम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मै, उनन श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, िन्निविचा व्यक्तियों, प्रयत्ः-- 1 (1) सर्वश्री श्रनिल कुभार दासगुप्त (2) सलिल दासगप्त (3) श्रमित दासगुप्त (4) श्रमित दासगुप्त (5) श्रनित दासगप्त (6) बेला राय (7) श्रनिता दासगप्त (श्रन्तरक)

2 श्री श्रक्त कुमार बागची

(ग्रन्सरिती)

को यह सूबता जारी हरके पूर्वीका सम्मत्ति के मर्जन के लिए हार्यवाहिया करता हूं।

उना गमिति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेत:---

- (ह) इत पूत्रता कराजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दित की प्रतिया ना तत्तं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन में 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्र) इत प्राप्त के राजात्र में प्रकागन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डोकरण:--इसमें प्रयुका शब्दों झीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दारच्या महान साथ 2 कट्टा, 8 छटाक जमीन जो $1/\sqrt{1}$, रायपुर रोड, ईस्ट, कलकत्ता-32 पर श्रवस्थित।

श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख 8-4-1980 मोहर: प्रका धाई०टी • एन • एस • --

नायकर अधिनिधन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज- $\mathbf{I}^{\mathbf{V}}$, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 श्रप्रैंल 1980

निर्देश स० ए० सी० $2/\overline{\text{रंज-IV}}/\pi m/19$ —यतः मझे, के० सिहा,

आयकर प्रधितियम, 1981 (1981 का 43) (जिन्ने इसमें इसके पश्जान 'चनत मिनियम' हहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 31 है, तथा जो पि० के० गांगुली रोड, बालि, स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनमूची में और जो पूर्ण रूप मे विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हावरा, मे रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 24-8-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के छितित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार शृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल का प्रसह प्रतिकत से प्रविक्त है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे स्थारण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित खंदेश्य से उद्देश प्रस्तरण निवित में बास्तिक कर से के कथित नहीं किया गया है:—

- (च) अन्तरम से हुई किसी आप को बावन, उच्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के प्रबुसरण में, में, उन्त पश्चितियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्ननिखित व्यक्तियों, प्रवीतः— 1. श्रीमती प्रभा दास गुप्ता

(ग्रन्तरक)

2. डा० इरा चटर्जी

(श्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करक स्वींका सम्पत्ति के **सर्जन** के लिए कार्य**बाह्या करता** हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस मूचना के राजात में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इतबद्ध किसी ग्रन्थ स्थाप्ति द्वारा, भधोत्स्ताक्षरी के पास निजित्र में किये जा सर्कोंगे।

हाक्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, छो उनत अधिनियम क प्रध्याय 20-क में परिमाधित है, वही अर्थे होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

31, पी० के० गांगुली रोड,बालि,जिला हावड़ा,में 3 का० जमीन का सब कुछ जसे 1979 का दिलल सं० 1384 में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख: 10-4-1980

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

मायकर म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 11 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० एस० म्रार० 540/टी० म्रार०-162/कल.-2/79-80—यतः मुझे, म्राई० वी० एस० जुनेजा, म्रायकर म्रियिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उका म्रियिन्यम' कहा गया है) की धारा 269-ख के म्रियीन सजन प्राधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के म्रियीन सजन प्राधितारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से मिक है

श्रीर जिसकी सं० पी० 283 है तथा जो दरगा रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे अपाबद्ध श्रनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 7-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रिधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ध्रिष्ठि नियम के अबीन कर देने के अन्तरक के दायि**ख में** कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) एसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुक्था के लिए;

ग्रत:, ग्रब, उपत मधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उदत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित:—

1. श्रीमती शान्ता नाग

(ग्रन्तरक)

2. श्री शेख महम्मद सईद

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (त) इस पूत्रता के राजात में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किमी प्रन्य वाकित द्वारा श्रवीहरताक्षरी के पास विखान में किए जा सकोंगे।

स्पढडीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रांशिक दोतल्ला ग्रांशिक तिनतल्ला मकान साथ करीब 5 कट्टा 1 छटांक जमीन जो पी० 283 दरगा रोड, कलकसा पर भ्रवस्थित भौर जो सब-रजिस्ट्रार, सियालदह द्वारा रजिस्ट्रीकृत दिलल सं० I-789/1979 का भ्रनुसार है।

श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-^I, कलकत्ता-16

नारीख: 11-4-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 15 श्रप्रैल, 1980

निर्देश सं० ए० सि०/रेंज-II कल०/1979-80-यन: मुझे के० सिन्हा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख

के अधीत मजन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर समात्ति, जिजका उचित बाजार मूल्य 25,000/-घनए से अधिक है

त्रीर जिसकी सं० है तथा जो महेणतला, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में जिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 7-8-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफत्त का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमो हरते या उत्तर बत्तने में पुत्रिया के लिए; ग्रीर/या
- (ज) ऐसी कियो प्राय या किसी बन या भ्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धनकर भ्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रायोजनार्थ श्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः प्रव उक्त अधिनियम की धारा 269ग के स्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269श की उपधारा (1) के संधीतः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. इक्पमेंट एण्ड मेमिनारि कारपोरेणन (इण्डिया) प्रा० लि० (श्रन्तरक)
- 2. इण्डिया दि स्टोरेज एजेन्सी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के ग्रार्गन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ िनी प्रत्य व्यक्ति हारा प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रगुक्त शब्दों स्रीर पदों का जो उक्त श्रिक्षिक नियम के स्राह्मपा 20 ह में परिभाषित है वही श्रर्थ होगा जो उन स्रष्टमाय में दिया गया है ।

अनुसची

Share of vacant land in P.S. Maheshtalla under Kh. No. 623 to 625 & 635-637 and Dag No. 192 & 6 decs. More particularly described in deed No. 3486.

सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड, कलकक्ता-16

नारीख 15-4-1980 भोहर: प्ररूप आई, टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 15 भ्रप्रैल, 1980

निर्देश स० ए० सि०/रेज-ग/कल०/80-81—स्त: मृझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 264- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रज. से अधिक है

श्रीर जिसकी स०श्रनुसूची के अगुमार है तथा जो महेणतला में स्थितहैं (श्रीर इसमें उपाबत अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण स्प में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 18-8-79 को पूर्ण के लिए अन्तरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूर्भ यह विश्वास करने का द्वारण हैं कि यथापूर्वांवन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल को पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक सूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों अर्थात्:—

- मैं०इक्युपमेट एण्ड मणीनरी कारपोरेणन (इटिया) प्रा० लि० (अन्तरक)
 - 2. मं० इण्डिया टी स्टोरेज एजेन्सी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

रपष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विशा गया हैं।

अनुस्ची

Share of vacant land in P.S. Maheshtalla under Kh. No. 625, 624, 623, 623, 636, 637, 635, 626, and Dag No. 192/914, 192, 192/915, 198/870, 198, 191, more particularly described in decd No. 3711.

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख 15-4-1980 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 श्रप्रैल 1980

निर्देश **ग्रं**० ए० सि०/रेंज-II/कल०/19—यतः मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक है

भौर जिसकी सं श्र मनुसूची के अनुसार है तथा जो महेशतला में स्थित है (भौर इससे उपावब अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 24-8-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान तियम के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार क्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- 1. इक्युपमेंट एण्ड मैशिनरी कारपोरेशन (इंडिया) प्रा० लि० (भ्रन्तरक)
- 2. इण्डिया दि स्टोरेज एजेन्सि

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिसित में किए जा सकागे।

स्पच्छोकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:----7---86 GI/80

सारीख: 15-4-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता; दिनांक 16 ग्रप्रैल 1980

निर्वेश सं० ए० सी० 5/रेंज-IV/कल०/1980-81—यतः मुम्रो, के० सिन्हा

भागकर प्राधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० 2 है तथा जो टाक रोड, बालि, हावड़ा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिंचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिव रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रग्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्टि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अथोन निम्नतिविज काविजयों, ग्रयी :--- 1. श्री श्रीराम चौधुरी

(भ्रन्तरक)

2. मोहनलाल ग्रागरवयाला

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन का प्रवाध था तत्सवद्या व्याक्तया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविद्या, जो भी प्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्वों का, जो उक्त श्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2, ष्टार्क रोड, जिला हावड़ा, पी० एस० बालि में 19 का० 36 40 स्को० मि० जमीन का सात मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं 1327 में भौर पूर्ण रूप में विणत है।

> के सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 16-4-80

प्रकप आई• टी• एत• एस०----

भायकर श्रीविनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के ध्रवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 भप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० सी० 6/रेंज-IV/कल०/1980-81---यतः मुद्दों के० सिन्हा

शायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सप्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० 83/1, है तथा जो जेलियापारा लेन, जोलावारि हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-8-79

की वृत्यंक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के वृत्यंमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उत्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कृमी करने या उससे वचने में सुविधा के क्षिए; और/या
- (ख) ऐसी निसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय भायकर ग्रिश्चित्यम 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर ग्रिश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिप ने में सुविधा के आए;

अतः, अब, उनत अधिनियम की घारा 269ना के घनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269न्म की उपसारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अवित्।-- 1. श्री राम चन्द्र साउ

(अन्तरक)

2. श्री भ्रार०पी० साउ, श्रे० पी० साउ, ए० पी० साउ, ए० के० साउ, (नावालक), टी० के० साउ,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजप्त में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्योकरण:--इतर्ने प्रपुक्त सन्यों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिचावित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गरा है।

ग्रनुसम्री

83/1, जिल्पापारा लेन, जोलाबारि, हावड़ा, में 9 काठा, 10 छटांक जमीन उस पर मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दिलल सं० 2370 में और पूर्ण क्प से वर्णित है।

> के० सिन्हा सज्जन प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-IV, कलकत्ता-17

तारीख 16-4-1980 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता विनाक 16-4-1980

निर्देश सं० ए० सी० ग/रेंज-IV/कल०/1980-81—यत मुझे के० सिन्हा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से श्रधिक है

भौर जिसकी सं 0,32 है तथा जो शिवचन्त्र चटर्जी स्ट्रीट, बालि हावड़ा, में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 1-8-79 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिवात से प्रधिक हैं और प्रन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती सें (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव, उत्ततः श्रिधिनियमं की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, धर्यातः :— 1. श्री ग्रहमद मुहम्मद

(ग्रन्तरक)

2. ऋांसमिप इंजीनियरिंग प्रा० लि०

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगें।

श्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ।

अमुसूची े

32 शिवचन्द्र चटर्जी स्ट्रीट, बाली हाबड़ा में 1 बीधा 5 कांठा 6 छटांक, उस पर मकान का सब कुछ जैसे 1979 का देखिल सं॰ 4166 में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> ्के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख ! 16-4-1980 मोहर: प्रकप बाई • टी • एन • एस०-----

आयक्षर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घंधीन भूचना

षारतः सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 भ्रप्रैल 1980

निरोधा सं० ए० सी० 8/रेंज- |कल०|1980-81---यतः मुझे,के० सिन्हा

आयकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाबार मूल्य 25,000/- व॰ से मधिक है

25,000/- दे॰ से आधक हैं
और जिसकी सं० 4 हैं तथा जो कोतोयाली, वार्जिलिंग में स्थित
है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में और जो पूर्ण रूप से धर्णित है)
रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण
श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधींन दिनांक 16-8-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य,
एसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) छोर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक
क्रम से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की क्षाबत उक्त धितियम के ग्रमीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कभी करने या उससे अवने में मृशिधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या प्रस्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, स्थिन में सुविधा के लिए;

अतः, अब, धनत मधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उग-जारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।---

- श्री जयप्रकाश दास गुप्त, उदयन दास गप्ता, ग्ररुण दास गुप्त
 - (ग्रन्तरक)

2. श्री मिनुभाई पटेल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप !---

- (क) इस पूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितब द किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसर्में प्रयुक्त गाब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में वरिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याथ में विथा गया है।

अमुसुची

4. कोतोयाली, दार्जिलिंग में 3 एकड़ 1 रूद, 4 पोलत, 12 स्क्वेयर फुट जमीन का सब कुछ जसे 1979 का दलील सं० 4403 में ग्रीर पूणरूप से विणित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-, उरउग

तारीख: 17-4-80

प्रक्रप प्रार्ध**ः** टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कल्क्षचा, दिवांक 23 अप्रैल 1980

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कलकत्ता/1980-81—यतः मुझे, म्राई० बी० एस० जनेजा

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/रुएए से भ्रधिक है

ग्रौर जिसक्ती सं० 8 है तथा जो तिरहा बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता सें स्थित है

(श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-8-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से ध्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, छक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के धायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या प्रत्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्:—

- (1) श्रीमती तारा सुन्द्ररी-दे एन्ड आदार्स (धन्तरक्)
- (2) श्रीमती मेहर आफरज् बेगम एन्ड आदार्स (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्मत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इप सूर्वना के राजात में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की स्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूर्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जी भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख़) इप सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकों में।

स्त्रध्दीक्रर्णः --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रद्धाय-20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसृची

8 नं० तिरह्म बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्ति 2 कट्टा 8 छटीक, जमीन पर श्रीशिक दो तल्ला श्रौर श्रीशिक तिन तल्ला मकान जो 7-8-79 तारीख में डीड नं० श्राई-4472 श्रनुसार सब रजिस्ट्रार, कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा [सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- ; कलकत्ता-16

तारीख: 23-4-80

प्रंरूप आंहे. टी. एन. एस.----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संभाना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयक्त (निराक्षण) ग्रर्जम रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनीक 23 श्रंशैल 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कलकत्ता/1980-81—यतः मुझे, के० सिम्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्के पर्वनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 4/32 है तथा जो पार्न रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी ऑय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकंर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री सुमेन्तु प्रसाद राय चौधुरी

(भ्रन्तरक)

2. श्री **प्रवे**श कुमार सिन्हा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में काँहाँ भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- अव्यक्ति व्वारं अधोहस्ताक्षरी के पास तिथित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

जमीर परिमाण 2 काठा 7 छटोक, 35 एस० फुट, 4/32 फार्न रोड, कलकसा ।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज; कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गुके अनुसरिंग में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों अधितः—

तारीख : 23-4-1980

प्रकप भाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थातव, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 ग्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० सी० /रेंज-IV/कल०/1980-81—यतः मझे, के० सिन्हा

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसके पश्वात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ध्रुपए से ग्रिधिक है

और जिसकी सं 178ए है तथा जो एस० पि० मुखर्जी रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनांक श्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रौर यह कि अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रम्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ग्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—-

- 1. मैंसर्स हिमालयान को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० (श्रन्तरक)
- 2. श्री भ्रष्न कुमार भट्टाचार्जी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दी तरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों स्त्रीर पदों का, जो उक्त स्राध-नियम, के स्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही स्रथं होगा जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अपुसूची

जमीन परिमाण 858 एस० फुट, 178ए, एस० पि०, मुखर्जी रोड, कलकत्ता।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 23-4-1980

मोहरः

प्रकृप साई • टी • एन • एन • ---

भायकर प्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सङ्गायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 मई 1980

निर्देश सं ए ए सी ० रिंज-IV/कल ० / 1980-81--- यतः मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिने इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 11 है, तथा जो जनक रोड, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रमुस्ची में भीर जो पूर्ण रूप से वॉणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिघिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-8-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योश्त सापत्ति का उचित बाजार मूस्य, उपके दुश्यनान प्रतिकत से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पल्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बायत उक्त प्रक्रितियम के भागित कर देने के भारतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, इक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मिधिनियम की धारा 269-घ की खरखरर (1) के अधीन निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात्:── 8—86GI/80 1. श्री सुधीर कुमार भट्टाचार्य ग्रौर एक जन

(भ्रन्तरक)

2. श्रो बनशो बदन त्रिवेदी

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यावत द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित सें किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, बही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

1/3 शेयर, 4 कट्टा 14 छटांक 8 वर्ग फुट जमीन पर पक्का कोठी। 11 जनक रोड, कलकत्ता।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 1-5-1980

प्ररूप आइ टी. एन. एस.---

आयकर अधिनिक्षा, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 1 मई 1980

निर्देश सं० ए० सी० /रेंज-IV/कल०/1980-81---यतः मुझे, भ्राई० वी० एस० जुनेजा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परनात 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम शाधिकारी को, यह विस्वास करने का आरण हैं कि स्थानर संपत्ति जिल्ला अधित यानार मूल्य 25,000/- रन. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 11 है, तथा जो जनक रोड, कलकला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-8-79 को पूर्वांकत संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में श्राम्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की कावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विका के लिए, और/या
- (ल) एकि कि का ना विशिध धन या अन्य आरित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्गरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उण्धारा (1) के अधीन निस्तिलियत व्यक्तियों अथितः —

- 1. श्री परितोष भुमार भट्टाचार्यं श्रौर एक जन
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती ग्रनिमा तिवेदी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी उपिकत सुवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर संपरित में हित- बद्ध िंग्सी अन्य व्यक्ति द्दारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मध्दीकरण:—- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

1/3 शेयर, 4 कट्टा 14 छटोक, 8 वर्ग फीट जमीन पर पक्का कोठी। 11 जनक रोड, कलकत्ता।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 1-5-1980

मोहरः

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.----

आयकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेज-III, कलकर्

कलकत्ता, दिनांक 1 मई 1980

निर्वेश सं० ए० सी० /रें ज-III/कल०/1980-81—यतः मुक्षे, भ्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं । 1 है, तथा जो जनक रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक 24-8-79 का पूर्वाच्या संपत्ति के उचिन वाजार मृत्य में ग्रम के रश्यमान प्रतिफल के लिए जातिल का ग्रीह है और मरहे था विद्यास करने वा ग्रीस है को ग्रीह है और मरहे था विद्यास करने वा ग्रीस है को जिल्ला की लिए जातिल की लिए जातिल की लिए जातिल की लिए जातिल की प्राचीव करने वा ग्रीह है जो अन्तरण के लिए त्यापात स्थापित अन्तरण के लिए त्यापात स्थापाति फल निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्स अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्भरण मे, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उल्धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री निशिट कुमार भट्टाचार्य श्रीर एक जन । (श्रन्तरक)
- 2, श्रीमती सिवा मुखार्जी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजाकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखिन में किए जा गक गं।

स्वब्दीद्धरणः- --इनमें अयुक्त बार्ग और पदो का, जो उपत अधिनयम के अन्यान 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 शेयर, 4 कट्टा 14 छटांक 8 वर्गफीट जमीन पर पक्का कोठी। 11 जनक रोड, कलकत्ता।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 1-5-1980

मोहरः

प्रकप धाई॰ डी॰ एन॰ एस॰------

अध्यक्तर धार्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के धार्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रजेंन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 1 मई, 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-III/कल०/1980-81----यतः मुझे, ग्राई० थी० एस० जुनेजा ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनयम' कहा गया है), की ग्रारा 269-व के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- द० से घिषक हैं
और जिसकी सं० 11 है, तथा जो जनक रोड, कलकत्ता में स्थित हैं
(और इससे उपायद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत हैं)
रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण
अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-8-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने
का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया,
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (त) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के मधीन कर देने के प्रत्तरक के वायरक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिता के किए;

सतः भवः उत्त सिंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्त भिन्नियम की धारा 269-म की जवसारा (1) के भ्रमीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, सर्वात् !--

- श्री सुधीर कुमार भट्टाचार्य श्रौर एक जन (श्रन्तरक)
- 2. श्री बनसी बदन निवेदी

(भ्रन्तरिती)

को यत् सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उका सम्पत्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की भविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जी भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की नाशेख के 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ह किसी पन्य क्यकित द्वारा, ध्रधोहस्ताकरी के पास जिखित में किए जा मकोंगे।

स्वष्टीकरण:---इनमें प्रयुक्त शक्यों भीर पत्रों का, जो उसन अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी धर्ष होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

1/3 शेथर, 4 कट्टा 14 छटांक 8 वर्ग फीट जमीन पर पक्का कोठी। 11 जनक रोड कलकत्ता।

> ग्राई० वी० एम० जुनेजा सक्षम प्राप्तिकारी सहायक ग्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-III, कसकत्ता

तारी**ख ।** 1-5-1980 मोहर: प्रकथ माई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्रक)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता वानकत्ता, दिनांक 1 मई 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज- /अल०/1980-81—यतः मुझे, श्राई० बी० एस० जुनेजा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के उपवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्थाए से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० 11 है, तथा जो जन व' र.ड, वल व त मं रिश्त है (म्रोर इसमे उपाबद मन् सूची मे म्रोर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय कलकता मे रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कलकता मे रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनाक 24-8-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत्त का पक्ष प्रकार (प्रकरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने उनारण के लिए तम सारा गरा प्रतिफल निम्मलिबित उद्देश्य से उन्त प्रक्तरण विश्वाद में बाराविक कम में क्रिया नहीं किया गरा है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत जक्त मिश्रिनियम के भधीन कर दैने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किमी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

ग्रतः प्रश्न, उनत पश्चिमियम की घारा 269-ए के घनुसरण में, में, उनत प्रश्चिनियम की घारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थिकियों, अर्थांत ।——

- श्री परितोष कुमार भट्टाचार्य ग्रीर एक जन (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रनिमा त्रिवेदी

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (ह) इत सूचता के राजरत में बकासन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोंकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इन सूत्रता के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य स्थिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरब्दोक्तरगः = -इनों प्रमुक्त ग्रन्था प्रौट नशें का, जी जनत प्रीयित्यम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, नहीं बार्य होता, जी उन श्रष्टवाय में दिया गया है।

अ**मुसूच**ी

1/3 शेयर, 4 कट्टा 14 छटांक 8 वर्ग फुट जमीन पर पक्का कोठी। 11 जनक रोड, कलकत्ता।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III,कलकत्ता

तारीख: 1-5-80

प्ररूप आई० टी एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलफत्ता कलकत्ता, दिनांक 1 मई, 1980

निर्वेश सं० ए० सी'०/रेंज-III/कल०/1979-80---यतः मुझे श्राई० वि० एस० जुनेजा

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं 11 है, तथा जो जनकररोड, कलफत्ता में स्थित है (श्रीर इन्ने उन तथन अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीय तरी के कार्यालय जलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण प्रतिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीयान दिनांक 24-8-79 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

निणिव कुमार भट्टाचार्य और एक जन

(भ्रन्तरकः)

2. सिता मुखर्जी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

म्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

1/3 शेयर 4 कट्टा 14 छटांक 8 वर्ग फीट जमीन पर पक्का कोठी। 11 जनक रोड, कलकत्ता।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारी**ख**: 1-5-1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

हार्यातय, महायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च, 1980

निदेश सं० 30/ग्राग*ः*/1979-80---यतः मुझे, श्रो० ग्रानंद्रामः

श्वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिनका उजिन वाजार मूल्य 25,000/- स्पाप से प्रधिक है

श्रौर जिसकी मं० 139, 140 श्रौर 141 है, जो कोरल मर्चेन्ट स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रीर० II, मद्रास नार्थ छाकु० सं० 3302/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के निए प्रत्निर्ता को गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पनद्रह्म प्रतिकार श्रिष्ठक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण मे दुई किसी आप की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के श्रधीन कर देते के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. (1) जी० जगदीश चन्द्र चौधरी
 - (2) जी० कुष्णमूर्ति, (3) जी० राममूर्ति (4) जी० के० एम० बौधरी ग्रीर (5) जी० ग्रार० एम० चौधरी (ग्रन्तरक)
- 2. (1) दंडपानी (2) सेलवराज (3) नागराजन
 - (4) गुनसेगरन। (श्रन्यरिती

को पर्भुतना नारी करके दुवींना सम्मत्तिके अर्जैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्बक्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस पूत्रता के राजात्र में प्रकारत की नारोज से 45 दिन की प्रतिब या तत्नम्बन्त्री व्यक्तियों पर सूचना की नानीत से 3) दिन की प्रतिब, जो भी अत्रिख बाद में पनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में कियो व्यक्ति बारा;
- (ख) इप सूरता के राजात वें प्रकाशन को नारोज में 45 दित के भीतर छत्त स्थावर सम्मित में हिनबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताझरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

हरदगे हरगः --इतनं प्रदुत्त गब्दों यौर नदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

डाक्सेंट नं० 3302/79 जे० एस० ग्रार० II, मंद्रास नार्थ:— भूमि ग्रौर निर्माण — होर सं० 139, 140 व 141 कोरल मर्थेंट स्ट्रीट, मद्रास—6000001।

भो० भानंत्राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तरीख 19~3-1980 मोहर: पावकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के सभीन मुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च, 1980

निदेश सं० 51/नवंब/709—यतः मुझे, स्रो० ध्रानंद्राम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उका स्वितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्यमें से स्थिक है

श्रौर जिसकी सं० 20 टाऊन हाल रोड़, है तथा जो मदुरै में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पुदुमंडपम, मदुरै (डाकु० 1978/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्म उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिकात धाधक है चौर मन्तरक (मन्तरकों) और धन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तत्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कर से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के भस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी फिसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जान। चाहिए या, छिपाने में सुविधा के किए;

श्रतः सब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-र्ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भवीत्।—

- 1. श्री टी० एस० श्रीनिवासन (भन्तरक)
- 2. (1) पी॰ एस॰ के॰ शंकर श्रौर (2) पी॰ एस॰ के॰ बालसुबह्मानियम। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील सै 30 दिन की प्रविधि, जो भी
 भविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पर्योकत
 व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की नारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्मिन में हिनबढ़ किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्नोड्स्नाझरी हे नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो जबत मिधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ऋषे होगा, जो उस प्रश्वाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

डाकुमेंट सं० 1978/79 एस० आर० श्रो० पुदुमंडपम मदुरै:--भूमि श्रौर निर्माण--डोर नं० 20, टाऊन हाल रोड़, मदुरै।

> श्रो० ग्रानंद्राम सक्षम ग्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 19-3-1980

प्रकृप आई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक पायकर पायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन र्रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च, 1980

निदेश सं० 48/नवम्बर/79---यतः मझे, घो० घानंद्राम, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित 25,000/-मुख्य रुपए से मधिक है भौर जसकी सं० 20 ढवून हाल रोड़ है जो मतुरै में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमङपमा मद्दरै (डाक्र० सं० 2046/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यपान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है झौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का **उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे** दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से मधिक है मौर मन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निशिवत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायक्तर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिवित्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भिवित्यम की धारा 269-व की उपभारा (1) भिक्षीन निम्निविश्वत व्यक्तियों, भर्यात्:----9---86 GI/80

- 1. एस० शेशन (ग्रन्तरक)
- 2. (1) पी० एस० के० गंकर श्रौर (2) पी० एस० के० बालसुबरामनियम। (श्रन्तरिती)

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद मैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दी हरगः चन्द्रनमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों हा, जो उक्त ग्रिधि-नियम के ग्राच्याय 20 ह में परिभाषित है, बही ग्रार्थ होगा, जो उस ग्राच्याय में दिया नया है।

अनुसूची

्डाकुमेंट सं० 2046/79 एस० घ्रार० घ्रो० पुदुमडपम् मदुरै। भूमि घौर निर्माण—डोर नं० 20, ढवुन हाल रोड़, मदुरैं।

> श्रो० श्रानंद्राम, सक्तम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख; 19-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 मार्च 1980

निदेश सं० 8/ग्रगस्त/79—यतः मुझे, ग्रो० आनंद्राम, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदन श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है जिसकी गं० 13 तेनलम रोड़, हैतथा जो एगमोर मद्रास-8 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० न्नार॰ I, मद्रास नार्थ (डाकु॰ सं॰ 3063/79) में भारतीय रजिस्द्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख ग्रगस्त 1979। को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐस बुष्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भ्रौर यह कि अनारक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐन अन्तरण के निए तम पाया गरा प्रतिफन तिस्नलिखिन उद्देश न उक्त प्रनारम तिखित में वास्तवित रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई कियो श्राय की बाबन उकन अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपने बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी ि विभी पाप या किसी धन या अन्य आस्तियीं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुसिधा के लिए;

मतः अध, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की छपंघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- ऐ० वेल्लिमगिरि (ग्रन्तरक)
- 2 (1) एस० ग्रालमरत (2) कुमारी ए० बाडिब्यूयती
- (3) ए० चक्रवर्ती (4) ऐ० मुरलीवरन (5) ऐ० प्रशा
- (6) ऐ० मदुकुमरन। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचिना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त संस्पेति के अर्जिन के सर्म्बन्ध में कीई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्रर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी अना व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेगे।

स्वर्ध्वीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उंक्त स्रोधि-नियम के भश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रेष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3063/79 जे० एस० म्रार० I, मद्रास नार्थ।

भूमि भौर निर्माण—डोर सं० 13, वेनलस रोड़, एग-मोर, मद्रास-8।

> श्रो० श्रानंद्राम, सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 34-3-1980

प्ररूप धाई+ टी० एव+ एस़---

भासकर भ्रष्ठितियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के भ्रधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, महास

मद्रास, दिनांक 24 मार्च, 1980

निवेश सं० 9/मगस्त/79—यतः मुझे, म्रो० मानंद्राम, भायकर भिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया है), की धारा 269- क के अश्रीत समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाय सम्बद्धि, जिल्ला उच्चित्र बाजार मूल्य 25,000/- ६पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 13 है तथा जो बेनलस रोड़ ऐगमोर, मब्रास-8 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जें० एस० श्रार०-I मब्रास नार्थ (डाकु० सं० 3064/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोस्त मुम्पिस के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम उरों का कारण है कि यथापूर्वोक्त समासि का उचित बाजार नून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिक्षक है प्रीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्त्रविक कर से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त श्रीविनयम के ध्रधीन कर देने के अन्तरक के अधिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (छ) ऐसी किसी प्राथ ना किया धन या अन्न मास्तिओं को, जिन्हें भारतीय प्राय-हर स्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिष्ठा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम ती घारा 269-ग के प्रनुपरण में, में, उक्त प्रधिनियम की अरर 269-घ ही उपधारा (1) प्रधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री ऐ० वेल्लिगिरी (भ्रन्तरक)
- (1) श्री एम० ग्रालबरत (2) कुमारी ऐ० वडी-बूवती (3) ऐ० मुरलीदरन (34) ऐ० उशा (5) ऐ० चन्नवर्ती (6) ए० मदुकुमरन। (भ्रन्तरिती)

को यह पूजना नारो करके पूर्जीकन सम्पत्ति के गर्भन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस प्रता के राजनत में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो । व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर चंक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवड़ किया प्रथ्य अपित्त द्वारा, अभीरसाक्षरी के पान लिखिल में किए जा सकेंगे।

प्रश्याक्ररण:---इपमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पदों का, जो उपप प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाविश है, वही अर्थ होता जो उन सक्ष्याय में दिया गया है

अनुसूची

डाकूमेंट सं० 3064/79 जे० एस० घार०-1 मद्रास नार्थ भूमि घौर निर्माण —-डोर नं० 13, बेनलस रोड़, एगुमोर, मद्रास-8।

> भी० श्रानंद्राम, सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, मद्राम

तारीख: 24-3-1980

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एत॰----

श्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-थ(1) के प्रशीम सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 मार्च 1980

निदेश सं० 10/अगस्त/79—यतः मुझे, श्री० आनंद्राम, आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के अधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थारर सम्पत्ति जिसका चित्रत बाजार मूल्य 25000/- रु॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 13 बेनलस रोड़ है, जो एगमोर, मद्रास-8 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० -1 मद्रास नार्थ (डाकु० सं० 3065/79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपास के उपित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (अंतरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण विविद्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए। और या
- (ख) ऐसी किनी पाय या किसी वन या सम्य सारितमीं को, जिन्हें भारतीय धायकर समिनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त समिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः श्रव, उस्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की धपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, शर्यात्:—

- 1. ऐ० वेल्लिमंगिरी (भन्तरक)
- 2. श्रीमती ऐ॰ मुसिला ग्रम्माल। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जाये करके पूर्वीक्त हम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकारन की तारीब से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड्दों भीर पदों का, जो उक्त ध्राधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट मं० 3065/79 जे० एस० धार०-ा, मद्रास

भूमि भौर निर्माण कोर नं० 13, वेनलस रोक एगमोर, मकास-8।

> भी० भानंत्राम, सक्तम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, महास

तारीख: 24-3-1080

प्ररूप माई० टी० एन०एस०----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मत्रास

मद्रास, दिनांक 25 मार्च 1980

निदेश सं० 54/अगस्त/79—यतः मुझे, भ्रो० श्रानद्रांम, भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन पत्रन प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भ्रिक है

भौर जिसकी सं० 259 वेस्ट मासी स्ट्रीट है, जो मबुरैं में स्थित हैं (ग्रौर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जें० एस० ग्रार०-III, पुदुमडपग, महुरैं (डाकु० नं० 1713/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1979

(1908 का 16) क प्रधान, ताराख प्रगस्त 1979 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकन मंगित का उचित बाजार मूल्य, उसके रृष्यमान प्रतिफल सं, ऐसे रृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के आधीन कर देने के अन्तरक के दाधिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या अस्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय स्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उत्तरं श्रधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण मे, मैं, उत्तरं श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :---

- 1. श्री एस० जी० टी० राज (भ्रन्तरक)
- 2. मैसर्स एस० एस० पी० राजा एण्ड को० मै पार्टनर्स (1) जी सुसीला (2) जी० मतीथानन (3) एस० पाकिय-राजन (4) एस० प्रमाकरन। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परदीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसची

डाकुमट नं॰ 1713/79 जे॰ एस॰ घार॰ III, पुत्रमंडपम, मदुरी।

भूमि भौर निर्माण डोर नं० 259 वेस्ट मासी स्ट्रीट, मत्रै।

> श्री० भानंद्राम सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जल रेंज, मदुरै

तारीख: 25-3-980

प्रकप आई• टी• एन• एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भाषीन सचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, म**हायक मायकर आयक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-ा, मद्रास

मद्रास, विनांक 26 मार्च 1980

निदेश सं० 44/ग्रयस्त/79-यतः मुझे, ग्रो० ग्रानंद्राम, अजिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नानार मुन्य 25,000/- रुपये से प्रश्चिक है भ्रौर जिसकी सं० भ्रतिरिक्त भूमि है तथा जो तगरपट्टी भ्रौर एलचूर गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, उथंगराय (डाकु० सं० 1062/79) में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति है उचित धाबार बुख्य से कम के **ब्**व्यसान प्रतिकत के लि**ए भन्त**रित की गई है **और मुझे** यर विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुख्य, उसके बुश्यमान प्रतिकत य ऐसे बुध्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से भविक है और धन्तरम (ग्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच जुंसे प्रत्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित <u>ढहेरय से उरा अभ्वरम लिखित में वास्तविक रूप से समित</u> मही किया गया है :---

- (४) प्रतरण से पूर्व किसी धाय को बाबत उक्त प्रधिनियम, के मनीत कर देने के ग्रस्तरक के प्रामिश्व में कुसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भार/मा
- (ख) ऐसी किसी आप या कि ती धन पा अन्य आस्तिमों सी, जिन्हें भारतीय आय-कर शिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम या धन-कर शिधनियम, 1957 (1957 जा 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रयं, उक्त प्रधिनियम, श्री धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उल्ले श्रिधिनियम की धारा 269-ज़ की उपन्धारा (1) के अधीन निम्तनिवित व्यक्तियों, अर्थीना--

- टी० लक्श्लमन गौंडर (2) टी० एल० बेलप्पन (3) टी० एल० मेगनातन (माइनर) (4) मुनियम्माल (5) दैवानइ अम्माल (6) यसोदा (7) इन्नामलै (8) सकुंतला (माइनर) (9) लक्ष्मी (माइनर) (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री जी० देवेदिरन (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उक्त सम्प्रति के पर्णंत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप्र:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की भविष्ठ या तस्संबंधी क्यक्तियों पर भूवना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोइत व्यक्तियों में से किसी क्यक्तिय वारा;
- (ख) इस भूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तरीख से

 15 दिन के भीतर उक्त स्थापण सम्पत्ति

 में द्विबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ता
 शरी के पास लिखात में किये जा सर्जेगे।

स्प्रकाशिकरण :--इसमें प्रयुक्त साक्ष्यों और पर्वो का, जो उक्त साधिक नियम के धाव्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उन अन्ताय में दिया गया है ।

प्रनुसूची

बाकुमेंट ने० 1062/79 एस० झार० झो० इतंकरे। एमीकल्चरल भूमि—22.06 एकर्स तंगरपट्टी गांव झौर एलचुर गांव, घरमपुरी जिला।

> श्री० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक**र श्रायुक्त, (निरीक्षण)** श्रजैन रेंज-1, सद्रास

तारीख: 26-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जेन रेंज- ${
m I}$, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मार्च 1980

निदेश सं० 31/सित् ०/79-यतः मृष्टो, ग्रो० ग्रानंद्राम, आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/→ रुपये से श्रिधिक श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 27/1 तथा 29/2 है तथा जो गोबिंद श्रग्रहारम, हेस्र, धरमपुरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, धरमपुरी (डाकु० सं० 3423/ 79) में भारतीय रजिस्दीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है गौर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) घौर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **छट्टेश्**य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक **रू**प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी िहमी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उका श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुसिधा के लिए;

श्रत:, श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग ह श्रनु-मरण में, मैं, उक्त प्रिविचम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत:——

- 1. (1) के० सत्यनारायणंमूर्ति (2) के० एस० नाग-राजन (भ्रन्तरक)
- 2. दि प्रेसीडेंट, महरिणी इंस्टीट्यूट श्राफ किंग्टिव इंटेली-जेंस इंडिया रिशिकेश। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रार्थेन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त समात्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध म कोई भी श्राक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुवना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्बत्ति में हितवद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3423/79 एस० स्नार० श्रो० धरमपुरी भूमि सर्वे नं० 27/1—5.24 हैंक्टअर्स भूमि सर्वे नं० 29/2 —0.04 एकटरम गोविन्द स्नग्रहारम होसुर टाउन, धरमपुरी डिस्ट०।

श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 26-3-1980

प्ररूप आईं० टी० एन० एस० →

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 श्वर्षेल 1980

निदेण सं० 28/अगस्त/79—यत:, मुझे, भ्रो० भ्रानंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 10 बन्दर स्ट्रीट है जो मद्रास-1 में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती भिधकारी के कार्यालय, जें० एस० म्रार० ओं० II, मद्रास नार्थ (डाकु० सं० 3417/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीख भगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1े के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:——

1. श्रीमती डेसु चंद्रम्मा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० रामचन्द्रन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3417/79 जे० एस० ग्रार० II मन्नास नार्थ।

. भूमि श्रौर निर्माण डोर नं० 10, बंदर स्ट्रीट, मद्रास-1।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 5-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० 6/ग्रगस्त/79—यतः, मुझे, श्रो० ग्रानंद्राम, ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भिष्ठिक है

भ्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 11, है जो मदुराइ रोड, सिवगंगा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवगंगा (डाकु० सं० 820/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भ्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच देसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:—
10—86GI/80

- श्रीमती टी० एस० कमलादेवी नावियार (2) एस० देवी सुसींन्द्रा नाथ (3) शमुंगवल्ली (4) टि० एस० राजेस्वरी (5) टि० एस० लिलिया (6) टि० एस० शमुंगम। (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रो॰ एस॰ टी॰ वेलायुतम। (श्रन्मरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारी आ से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रब्दीकरण:--इप्तमें प्रयुक्त गब्दों प्रौर पदों का, जो छक्त ग्रिधि-नियम के श्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रार्थ होगा जो जन श्रष्टयाय में दिया गया है।

धनुसूची

डाकुमेंट सं० 820/79 जे० एम० द्यार० II, सिवगंगा खाली भूमि वार्ड नं० 11, मदुरा रोड, सिवगंगा ।

भ्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्राय

तारीख: 8-4-1980

प्रकृष आई॰ टी॰ एत॰ ग्रस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के धवीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 श्रप्रैस 1980

निदेश सं० 7/ग्रगस्त/79--यतः, मुझे, ग्रो० ग्रानंद्राम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पप्र गात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-वा के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र माजार मृत्य 25,000/- रूपये मे प्रक्षिक है ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 11 है जो मदुरै रोड, सिवगंगा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० भ्रार० ओ० ${
m II}$ सिवगंगा (डाक० नं० 820/79 ${
m -I}$ रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 9/79) में का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिशत से बिधक है और प्रम्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (अम्नरिनियों) के बीच ऐने भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य में उन्त घरतरण लिखित में बास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम क प्रधीन कर देने के भन्तरक के शिवरा में कपी करने या उससे उचने में सूर्विधा वे लिए; ग्रौर/या
- ्ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
 को जिस्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 भगोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनिया की बारा 26 अ-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की शारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीम, निम्निचित व्यक्तियों अर्थात् !—

- (1) श्रीमती टी० एस० कमलादेवी नाविमार (2) एस० देवी सुसिन्द्रनाथ (3) शमुंगवस्सी (4) टी० एस० राजेश्वर (5) टी० एस० लिल्था (6) टी० एस० शंमुगम। (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रो० एस० टी० सी० चिन्नैया। (ग्रन्तरिनी)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी धाकों। :---

- (क) इस सूचना के राजपल में अकाशन की तारी ब से 45 विन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतरपूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपात में अकागान की तारीला से 45 दिन के भीलर उपल स्थायर सम्पत्ति में तिबद्ध किसी श्रास्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्त कारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे:

श्यक्तीकरणः चन्द्रसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पर्दो का, जो उक्त स्रधि-नियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं व्यक्तं होना, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 820-I-9/79 जे० एस० श्रार० I सिवगंगा खाली भूमि वार्ड नं० 11, मदुराइ रोड, सिवगंगा।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण),</mark> श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 8-4-1980

प्रकाभ आई० टी० एन० एस० ----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

हार्सनिय, महायह प्राप्तिर प्राप्तृक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 श्रप्रैल 1980]

निदेश सं० 13/अगस्त/79—-यतः, मुझे, श्रो० धानंत्राम, ऋषितर प्रिधितियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वान् 'उन्न प्रिधितियन' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीत तक्षम गाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संक्षि जिस्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भिषक है

श्रीर जिसकी सं० 31 पंथडी 5 स्ट्रीट, मदुरें हैं तथा जो मदुरें में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण हप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जें० एस० श्रार० ओं० मदुरें (डांकु० सं०2952/79) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफन के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफन, तिन्तिविवन उद्देश्य मे उका प्रनारण लिखन में वास्त्रविक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (ह) ब्रनारण य हुई हिसी पान की बाउत उक्त अधि-नियम के ब्राधीन कर देने के अन्तर ह के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में पुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी हिरो प्रारं या किसी धन या प्रनं प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीर प्रारंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नं प्रधिनियम, या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुसिधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उत्था सिधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उत्था त्रिवित्यम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थातः—

- (1) टी० एन० भुष्णाराव (2) के० प्रबाकरन
- (3) के० सुदाकर। (ग्रन्तरिक)
 2. श्रीमती टी० श्रार० कमला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुमूची

डाकुमेंट नं० 2952/79 जे० एम० म्रार० ओ० मदुरै भूमि ग्रौर निर्माण डोर नं० 31, पंथडी 5, स्ट्रीट मदुरै।

> भ्रो० भ्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, मद्रास

तारीख: 8-4-1980

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना (1) टी० एन० कृष्णराव (2) के० प्रवाकरन
 (3) के० सुवाकर। (भ्रन्तरक)

2. श्रीमती टी० भ्रार० कमला।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० 14/श्रगस्त/79—यतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 31 पंथडी 5, स्ट्रीट है, जो मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० ओ० मदुरै (डाकु० सं० 2953/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रमस्त 1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उष्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2953/79 जे० एस० म्रार०ओ० मदुरै। भूमि ग्रौर निर्माण डोर नं० 31 पंथडी 5, स्ट्रीट, मदुरै।

> ग्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्भन रेंज, मद्रास

तारीख: 8-4**-**1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

हायातिय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1980

निदेश सं० 15/ग्रगस्त/79--यतः मुझे, ग्रो० ग्रानंदम, भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने जिसका अचित कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, से 25,000/- रुपये म्रस्य ग्रौर जिसकी सं० पंतजी 519 स्ट्रीट है जो मदुरै में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जें० एस० ग्रारं०, मदुरै (डाकु० नं० 2954/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख भ्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तिरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधिक है ग्रीर प्रत्तरक (प्रनिर्कों) ग्रीर प्रतिरित्ते (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किनी ब्राय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धनकर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्रन्तिरिती द्वारा ब्रक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उस्त अधिनियम की बारा 269-म के प्रनुतरक में, में, उस्त प्रधिनियम की बारा 269-व को उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत् :--- 1. (1) टी० एम० कृष्म।राव (2) के० प्रवाकरन (3) के० सुदाकर (श्रन्तरक)

2. श्री टी० भ्रार० कमला। (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त पन्नित्त कं प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में हिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रीरपदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2954/79 जे० एस० झार० मबुरैं भूमि भ्रौर निर्माण डोर नं० 31 पंतजी 519 स्ट्रीट, मबुरैं।

> श्रो० श्रानंदम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरो**धण)** श्रजंन रेंज, मद्रास

तारीख: 8-4-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 8 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० 16/ग्रगस्त/79—यतः मुझे, ग्रो० ग्रानंद्राम ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त ग्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 31, पंतडी 519 है, जो स्ट्रीट मदुर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता किंधकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार० मदुर (डाक 2955/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उखित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पत्ति का छिन बाजार सूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्नरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रनिफल, निम्नलिखा उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के पंधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (छ) ऐसी किसी आप या किसी घन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रन, उर्नेत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थीत्:---

- া. (1) श्री टी॰ एन॰ कुःण। राव
 - (2) श्री के० प्रभाकरण।
 - (3) श्री के० सुदाकर

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती टी० ग्रार० कमला।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्षोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्त व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्डीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

डाक् मेंट नं० 2955/79 जे० एस० म्रार० मदुरै भूमि भौर निर्माण डोर नं० 31 पंतडी 510 स्ट्रीट मदुरै

> श्रो० स्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, मद्रास

नारीख: 8-4-1980।

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के मधीन सूचना

भारत मरकार कार्यांलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1980

निर्देश सं० 36/अगस्त/79—यतः मुझे श्रो श्रानंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकार को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 17, 18, श्रौर 19 गांधी ईवीन रोड़ है, जो मद्रास-8 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पेरिममेट, मद्रास (डाक नं० 900/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख स्रगस्त 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के पृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्य तन प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिषत प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) श्रोर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (श्व) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या सन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उत्रत अधिनियम, की घारा 269-ग के वातुसरण में, में, उत्रत अधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) बाधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्योद् 1--

- 1. (1) श्री बी० एम० मल्लमा।
 - (2) श्री बी० एच० मल्लमा।
 - (3) श्री बी॰ दिनेश मल्लमा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० पेरियसामी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना प्रमानि के प्रजी के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूत्रता के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजरत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, घशोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्तरशिक्तरण:--इत्यमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, ना उना अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

(डाक् मेंट नं० 900/79 एस० ग्रार० ग्री० पेरियमेट, मद्रास भूमि ग्रीर निर्माण डोर नं० 17, 18 ग्रीर 19 गांधी ईविन रोड़ मद्रास-8।

> श्रो० ग्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, मद्रास-8

तारीख: 8-4-1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एत॰ एस॰---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के ग्रधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास-८, दिनांक ८ ग्रप्रैल 1980

निर्देश सं० 53/ध्रगस्त/79—यतः मुझे, औ० आनंब्राम सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रान्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० सर्वे नं० 733 टी० के० चेट्टीनामकनपट्टी है, जो डिडिगुल में स्थित है (थ्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में प्रणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार०-II डिडिगुल (डाक नं० 1240/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रगस्त 1979

के अधीन, तारीख श्रगस्त 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत मधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों)
प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के सिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रिषितियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी खन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिलियम या घन-कर मिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः धन, उपत अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उकत पिधनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन, निस्त्रतिकित स्पन्तियों, अर्थात:--- 1. (1) श्री पी० एम० के० जगदीनत।

(भ्रःनरक)

- 2. (1) श्री ग्रार० पी० ग्रनगिरी।
 - (2) श्री भ्रार० पी० सुत्रमनियम।
 - (3) श्री ग्रार० पी० तक्षमतन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई मी प्राक्षेप--

- (क) इन मूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्ती व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इन मूत्रना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्यत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

हरम्द्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दो का, जो उक्त ग्रिश्चित्रम के भ्रष्ट्याय 20चक में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा जो उस ग्रम्थ्य में दिया क्या है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 1240/79 जे० एस० म्रार० डिडिगुल अग्रकनदूरल भूमि श्रौर रैस और ग्रामीन मिल्म निर्माण सर्वे नं० 733 टि० के० चेकिनामकंपट्टी डिडिगुल।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास-8

तारीख: 8-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रावकर चित्रिनियम, 1981 (1961 का 43) की प्राप्त 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मप्रैल 1980

निर्वेश सं० 58/प्रगस्त/79—यतः मुझे, स्रो० स्नानंदम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रयात् 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के स्रधीन सन्नम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संवित्त जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

स्रोर जिसकी सँ० 89, 90, 692/3, 97 स्रोर 144/384 सिरूमले गांव है, जो में स्थित है (स्रोर इससे उपावद्ध स्रमुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० स्रार० डिंडिगुल (डाकु० नं० 1271/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख स्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है जि थवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिकात से मधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से क्यित नहीं किया गया है:——

- (त) प्रस्तरण से दुवै किसी भाग की बाबत उनत शक्तिः नियम के मधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे दवने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आत्र ता किसी अन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या अन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः भव, उवत मधिनियम, को धारा 269-म के सनुसरक में, में, उवत प्रधितियम की धारा 269-म को उपवारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, सर्वात्।—— 1. श्रीमती द्यार० कामिनी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० ग्रार० के० पेजस।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्षन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:---

- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 48 विन की घनिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की घनिष्ठ, जो भी धनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-प्रद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहण्ताकरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

रपेक्डीसरण: --इसमें प्रयुक्त गान्यों घोर पर्वो का, जो खबस घांधिनियम के घड़याय 20-क में परिधायित हैं, वही अर्थ होगा जो उस धड़वाय में विया गया है।

पनुसूची

डाकुमेंट नं० 1271/79 जे०एस० भार० भ्रो० डिडिगुल भग्निकलबरल भूमि सर्वे नं० 89, 90 692/3, 97, 144/384 सिरूमलैगांव।

> श्रो॰ ग्रानंदम संक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त, (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 7-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आधक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, मद्रास

मद्रास-8, विनांक 7 भन्नेल 1980

निदश सं० 59/धागस्त/79—यतः मुझे, झो० झानंद्राम भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 119, 86/1, 91/1, है, जो सिंस्कमले गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रत सूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकत श्रिधकारी के कार्यालय जे० एस० श्रार० डिडिगुल (डाकु० नं० 1272/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्द्रह प्रतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य ऑस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया थ्रा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 2.69-ग को अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्:—— 1. श्रीमती भार० सुमती।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० ग्रार० के० पेजस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्क्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाक्सेंट नं० 1272/79 जे० एस० म्रार० डिंडिगुल म्रग्रीकल्चरल भूमि सर्वे नं० 119, 86/1, 91/1, और 43.60 एकड़ से सिरूमेले गांव।

> श्री० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज मद्रास-8

तारींब : 7-4-1980

प्ररूप आहा: टा. एन. एस: →-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

काय रैलय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, मद्रास

मब्रास, दिनांक 9 भन्नेल 1980

निर्देश सं० 64/श्रगस्त/79—यत: मुझे ग्रो० ग्रानंदम नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० नं० 278/1, 277 भीर 310-बी/1 है, जो सैंट गेरीस रोड़ को बैकानल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुभूची में भीर पूर्ण रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० भार० महास नार्थ (डाकुमेंट नं० 3466/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1979

को पूर्वाक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम् के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स संपरित का उचित बाजार मस्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिनित उद्युद्ध स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कृथित नहीं किया गक्का है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिह;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-गुके अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारों (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों कथोत्:— 1. श्री पी० ग्रार० सरमा।

(भ्रन्तरक)

 मैंसर्स डुरामेटलिक (इंडिया) लिमिटेड। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विक की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधिहस्ताक्षरी के । पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3466/79 जे० एस० घ्रार० 1 मद्रास-नार्थ भूमि ग्रौर निर्माण सर्वे नं० 279/1, 277ग्रौर 310-बी-1, बेद्धला विस्टा सैंट मेरिस रोड़ कोडैकानल।

> भ्रो० आनंदम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त. (निरक्षिण) भ्रार्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 9-4-1980

माहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, मद्रास मद्रास-८, दिनांक 5 श्रप्रैल 1980

निर्वेश सं० 8728—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 183, है, जो सौत III स्ट्रीट पुडुकोट्टै में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पुडुकोट्टै (डाक्मेट सं० 2085/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वांक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्:——

- श्रीमती इकमनी श्रम्माल श्रौर श्रन्य। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती एस० पी० घीरय्या। (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बध्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि श्रोर निर्माण—182, सौत III स्ट्रीट पुडुकोट्टै। (डाक्मेंट सं० 2085/79)

> राधाबालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 5-4-1980

प्ररूप भार्ष: टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज. मद्रास

मब्रास. विनांक 28 मार्च 1980

निर्देश सं० 8735—यत:, मुझे, राधाबालकृष्णन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

कीर जिसकी सं० 260, है, जो बेलचेरी रोड़ मद्रास-45 में स्थित है (शीर इसहे उपावढ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तामबरम (डाक् मेंट सं० 3601/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व कें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 1. श्री एन० बालकृष्णन मुद्दलियार।

(ग्रन्तरक)

2. मै० प्रसिजन इलैन्ट्रिक ष्टीवाइस

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी क्यिक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-सर्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्वयद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण -260 वेलचेरी रोड़ मद्रास-45। (डाक्मेंट सं० 3601/79)

> राधा नालक्षण्णन सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदास

विनांक: 28-3-1980

प्रक्रम आई० डी० एन० एस०---

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, मदास

मब्रास, दिनांक 7 प्राप्तैल 1980

निषम सं० 103.53 मत., मुझे, राधाबालकृष्णन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है। कि स्थाबर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० 228 हैं, जो राजा स्ट्रीट कोयम्बट्र में स्थित (श्रीर इससे उपाबज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाकुमेट सं० 4762/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनिस्म, 1908 (1908 का 16) के श्रश्लीन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उच्चके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औ्र/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था खिपाने में सिक्शा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के बधीन निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री वेनकटाचलम घौर ध्रवर्स।
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्री बी० नल्लस्वामी।

(श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहूी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मनुसूची]

भूमि ग्रीर निर्माण 228, राजा स्ट्रीट कोयम्बटूर्"। (डाक्मेट सं० 4262/79)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन र्जेंज, पदास

ता**रीख: 7-4-198**0

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोंज मब्रास

मद्रास, दिनांक 7 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० 7517—यतः, मुझे, राधा बालकृष्नन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और

जिसकी सं० 52, सी० पी० रामस्यामी है जो, प्रय्यर रोड, मद्रास-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय मैलापूर में (डाकूमेट सं० 1702/79) में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख शक्तूबर 1979

को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः--- 1. श्री सुभद्रा सी० मेनन

(भन्तरक)

2. श्री जी० शंकर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्तु सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बेन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (कं) इसे सूचेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी में से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बंबीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किंसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहिस्ताक्षरीं के पास लिसित में किंग जा सर्किंगे।

स्पिकिरणः — इसेमें प्रयुक्त शंक्यों और पदों को, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषितें हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विधा गया है।

र्वनर्सर्ची

भूमि और निर्माण -52 सर सी० पी० रामस्वामी ग्रय्यर रोड, मद्रास-18। (डाक्मेंट सं० 1702/79)

> रोधा बालकृष्णन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) बर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 7-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

शासकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, विनांक 7 भन्नेल 1980

निर्देश सं० 7512——पतः मुझे, राधा बालकृष्न, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जसकी सं० 146, है, जो मोग्नेस रोड़ मद्रास-18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मेलापूर (डाक्मेंट सं० 1464/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1979

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित स्यक्तियाँ अर्थात्:— श्रो डी० बी० रंगास्थामी ग्रौर ग्रवर्स।

(ग्रन्सरक)

2. श्री बी० मार० मार० मोहन राव

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 को परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

भूमि भौर निर्माण -146 मोबरेस रोड मद्रास-18। (डाकूमेंट सं० 1464/79)

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) श्रजैन रेंज महास

तारीख: 7-4-1980

प्रका धाई॰ टी॰ इत॰ एंस॰---

प्रावकर श्रिकितिकम, 1861 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के भ्राधीन कुचना

चारत सरकार

कामीलय, तहामक भावकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज मन्नास मन्नास, दिनांक 7 श्रप्रैल 1080

निर्देस सं० 7506—यतः मुझे राधा बालकृष्णन, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उस्त प्राधिनियम' कहा गया है), की भारा 26 क्या के प्रभीत सकाम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कार्य है कि स्थाविर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूह्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 49 है, जो मीन्नेस रोड़ मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे ज्यावज्ञ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर (डाक्समेंट सं० 1442/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16ए के अधीन तारीख अगस्त 1979 को पूर्वोत्तर सम्मति के अधिक आजार मूह्य से सम के तृष्ट्रमान अतिकल के जिए सम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है जिए सम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है जिए सम्तरित सम्मति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान वितक्त से, ऐसे वृश्यमान अतिकल के प्रशाह प्रतिकात से अधिक है और प्रकारक (प्रशासकों) भीर प्रकारिती (बंतरितिकों) के बीच ऐसे प्रकारण है लिए तथ गाया गया प्रतिकल, निम्निमिश्वत अहेश्य से अस्तर प्रनारण कि लिए तथ गाया गया प्रतिकल, निम्निमिश्वत अहेश्य से

- (च) प्रन्तरण से हुई किसी प्रांय की बाबत, उबत मिसिसम के भ्रमीत कर देने के प्रस्तरक के दाविक्य में कमी करने या जससे बचने में तुर्विका के सिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या घर्य प्रास्तियों की,
 जिन्हें भारतीय श्राय हर ग्रिश्तियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रीधिनियम,
 बाधन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के त्रयोजनार्थ प्रस्तिशी द्वारा प्रकट नहीं
 किया गया था था किया जाना चाहिए था,
 खिमाने में सुविधा के लिए;

शतः सब, उन्त प्रसिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रसिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधील, निस्त्रनितित व्यक्तियों, मर्थात्:—— 12—86 GI/80 श्री दिनेशचन्द्राके० शाः।

(अन्तरक)

2ूश्री के० एन० राधवन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वीका सम्मति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सर्वन्न में कोई भी घाओप:--

- (क) इस सूचना के राज्यंत में प्रकाशक की तारीं के 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त क्लित्यों में वे किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 4क दिन के मीतर उकत क्यावर सम्पत्ति में दिसक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे ।

स्यब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी जनतं प्रविनियम के श्रव्याय 20-क में परिवार्षितः हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन ग्रव्याय में दिया गया है।

ग्रमुसुची

भूमि -49, मीब्रेस रोड़ मब्रास-18।

रोधा बालकृष्णन, सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज मद्रास

तारीख: 7-4-1980

प्रकप् बाहु . टी. एन् एस्.--

बायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) धर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 धर्मेल 1980

निर्देश सं० 10446—यतः मृक्षे, राघा बालकृष्णन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपहित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० टी० एस० 11/1262/12, है, जो धनपती में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कांदीपुरम (डाक् मेंट सं० 3128/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (जन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त कम से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अधीन,

1. श्री एम० बी० कक्षं।

(भन्तरक)

2. श्री ए० एल० ए० एम० देयवानै श्राच्युती। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पृथांकत</u> सम्परितृ के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीय।

स्पष्टीकरणः —- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नवस्यी

भूमि धौर निर्माण-टी० एस० सं० 11/1262/12, धनपती। (डाक्मेंट सं० 3128/79)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, मद्रा

तारीख: 7-4-1980

माहरः

प्रकप भाई• दी• एन० एस•---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के घंधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यौलप, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-॥, मद्रास

मद्रास, तारीख 7-4-1980

निवेश सं ० 10363-- पतः, मुझे, राधा बालकुष्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बामार मुख्य 2 5;000/- ६० से अधिक है. भीर जिसकी सं० टी एस० सं०11/1279/12 है जो घनपती में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कादिपुरम (डाक्मेंट सं • 2460/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन भ्रगस्त 79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथारूबोंक्त संगत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (ब्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ब्रन्तरण के जिए तप पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

डप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी प्राय ना किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर श्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उनन ग्रक्षितियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के चिए।

भेतः भ्रव, उस्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयात्ः 🕶

- (1) श्रीमती सरसवती और प्रवर्स (भन्तरक)
- (2) श्रीमती सरोजिनी (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के

लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (बा) इ.स सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को धक्त ग्रिधन नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि ग्रीर निर्माण -- टो. एस० सं० 11/1279/12. घनपती (डाक्मेंट सं० 2460/79)।

> राधा बालकुष्म सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-॥, मद्रास

तारीखा 7/4-80 मोहर ३

(ग्रन्तरक)

प्रकार प्रार्थ • टी ० एन ० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सद्धावक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-॥, मद्रास
मद्रास, तारीख 7-4-80

निदेश सं० 10363—यतः, मुझे राधा बालकृष्न भायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त मधिनियम' कहा गत्रा है), की धारा 269-ख के भ्रधीन समाम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति 'जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० टी० एस सं० 11/1279/12, है, जो घनपती में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय कादिपुरम (आकूमेंट सं० 2461/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन सगस्त 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्रत से स्विक है भीर सन्तरक (सन्तरकों) भीर अन्तरिती (सन्तरितियों) के बीज ऐसे सन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रति-फत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निखित में जास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भिध-नियम के भिधीन कर देने के भन्तरक के दाविस्त में कमी करने वा उससे वकते में सुविधा के सिए; भौर/वा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य धारित्यों को, जिन्हें भारतीय आयश्चर भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्वधिनियम, या जन-कर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत, प्रव, उक्त स्रधिनियम, की धारा 269-य के सनुसरण में, में, क्त सर्धिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्ः →

- (1) श्रीमती सरसवती ग्रीर ग्रदर्स
- (2) श्रीमती एस० विजयलकशमी (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :---

- (कः) इन्त सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से क्रिसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर छक्त स्थावर संपक्ति में हिन-बढ़ किमी व्यक्ति द्वारा अन्त्रीहरूना करी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूखी

भूमी श्रोर निर्माण --- टी० एस० सं० 11/1279/12, घनपती (डाकूमेंट सं० 2461/79)

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज≖ॉ., मद्रास

तारीख: 7-4-80

मोहर ।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण)

ध्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, तारीख 7-4-1980

निदेश सं० 10359—स्यतः, मुझे, राधा बालकृष्न श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/-क्० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 16/28, देवानग स्कूल रोड है, जो कोयमबेंट्र में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण हुए से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोयमबेंट्र (डाक्मेंट सं०4359/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) घीर अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर बेने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; पौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या िहसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुगरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री कन्नम्माल

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० सोरन्म्माला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजांत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रागपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हिनबढ़
 किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राध्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त गाब्दों ग्रीर पदों का, जी 'उक्त ग्रीधिनियम', के अध्याय 20-क में परिचाषित हैं, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण — 16/28 देवानग है स्कूल रोड, कोयमबटूर (डाकूमेंट सं० 4359/79)

राधा बालकृष्न मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 7-4-80

प्रस्प आई• टी• एन• एस•-----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज !!, मद्रास मद्रास, तारीख 8-4-80

निदेश सं० 10484—यतः, मुझे, राधा बालकृष्न आधकर मधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु० से सिधक है

ग्रौर जिसकी सं० 550 है, जो मेन रोड, बवानी में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ववानी (डाक्सेंट सं० 2032/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का. 16) के ग्रधीन श्रक्तूबर 79

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूक्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के जिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरित (प्रन्तरितियों) के बीच एसे प्रन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निविदान उद्देश्य मे उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) घम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त बाधि-नियम के मधीन कर देने के घन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अव्य आस्तियों को, अव्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखना वें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया बाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अस, उपन पश्चिनियम की गरा 2.69-म के अनुसरण में, मी, उक्त घितियम की धारा 2.69-च की उपधारा (३) के धवीन, निम्मलिखित स्यक्तियों, धर्याह

- (1) श्री एन० एस० ग्रन्नामलै चेट्टियार (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० सिवराज (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

चन्त सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जी भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिसब ब किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधो इस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --इसम प्रभुक्त मब्दों और पश्चें का, जो छक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस सक्ष्याय में दिया गंभा है।

अमुलूची

भूमि और निर्माण—-550 मेन रोड, बवानी (डाकूमेंट सं०2032/79)

राधा **बालकृष्न** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ॥, मत्रास

तारीखा: 8-4-80

मोहर

प्रारूप आई• टो• एन• एस•-----

आयकर प्रक्रितियम; 1961 (1961 का 43) की घारा

269प (1) के मधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय सहायक प्राथकर प्रावृक्त (निरीक्त)

मजास, धर्जन रेंज-11, मद्रास तारीख 26-3-1980

निवेश सं० 8671--यतः, मुसे, राधा बालकृष्म **प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-वा के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूरय 25,000/- रुपए से मिन्न है भौर जिसकी सं० 448 है, जो बिग बजार ट्रिची में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, द्विची (डाकुमेंट सं० भारतीय रजिस्ट्रीकरण 2006/79) में 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिला बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रन्तरण निष्वित में वास्तविक रूप से कथित

(क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-नियम', के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/वा

नहीं किया गवा है,:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीतुः— (1) श्री चन्द्र सेकरन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सी० ग्ररजिना बाय

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरण:--इसमें प्रयु≢त शब्दों सौर पदों का, जो उक्त स्रिष्ठ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही स्रर्य होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण—-448, विग बाजार ट्रिची—-3 (डाक्मेंट सं० 2006/79)

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-गं, मद्रास

तारीख: 28-3-80

मोहर ।

प्रका आई० टी० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास मद्रासतारीख 7-4-1980

निदेश सं० 10321—यतः, मुझे, राधा बालकृष्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2 है, जो तेलुनधुपालयम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, कोयमबदूर (डाकूमेंट सं० 2060/ 79 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रगस्त 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह कितिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छद्देश्य मे उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या लिसी घन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय पायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम या घन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तिति द्वाप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

ग्रनः, भन्न, उनत ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारां (1) कें निम्निलिखित व्यक्तियों, भर्यात् । — (1) श्री बी० पी० सवापती

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० टी० जोस ग्रीर वरघीस (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकेंगे।

रूपब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम के मध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वही मर्व होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--2 टेलुनधुपालयम (एस० एफ० सं० 498/1131) (डाक्सेंट सं० 2060/79)।

> राधा बालकृष्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, मब्रास

क्षारीख : 7-4-80, मोहर∦ प्रकप धाई • टी • एन • एस •---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-ii, मद्रास

मद्राम, दिनांक 28-3-80

निदेश सं० 7486—यतः, मुझे, राधा बालकृष्म, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- सपये से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 17, 11 प्रवनय है, जो प्रशोक नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूचि में श्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोठम पानम (डाक्सेंट सं० 3318/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त, 1979 को पूर्वीकत सम्पत्ति के जिन बाजार मृत्य से कम के दृशमान प्रतिकत के लिए भम्सरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्ष्म सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिकत में ऐपे अप्रयान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिश्वास से श्रीष्ठ है और धम्तरक (मन्तरकीं) गौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य के उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत महीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ग्रीधिनियम के ग्रीधीन कर देने के धन्तरक के वासिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रीविनियम, या धन-कर ग्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सविधा के लिए;

ग्रतः अव, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरक में, मैं, उसत ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निञ्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती सरसवती वल्लियधन
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एस० चन्द्रशेखर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की स्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी मन्य श्यक्ति द्वारा भधोहस्ताकारी के पास लिखिन में किए जा मकोंगे।

स्तब्दीकरण :--इसर्में प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत ग्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही भ्रष्य होगा जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-17, 11 श्रवनय श्रशोक नगर, मद्रास 83 (डाक्मेंट सं० 3318/79)

राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ॥, मद्रास

तारीख: 28-3-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख(1) के श्रघीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्या धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० 7494---यतः, मुझे, राधा बालकृष्नं आयकर अधिनिया, 1931 (1961 हा 43) (जिसे इसमें इसके १३४१ ('उस्त प्रितियम' कहा गरा है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह त्रिस्सम करने का कारण है कि व्यावर सम्यास, विनका याजार मृत्य 25,00%- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 6, है, जो वालाजा रोड मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची म श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय (डाक् मेटस सं० 728/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख धगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्र'नफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उपके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरह (सहारकों) धीर अन्त-रिति (ब्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. गैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री बीजराज हासोमल (प्रा०) लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती जनवा मेरीयमबाई झौंर झदरस। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी चरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्दिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

साधी हरगः—-इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिमापित हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-६,वालाजा रोड, मद्रास। (डाकमेंट सं० 728/79)

> राधा बालकृष्तं सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-॥ मद्रास

तारीखा: 18-4-1980

प्रकप भाई • टी • एम • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269-व (1) के घंधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

<mark>ग्रर्जन रेंज-11 मद्रा</mark>स

मब्रास, दिनांक 18 ग्रप्रैल 1980

निर्देश सं० 8723—यतः, मुझे, राधा बालकृष्नं ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूह्य 25,000 - रू से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० सं० 359/1/3 है, जो श्रोजवरकर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, ओजवरकर (आकूमेंट में सं० 867/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त 1979

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पश्दह प्रतिशत सिक्ष है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धम्तरण जिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया बया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत सकत अधिनियम के सभीन कर देने के सम्तरक के दासिश्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घर्य ब्राह्तियों को, जिन्हें धायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धारकर अधितियम, 1957 (19 7 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुस्तिका के लिए;

मतः, सव, उन्त बिशियम का धारा 269-गमे अनुसरम में, मैं, उन्न प्रधिनियम हो धारा 269-म की खपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पन्तियों, अयीत्:—- 1. श्री कोविनतराज् ग्रौर ग्रवरस।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती मेरी श्रनजेसलिजाबेत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके र्वीक्त सम्पत्ति क मर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हु।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के संबंध में काई भी आक्षीत.--

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की नासीखार 45 दिन की प्रविश्व शा तस्सम्बन्धा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविश्व, जो मा श्रविध बाद में समाप्त होती हा, के भी र पूर्वीक्स स्यक्तिया में से किमी व्यक्ति हारा:
- (अ) इस गूबना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीखंस 45 दिन के भाषर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी भाष्य व्यक्ति द्वारा, भवोहरताक्षरों के भाः लिखित म किए आ सकीं

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रमुक्त जब्दों भीर पदों का, जो उत्तर श्रिधितियम के श्रष्टयाय 20 ह में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जा उस शब्दाय ज विभागमा हैं।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-359/1/3, ओजवरकरें। (डाक्सेट सं० 867/79)

> राधा बालकृष्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-॥ मद्रास

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के ग्रिधीन सूचना मारत सरकार

कार्यातव, महावक स्रायकर सायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 18 ग्रप्रैल 1980

निर्वेश सं० 8801----यतः, मुझे, राधा बालकृष्णं आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मम्पति जिला उचित बाजार मन्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जिस्मनायटन नेपालयम है, जो अरीयालकृष्यम में स्थित है (श्रौर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पांडिचेरी डाकुमेंट सं 1353/79 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के निए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि ध्यादूर्वोक्त तम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान । तिफल से ऐसे वृथ्यभगत प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (प्रन्तर्रों) भीर भन्तरिती (प्रन्तरित्यों) के बीव ऐसे भन्तरम के निए तम पाया गया प्रतिफल तिम्निविद्या उद्देश्य संवक्षा एन्तरम निव्यत में बास्निवित्त स्व से किया नहीं कि गामा है :--

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उनत अधि-नियम के भाषीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (स्त) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य प्रास्तियां को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

धतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीत निम्तनिया वातिनयों, अर्थान्: " 1. श्री किरन श्रीनिवासन चेट्टीयार।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जगन्नायन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति ने धर्जन ने लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्रीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, श्रो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित नें किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही ग्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि —तिम्मैनायरवनपालयम

(डाक्मेंट सं० 1353/79)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

नारीख: 18-4-1980

प्ररूप भाई ० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-JI, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० 7398—यतः मुझे, राधा बालकृष्नं आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2, कोविन्ड नायडू स्ट्रीट है, जो ग्रययावृ नायड् कालोनी मद्रास-21 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यात्य कोडम पाख्मम (डाक्येंट्स सं० 3191/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई िकसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रान्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयात्:--- 1. श्री सूसैराज।

(भ्रन्तरक)

2. दी निरंकारी सन्त मंडल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रिर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितग्रह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पदशक्तरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, ओ 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थं होगा, ओ उस श्रध्याय में दिया गया है।

असमधी

भिम भ्रौर निर्माण-2 कोविनड नायडू स्ट्रीट श्रययाबू नायडू कालोनी मद्रास-21। (डाकूमेंट सं० 3191/79)

> राधा बालकृष्नं सक्षम म्रधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-II, मद्रास

नारी**ख**ः 18-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1980
निर्देश सं० 7398—यतः मुझे, राधा बालकृष्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 66, नैलसन मानिख मुदलियार रोड़ है, जो मद्राल-29 में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्य कोठमपाखम (डाक्सेंट्स सं० 3192/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख ग्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्ष रूप से कथित नृहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्री सेलवनातम प्ररमल।

(भ्रन्तरक)

2. दी सेनट निरनेकरी मनडल।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हममे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि 66 नेलसन भानिख मुद्दलियार रोड़ मद्रास-29।

(डाक् मेंटस सं० 3192/79)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, मद्रास

तारीखा: 18-4-1980

प्रकप बाई • टी • एन • एम •-----

आयक्तर मधिनियम, 1981 (1961 का 43) की घारा

269-व(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० 7398—यतः मुझे, राधा बालकृष्नं भायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्ते अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जरण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूपए से स्रिधक है

श्रीर जिसकी सं० 2, श्रययान् नायड् कालोनी है, जो जोविनल नायड् स्ट्रीट मद्रास-29 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से विज्ञित है), रिज्ञ्ट्रें व से कि कि कार्यालय कोठमपाखम (डाक्मेंटस स० 3193/7%) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979 की

क प्रधान, ताराख श्रगस्त 1979 का
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के पृथ्यमान
प्रतिफल के लिए धम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों)
भौर अन्तरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए
तय पाया गया पनिफल निम्नलिखिन उद्देश्य मे उनन अन्तरण
लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रीवित्यम के भ्रशीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए भीर/या;
- (ख) ऐसी किसी बाय या किमी धन या ब्रान्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा एकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविक्षा के लिए;

भतः, भव, उक्त धिधितियम की गारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त धिधितियम की धारा 269-घ की उपवरण (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों समीत।—— श्री देवदास धांदी।

(भ्रन्तरक)

2. दी सेनट निरनकरी मनडल।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उनन अम्मिनि के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या त्याम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील थे 30 दिन की अविधि, जो भी
 प्राधि कार में नमाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियाम स किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुजना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर नस्थति में हिन्छ द देवपा पत्य स्थान द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पान विश्वित में किए जा सकें।

■नव्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त शक्तों श्रीर पर्वो का, जो उक्त प्रिष्ठितियम के अध्याय 20~क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया प्रया है।

अमुसूची

भूमि स्रौर निर्माण-2 श्रय्यावृ नायड कालोनी धोविनठ नायड् स्ट्रीट, मद्रास। (डाक्मेंटस सं० 3193/79)

> राघा बालकृष्नं सक्षम प्रा**धिकारी** स**हायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-], मद्रास

तारीख: 18-4-1980

आयकर भिव्यम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर स्रामक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 धप्रैल 1980

निर्देश सं० 10356—यतः मुझे राधा आल कृष्ण धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-आ के बधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि क्यांकर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-र • में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 29/228, श्रौर 229 है, जो दिवान बहदूर रोड़ कोयम्बट्टर में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में कोयम्बट्टर (डाकमेटम स० 4325/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के जिल्त नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिल्त नाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डत प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डत प्रतिकात से मधिक हैं भीर भन्तरक (मन्तरकों) मोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तलिखत छहेश्य से जक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त आधि-नियम के मधीन कर वेने के धन्तरक के दायित्व में नमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए।

श्रतः प्रज, उनन अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अपनितयों, अधिन:--- 1. श्री के० शतीराजुलू।

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० रनघस्वामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकागन की तारी ख से 45 विन की अवधि या तरमम्बन्धी अवस्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, ना मी प्रविध बाद में सभाष्त्र होती हो, के भीतर प्रवेशित व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिन में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के मह लिखित में किये जा सकेंगे।

स्राध्तीकरण। -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और नवों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-29/228 श्रौर 229 दीवान बहादूर रोड, कोयम्बटूर। ('डाकमेंटम सं० 4325/79)

> राघा बाल कृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक **भायकर आयुक्त (निरोक्षण)** श्रर्जन रेज मद्रास

सारीख: 18-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

काय्लिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 17 ग्राप्रैल 1980

निर्वेश सं० 10360— यतः मुझे, राधा क्षालकृष्णं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8/47- हैं, जो रेस कोर्स रोड़ कोयम्बेट्र में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कोयम्बेट्र (डाक् मेंट्स सं० 4386/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त 1979

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः— 1. श्री टी० वी० सुत्रमनियम चेट्टीयार।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीजी० ग्रार० पुरुषोत्तमन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण-8/47, रेस कोर्स रोड़ कोयम्बेटूर। (डाकूमेंटस सं० 4386/79)

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 17-4-1980

प्रकास आईं० टी० एव० एस० ──

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 घर्रेल 1980

निर्देश सं० 7484—यतः मुझे, राधा बाल कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातः 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० है, जो कुमनंचावठी ग्रीर कोपरसनल्लूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पूनमल्ली (ग्राक्मेंट सं० 2941/79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिप्रीन, तारीख ग्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से विश्व है और अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविक्षा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसर्भ में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्री एवरस्ट इनगस और एलैंड प्रोडकटस (पा०) लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स मद्रास इनडस्ट्रीयल लैनिनगस। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिए- बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधाहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मच्छीकरणः -- इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उकत बिधनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण कुमनंचावठी ग्रीर कोपरसनस्लूर। (ज्ञानूमेंट सं० 2941/79)

> राघा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1I, मद्रास

तारीख: 18-4-1980

प्रक्ष भाई • टी • एन • एस • ---

यायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जनरें ज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 भ्रप्रैल 1980

निर्वेश सं० 7404—यत मुझे राधा बाल कृष्णन भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 283-च के धंधीन सम्नम पाखिकारी को, यह विक्वान करने ता कारण है कि स्थावर मम्पनि, जिसका उक्ति रुपये से श्रविक है मुख्य 25,000/-न्नौर जिसकी सं० 61, है, जो वेलचेरी रोड मब्रास-32 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सैदापैड (डाकूमेट सं० रजिस्ट्रीकरण श्रक्षिनियम, मे (1908 का 17) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिकत के लिए प्रस्तरित को गई है प्रीर मुझे यह विश्वार अरने का फारग है कि यथानूशीना सम्यति का **उ**चित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्ट्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिसन से प्रधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) <mark>मौर</mark> यन्तरिती (ग्रम्तरितियों) के बीच ऐस प्रनारण के निप्,तार रापा गया प्रतिफल किस्तनिविका उद्देश्य १ उस्त प्रत्नरग निजित में बास्नविक करा कथित नहाँ किशा गया है:---

- (क) प्रत्तरण मे हुई किसी पात्र की बादल उदय, पधि-नियम के स्रधीन कर देने के सम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी हिसी थात्र या जिसी था ता शन्त आस्तियों की, जिस्हें, भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर मैचिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः । व, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुः सरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपवारां। 1 के प्रधीन निम्नविखित व्यक्तियों अर्थात्:— 1. श्री सरज जें सौरी।

(प्रन्तरक)

2. मैसर्स वी. वी० श्रार० एकस्पोर्टस।

(भन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उपन सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजवन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविश्व या तरसंबंधी क्यिक्तियों पर सूचना की नामील से 30 विन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (व) इस सूनना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हित-बढ़ किसी प्रय व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

राज्डोकरण --इनने नमूना जन्दा प्रीर पदो का, जो जनत प्रतिचिम, काञ्चाय 20-क मे नरिभाषित है, वही नर्यहान, का उन प्रकाय ने दियागया है।

अमुसुची

भूमि भ्रौर निर्माण-61, वेलचेरी रोड़ मदास-32। (डाक्मेंट सं० 2009/79)

> राधा बाल कृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज II मद्रासं

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप धाई ० टी ० एन ० एस ०--

भावकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, मद्रास

मब्रास, दिनांक 18 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० 10358—यतः मुझे राधा बाल कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दुप्त से सक्षिक है

स्रोर जिसकी सं० 224, है, जो अवनाशी रोड़ कोयम्बेट्र में स्थित है (स्रोर इससे उपायद्ध प्रनृसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बेट्र (बाक्सेंट्स सं० 4344/79) में रजिस्ट्रीकरण, ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरिक (अन्तरिकों) को बीच ऐसे प्रन्तरिंग के विश्व तम प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतर्ग लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उकत प्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए ; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया में मुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रंब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपन्नारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीन्:→→

- 1. श्री सी० एस० सुवरिशनी, सी० ग्रार० कृष्णन। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बासकर भौर भ्रदरस।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर जनत स्वायर सम्बक्ति में दिनबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ता श्री के पान निवित में किये जा सकेंगे

स्वब्दोक्तरण इसमें प्रयक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भौर निर्माण—-224 अवनाशी रोड़ कोयम्बेटूर। (डाकूमेंटस सं० 4344/79)

> राधा वालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज मग्रास

ता**रीख:** 18-4-1980

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

म्राय तर म्रिंघिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मंघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 श्रप्रैल 1980

निर्देश स० 7492--यतः मुझे राधा बालकृष्णन, भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान् 'इक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये मे प्रधिक है श्रौर जिसकी स॰ 16, है, जो स्ट्रर्रालग रोड़ मद्रास-34 में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्मेटस सं० 1196/79) मे रजिस्ट्रीकरण श्रघिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भगस्त 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्टानात पतिका क तेर प्रनारित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वान हरते का हारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रज् प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकां) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निस्तलिखित उहेरय य उका प्रनारम निश्वित में बास्तविक रूप से कथित नरीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के प्रयोग कर देने के श्रग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किनी श्राम या किसी धन या ग्रन्म आस्तियों को, जिन्हें श्रापहर श्रिधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-हर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रोजार्थ श्रन्तिया जारा शहर नहीं हिया गया था या हिया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रातः, श्रव, उक्त अधिनियम की भ्रारा 269-ग के भनु-सरण मे, मे, उक्त अधिनियम की भ्रारा 269-थ की उपभ्रारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री एम० एस० रामचन्द्रन।

(मन्तरक)

2. श्रीमती एस० विजयलक्ष्मी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उका पर्वात के अर्जन के नम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (ह) इन सूचना के राजात्र में प्रकाशत की तानीख मे 45 विन की अविधिया तत्नेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन ने 30 दिन की अविधि, जो भी अव ध बाद मैं पनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन व्यक्ति द्वारा, श्रुओह्स्नाक्षरी के पास लिखित में क्या जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण .-- प्रतिंप्रयुक्त गच्दो ग्रौर पदों का, जो उक्त प्रधि-तिसम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषत है वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण -16, स्ट्रेलिंग रोड़ मद्रास-34। (डाक्मेंटस सं० 1196/79)

> राधा बालकृष्णन स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** मर्जन रेंज मद्रास

तारीख: 18-4-1980

प्रकृष चाई•डी०एन•एस•----

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II महास

मब्रास, दिनांक 18 धप्रैल 1980

निर्देश सं० 8674—यतः मुझे , राधा बाल कृष्णन भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पि जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- ह० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 154/1—154/3, तस्कल्लार स्ट्रीट 65-69, है, जो माठा कोमिल स्ट्रीट कार्रकाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कार्रकाल (डाक्सेंट सं० 441/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उद्दात अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) कै प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपान में सुविधा के लिए;

भतः, मन, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मे, उन्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सम्रीम निम्मलिखित स्विन्तियों, सर्चीत् :--- 1. श्रीमती फातीमा सुकरिया श्रीर श्रदरस।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती महबून्निसा।

(मन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

छन्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आसेप:-

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशीवस्ताक्षरी के पाक निश्चित में फिए जा सकेंगे।

स्पडडीकरा:---इसमें पयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया हुआ है।

प्रनुस्ची

भूमि भौर निर्माण -154/1 --- 154/3 तिरकल्लार स्ट्रीट। 65--- 69, माठा कीईल स्ट्रीट कारैकाल। (डाक्मेंट सं० 441/79)

> राधा बाल कृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज मदास

मद्रास, विनांक 18 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० 8666—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन प्रायकर प्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्नात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रमीत सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- र० से श्रीक है

भौर जिसकी सं० 127ए, कामराज नगर है, जो श्रम ग्राम भ्रोलगारट में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपावत ग्रनुसूची में भ्रीर पूर्णं रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पाठिचेरी (डाक्मेंट्स सं० 1254/70) में रजिस्ट्री-

करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संग्रति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत सिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा श्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्तः श्रव, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रवीन, निम्नलिकत व्यक्तियों श्रयांत :—— 1. श्री बी० कृष्णमर्ती।

(ब्रन्तरक)

2. श्री मती के० जयलक्ष्मी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में बकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविश, जी भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-वद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

हम्ब्बोक्सरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो छक्त श्रिधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही मधं होता जो उस श्रध्याम में विधा गया है।

ग्रनुसूची

भूमि और निर्माण---127ए, कामराज नगर, श्रम ग्राम श्रीलगारट।

> राधा बालकृष्णन संसम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज मंत्रास

तारीख: 18-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 15 ग्रप्रैल 1980

निर्वेश सं० 10361—यतः मुझे राधा बालकृष्णन वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० एफ० सं० 331 है, जो मालुमयमपट्टी में स्थित है (श्रौर इससे उपाध्य श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयमबट्टर (डाक्सेंट्स सं० 2084/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979

को प्रांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का कल्क प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्तः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः——

- मैसर्स घार० एम० टी द्रील (प्राईवेट) लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रेवनी-सी०पी० ईकयूपमेट लिमिटेड। (श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी श से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक³गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि एस० एफ० सं० 331, मालुमचम पट्टी। (डाक् मेट सं० 2084/79)।

> राघा बाल कृष्णन सक्षम प्र**मिधकारी** सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) **प्र**र्णनरेंज, मक्नास

तारीख: 15-4-1980

माहरः

प्ररूप आई० दी० एन० एस०--

भ्रायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 श्रप्रेंस 1980

निर्देश सं० 49/अगस्त 79; —यतः मुझे, श्रो० ग्रानंद्वाम, ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं० 110-ए बेस्ट कालोनी है, जो कोमारपालयम अग्रद्वारम में स्थित है (भ्रौर इससे उपाधद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, कोमारपलयम (डाक्मेट नं० 1865/79) में

रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रागस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्कोक्त सम्मत्तिका उवित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है, श्रीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से तुई किसी **आय भी बाबत उक्त** अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख़) एसी किसी आर या किसी वन या प्रत्य, प्राक्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रक्रिनियम, 1922, (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनेयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्नरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना जाहिए था, छिनाने में: मिन्ना के लिए;

अतः, धन्, उक्त श्रिष्टिक्षण की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिष्टिक्षण की बारा 269-श्रुको उपधारा (1); के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् 1-- 15--86GI/80

- · (1) **डाक्टर**ेएस० पलनिवेलु।
 - (2) माइर पी० शंम्गम।
 - (3) माइर पी० प्रकाश।
 - (4) मेनर पी० नारायनम् ।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती सरस्वंती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्क किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिख्या में किए जा सकते।

स्परदीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिष्ठितियम', के ग्रव्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही ग्रर्य होगा, जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाक् भेंट नं० 1865/79 एस० श्रार० श्रो० कोमारपालयम भूमि श्रौर निर्माण डोर नं० 110-ए, वेस्ट कालोनी कोमारपालयम श्रग्रहारम, कोमारपालयम।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्राय

तारीख: 26-4-1980

प्रकप धाई• डी•एन• एत•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के धधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेज मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 अप्रैल 1980

निर्देश स० 50/अगस्त/79:-यतः मुझे थ्रो० श्रानंद्राम, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर नान् 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-अ के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- वपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 122-ए रागवेद्रचार स्ट्रीट है, जो कोमार-पालयम में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रो० कोमारपालयम (डाक्मेट नं० 1783/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृक्य से कम के बृक्यमान प्रति-फल के लिये मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृक्य, उसके बृक्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत सें अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरित्ती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्निक कुन से कथिन नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ग्राह्म काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीकवित व्यक्तियों, अर्थीत् :-- 1. श्रीमती उममाल शाची।

(ग्रन्सरक)

2. श्री एन० सिवराज।

(ग्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई की धाकीप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सन्वत्थी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी प्रस्य क्यन्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्साक्षरी के पास निवान में किए जा नकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों भीर पर्वो का, जी उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित है, वही प्रवेद्दोगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

डाकुमंट नं० 1783/79 एस० श्रार० श्रो०-कोमारपालयम भूमि श्रौर निर्माण डोर नं० 122-ए रागवेंद्रायार स्ट्रीट। कोमारपालयम, सेलम डिस्ट्रीक्ट।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज मद्रास

लारीख: 26-4-1980

त्ररूप माई • टी • एन • एस •---

भायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज मदास

मद्रास, विनांक 26 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० 91/मगस्त/79—यतः मुझे, श्रो० श्रानंब्राम प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं 122-ए रागवेंद्र चार स्ट्रीट है, जो कोमारपालयम में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय को कोमारपालय (डाक्टु नं 1784/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख: ग्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रकृष्ठ प्रतिगत से श्रधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरक से हुई किसो आय की बाबत, उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भ्राया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीन्:-- 1. श्रीमती एह० उममलि श्राची।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० जगदीशन।

(मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सन्तति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबक किसी घन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वऽडो हरगः.--इवर्षे प्रकृत सध्ये प्रीर वर्दा का, जो उक्त स्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क ने परिभाषित हैं, बही स्रथं होगा जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

डाकुमेंटस नं० 1784/79 एम० भ्रार० भ्रो० कोमारपालय भूमि भ्रौर निर्माण डोर नं० 122-ए रगवेन्द्र चार स्ट्रीट कोमारपालय।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज मद्रास

तारीख: 26-4-1980

प्र**रूप, आर्ह**्य टी , ;एन., ,एस.,,, - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I महास

मद्रास, दिनांक 12 मई 1980

निर्देश सं० 21/दिसम्बर/1979 - यतः मुझे, स्रो झानं ाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य-25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 79/1सी कैलशमपालयम गांव है, श्री तिरुचेंगोड में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय तिरुचेंगोड (डाक नं० 2004/79) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तार्ष्ट विसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और गुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गुगा प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रा था विकया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री के॰ ग्रमिरहलिंगमा

(अन्तरक)

2. श्री एक पेरिमसामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित को पश्रर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त कम्परित को अर्थना को सम्बन्धा मी कोई भी औक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से '30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती 'हो, के भीतर' पूर्व किसे व्यक्तियों में से किसी क्वांतर,
- (स) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थल्ह किरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

डाकूमेंटस नं० 2004/79 एस० म्रार० म्रो० तिरुचेंगोड भूमि सर्वे नं० 79/1सी म्रौर निर्माण कैलाशमपालम्म गांव तिरुचे ।

> ग्रो० ग्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) भजन रेंज-I मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों अथितः—

तारीख: 12-5-1980

प्ररूपं आइ. टा. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 मई 1980

निर्देश सं० बी० जी० भ्रार०/19/79-80--यत. मुझे, गो० सी० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धास 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० रिहायसी प्लाट 4,000 वर्ग गज का है जो माडल टाऊन फरीदाबाद में स्थित है (और इससे प्जपावड़ श्रन् सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिबजा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अथितः—

 श्रीमती जनक दुलारी पत्नी श्री एल० एन० गोयल द्वारा मुख्तार श्री एल० एन० गोयल निवासी ए०1 ग्रपार्ट मेन्टस बस्बई श्रब दिल्ली।

(5)

2. सर्वश्री तिलक राज एवं जनक राज पुत्रान श्री (स्वं) दिवान चन्द ध्रान्ता में सर्वः दिवान चन्द बिल्डिसें (प्रा०) लिमिटेड ग्राणोका इस्टेट 24 बारा खम्भा रोड बन्य दिल्ली-110001।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद से समापत होती हों, के 'भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृताराः
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अवसची

सम्पत्ति एक रिह्यासी प्लाट 4,000 वर्ग गज का जो कि सेक्टर-11 माखल टाऊन फरीदाबाद में स्थित हैं तथा ज्यादा विवरण रिजस्ट्रीकर्ता बल्लभगढ़ के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक 4536 दिनांक 19-9-1979 में दिया गया है।

> गो० सी० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायुक बायुकर बायुक्त, (निरीक्षण) श्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 8-5-1980

प्रकप साई • टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज*,* रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 मई 1980

निर्देश सं० बी० जी० श्रर० / 41/79-80—यतः मुझे, गो०सी० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार महय 25,000/- रु॰ से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट न० 467 सक्टर 15-ए हैं तथा जो फरीदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबज भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के-कार्यालय बल्लबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बागार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूश्य, उसके बुश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का परमह प्रतिशत से अधिक है और भरतरक (भरतरकों) भौर भरतरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भरतरण के लिए तम पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भन्तरण विश्वित में वास्त्रिक कप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त श्रीविष्य के अधीत कर देते के ग्रन्तरक के वास्थिय में कमी करने या उससे वचने में सुविज्ञा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया थया या किया जाना चाहिए चा, छिपामें में सुविधा के लिए;

अतः अनः उपत अधिनियम की धारा 269ग के प्रनृतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. श्रीमती सन्तोष गुप्ता निवासी 6-डी० एल० -एफ० कालोनी रोहतक।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० सी० भग्रवाल पुत्र श्री नोहरचन्त 535 सेक्टर 15 फरीदाबाव: (ग्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सभ्पति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना ने राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत म प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताकरी के पास सिखित में फिए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त प्रश्चित्रम के बड़्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी धर्ब होगा, जो उस प्रद्याय में विया नया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 467 सेक्टर 15-ए फरीदाबाद में स्थित है।

> गो० सी० गोपाल सक्सम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीच: 8-5-1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भागूकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मई 1980

सी० धार० 62/2467/79-80/ए० सी० निर्देश सं० क्यू०/बी---यतः, मुझे, एच० तिम्मथ्या, म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्प 25,000/- रुपये मे अधिक है भ्रौर जिसकी सं० एस० सं० 86/4-ए, है, तथा जो बदिनिडियुर गांव, उडुपी तालूक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उड़्पी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उषित वाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दर् प्रतिगा से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, भव, उकत मिधिनियम को धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यातु:→- श्री बी० वेंकटराव श्री बी० केवर्जीराव के पुत्र (2) श्री बी० नटराजराव दोनों बदिनिडीयूर गांव, उडुपी तालूक में रहते हैं।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० राजमहल होट्ल्स प्राइवेट लिमिटेड, मिनपाल रेगेजन्ट करते हैं इसके डायरेक्टर श्री टी० रमेण यू० पी० ।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्यं गंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्रव्हीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उन ग्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(बस्तावेज सं॰ 320/79-80 ना॰ 30-8-79)

संपत्ति एम० सं० 86/4-ए, खाली जगह तथा जो बदनिश्चीयर गांव, उड़पी ताल्क दक्षिण कन्नड़ जिला में स्थित है।

एच० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 6-5-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आथकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मई 1980

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/24678/79-80/ए० सी० क्यू०/बी—यत:, मुझे, एच० तिम्मय्या, आयकर श्रिक्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिक्तियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य '25,'000/- 'दं से श्रीक है

ग्रीक जिसकी सं० एस० सं० 86/4-की है, तथा जो बदिनिध्यर गांब, उडुपी तालुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपांबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, उडुपी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उकित बाजार मूल्य से कम के वृक्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंग्तरण जिल्लित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या कियाने में सुविद्या के लिए ;

धनः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः में, केंद्रप्रका प्रधिनियम की घारा 269-च की सपक्षारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् प्र

- (1) श्री बी० श्रीनिवासराव श्री बी० केंद्रजीराय के पुक्त,
 - (2) बी० सुरेण राव,
 - (3) बी० अणोक राव ग्रा० नं० (1) के पुत्र ग्रौर
 - (4) श्रीमती मीनाक्षित्रम्मा ग्र० नं० (1) के पत्नी, सब बदनिडियूर गांव, उडुपी तालुक मे रहते हैं। (ग्रन्तरक)
- मै० राजमहल होटेल्स प्राइवेट लिमिटेड, मिनपाल, रेप्रेजेन्ट करते हैं इसके डायरेक्टर श्री टी० रमेश यू० पी०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएकार्यनाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत हैं एकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षे।

स्वव्दीकरण --इपमें प्रयुक्त गड्दों और पदो का, जो 'खक्त घ्रष्ठि-नियम', के अध्याय 20-फ में परिभाषित हैं, वही अर्थ हो ग, जो उस घडणाय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्ताबेज सं० 321/79-80 ता० 30-8-1979) संपत्ति एस० सं० 86/4-बी, खाली जगह तथा जो बविनिडियूर गाँव, उड्पी तालक दक्षिण कन्नड़ जिला में स्थित हैं।

एच० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

विनांक: 6-5-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर भायक्त (निरीक्षण) भ्रजींन रोंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मई 1980

निदश सं० सी० श्राग्० 62/24679/79-80/ए० सी० क्यू०/बी---यतः, मुझे, एच० तिम्मथ्या, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- गापे भे अधिक है न्त्रौर जिसकी सं० एस० सं० 86/4-सी, (द० व०) है, सथा जो बदनिडियूर गांव, उडपी तालय में स्थित है और इसरे ८९ बढ़ भ्रनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय, उडुपी में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 30-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल रे, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या

उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भन्तारता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः, भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनु-गरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,अर्थात्:---

- श्री बी० पुट्टरायाराव, श्री बी० केदर्जीराव के पुत्र श्रीर इनके मैंनर बेटे (2) राजेन्द्र (3) राघवेन्द्र सब बदिनिडियूर गाव, उडुपी तालक में रहते हैं। (ग्रन्तरक)
- 3. म० राजमहल होटेल्स प्रोइवेट लिमिटेड, मनिपाल, रेप्रेजेन्ट करते हैं इसके डायरेक्टर श्री टी० रमेण यू० पी०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी प्रभव व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्धिकरगः - इ.तमें प्रयुक्त शक्यों प्रीर नशें हा, जो उक्त प्राधिक नियम के श्रष्टभाय 20-क्त में परिभाषित है, वही श्रार्थ होगा, जो उप श्रष्टगाय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 322/79-80 सा० 30-8-1979)

संपत्ति एस० सं० 86/4-सी, खाली जगह तथा जो बदिनिडियूर गांव , उडुपी तालूक दक्षिण कन्नड जिला में स्थित है ।

एच० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलर

तारीख: 6-5-1980

प्ररूप बाई • टी • एन • एस • -----

आपनार ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-ण (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मई 1980

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/24680/79-80/ए० सी० क्यू०/बी—यतः, मुझे, एच० तिम्मय्या, आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चानु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के

अधीत सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सभ्यति जिसका तजित बाजार मूल्य 25,000/- रूट सि प्रधिका है

भीर जिसकी सं० एस० सं० 86/4-डी (द० क०) है, तथा जो बदनिडियूर गांव, उड्डिपी तालक में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, उड्डिपी में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 30-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिकत के निए पन्तरित्र को गई है भीर मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृथ्यमान प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का परद्वह प्रतिकत श्रीष्ठक है और अन्तर्भ (अन्तर्भों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तर्भ के लिए तय पामा गया प्रतिकत, निम्निलिखत छड्डेश्य से उक्त परागण निर्माण मिं वास्तिविक क्य से कथित निर्मितिया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल प्रकितियम, या धन-कर भ्रधिनियम, १४५७ (1987 का 27) के भ्रयोजनार्थ भग्तिरती स्थ्य प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना शाहिए था, क्षियाने में सुविधा के लिए।

अतः बंब, उत्त बिजियः की घारा 269-ग से धनुसरण में, में, बंबत अधिनियम की बारा 269व की उपघारा (१) के बबीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, सर्वातृ:—

- (1) श्री बी० धर्मराव श्री बी० केदर्जीवराव के पुत्र
 (2) श्री बी० सीताराम राध, (3) श्री चन्द्रशेखर
 (4) श्री जगदीण (5) श्री उदया (5) श्री भवानी शंकर (7) वासुदेवा सब झ० न० (1) के मैनर बेटे हैं सब बदिन डियूर गांध, उडुपी में रहते हैं।
 (धन्तरक)
- मै० राजमसल होटेल्स प्राइवेट लिमिटेड, मिनपाल, रेप्रेजेन्ट करते हैं इसके डायरेक्टर श्री टी० रमेश यू० पी०।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्ये बहियां करता हूं !

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भो भाओप:----

- (क) इस पूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारी वा में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की भवधि, को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वी वा व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में पकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोह्स्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

न्यस्थीकरणः -- प्समें प्रयुक्त शन्धां और पर्धों का, को उक्त श्रीधनियम के मध्याय 20-क में परिभाग्धित है, वही मर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

(दस्तावेज स० 323/79-80 ता० 30-8-1979) संपत्ति एम० सं० 86/4-डी खाली जगह तथा जो बवनिडियूर गांव, उडुपी सालूक दक्षिण कन्नड़ जिला में स्थित है।

एच० तिम्मय्य

सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलर

तारीख: 6-5-1980

मृष्ट र :

प्ररूप आई ० टी ० एन ० एस ०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-षु (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 28 ग्रप्रैल 1980

निर्देश सं० सी० ग्रार०-62/24923/79-80/ए० सी० क्यू०/बी—यतः, मुझे, एच० तिम्मय्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है।

ग्रौर जिसकी स० रि० सं० सं० 15/1-बी ग्रौर टी० सं० सं० 152-1-बी है, तथा जो ग्रतावर गांव, बालमहा वार्ड, मंगलूर शहर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप सं विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मृ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिख्त व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री जेम्स जीवोत्तम, श्री इस्नेल जीवेत्तम का बेटा, बालमहा मिणन कम्पाछन्ड मंगलूर के रहवासी है। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री पी० एस० कुन्ही ग्रहमद श्री सुलेमान कुन्हीं का बेटा (2) पी० अब्बुबक्कर श्री ग्रब्दुल्ला का बेटा दोनों पीचकांड पोस्ट केकान वाया पल्लीकेरी, होसदुर्ग तालूक (केरला स्टेट) के रहवासी हैं।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इन मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 367/79-80 ता० 12-9-1979) सम्पत्ति तथा एक महल इमारत जिसकी रि० स० सं० 15/1-बी और टी॰ एस॰ सं० 152-1-बी, मेजरिंग 242 स्केर मीटर तथा जो अन्तावर गांत्र, बालमहा वार्ड, मंगलूर शहर में स्थित है।

> एच० तिम्मय्या सक्षम् प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 28-4-1980

मोहरः ∫

प्रहर प्राई० टी० एन० एस० ----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ (1) के श्रश्रीन सूचना

भारत सरकार]

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, बंगलूर •

बंगलूर, दिनांक 28 मप्रेल 1980

निर्वेश सं० सी० श्रार०-62/25130/79-80/एसीक्यू०/ श्री०--यतः, मुझे, एच० निम्मया,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

ग्नीर जिसकी सं० सर्वे सं० 106/1 है, तथा जो डिरेबेल गांव, मंगलूर तालूक में स्थिन हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मंगलूर शहर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 25-9-1979

का 16) के प्रधान, ताराख 25-9-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत ध्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ध्रौर
प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त म्रधि-नियम के मधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; म्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयात्:—

 मै० महालसा ट्रस्ट, के ट्रस्टी श्री एम० वेंकटेश पै, डोंगरकेरी मंगलूर-575003।

(मन्तरक)

2. श्रीमती भ्रस्ता नायक श्री केपुल दिनेश नायक की पत्नी श्रीर मैं० कैपुल नरिसम्ह नायक श्रीर कंपनी में टार्टनर, मददकानी रोड, मंगलूर।

्(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छी करण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 432/79-80 ता० 25-9-1979) संगत्ति तथा जमीन भ्रौर इमारत जिसकी सं० 106/1, तथा जो डिश्वेल गांव, मंगलूर तालूक में स्थित है। इसका मेजरमेन्ट है 0.35 सेन्ट्स। चक्रबन्दी—

पूर्व---में लेन ।

दक्षिण—में ऊपर की सर्वे सं० का भाग, मै० के० एफ० पोद्दार और सन्म (पी) लिमिटेड को खरीद में दिया है।

उत्तर— ,, ,, ,, ,, ,, पश्चिम---में प्राह्मेट सड़क ।

एच० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख : 28-4-1980

प्ररूप आई० ठी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 5 मई 1980

निर्वेश सं० सी० श्रार०-62/25414/79-80/ए० सी० क्यू०/बी---यतः, मुझे, एच० तिम्मया,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० 8 है, तथा जो भ्रलभूर रोड, सिविल स्टेशन बेंगलूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-10-1979

को पूर्वोकत सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आया-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:—-

 श्री सी० एन० कुणु स्वामी (2) सी० के० कृष्णा (3) मास्टर सी० के० रामनारायण श्री सी० के० कृष्णा का बेटा, सं० 18, रामकृष्णपा रोड कॉक्स, टौन् बेंगलूर-51 (4) सी० एन० गोपाल (5) सी० जी० जगदीश (6) मास्टर मुनील कुमार श्री सी० जी० जगदीश का बेटा (7) सी० जी० शंकर, सं० 306, नारायण पिल्लयी स्ट्रीट, बेंगलूर-1 ।

(अन्तरक)

2. डा॰ डी॰ डी॰ मुन्द्रा, श्री एल॰ डी॰ मुन्द्रा के बेटा, सं॰ 18/4, केंब्रिडन रोड क्रास, श्रलसूर, बेंगलूर-8 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2098/79-80 ता० 18-10-1979) संपत्ति सं० 8 का भाग, तथा जो ग्रलसूर रोड, सिविल स्टेशन बेंगलर में स्थित है। मेजरिंग 7830 स्क्वायर फुट ।

> एच० तिम्मय्या सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 5-5-1980

प्रकाशाई • दी • एन • एस •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायकत (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 21 ग्रप्रैल 1980

निर्देश सं० ए० भ्रार० /2939-12/79-80---यतः, मझे, ए० एच० तेजाले,

प्रायकर शिवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके प्रशात 'उनन प्रवितियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अश्वीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार सूक्ष 25,000/-क संभित्ति है

श्रीर जिसकी सं प्लाट नं 3 ओरिजनल प्लाट नं 11 है तथा जो एस न 287 विने पारल (पश्चिम) में स्थित है, (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रोग्झी भी अधिकारी के कार्यालय, बस्बई में

रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1808 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-2-1980

को पूर्वीवत पनित के उवित बाधार मूल्य से कम के धूष्यमान प्रतिक्षण के लिए प्रन्तिरत की गई के और मुझे यह विश्वास करने का फारण है कि मधारूथोंकत सम्पन्ति का उचित अअस मूला, उनक दूष्यमान प्रतिक्षल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिक्षल का पन्द्रह प्रशिव धार्यक है और प्रन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिका (अन्तरिका) के बीध ऐसे प्रन्तरक के लिए तब पाया गया अस्तरून, जनमलेखित उद्देश्य में उवस अस्तरूण बिन्दित में वास्त्रिक रूप से लिए राम वास्त्रिक रूप से लिए राम वास्त्रिक रूप से लिए राम विश्वास प्रमान

- (क) अन्तरण सं द्वा तिया प्राप्त को बाबत उक्त धांधनियम के भागेन कर देन के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (1) ऐसी कि री आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रमः ध्व, तका प्रधिनियम की धारा 269-म के समुत्ररण में, में, उक्त ध्विनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) सनीत निन्नतिथि। व्यक्तियां, अमीत डा० चंबुल्एस एन० क्लोफ्टि।

(म्रन्तरक)

 श्री भिकुलाल एस० वासा, श्रीमती इन्दुमती एस० वासा ।

(मन्तरिती)

3. श्री पो० सी० कमदार, श्रीमती मारती बंगेरा (वह व्यक्ति, जिनके ग्रिक्षिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लए कि।यंबाहियां करता हूं।

जनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इन सूचा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रमंत्रि या तत्स-वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन को प्रविध, जो धी अत्रिक्ष बाद में समाष्ट्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस भूवनः के राजपन में प्रकाशन की तारीख ने
 45 कि के भीतर उनन स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्रक्टी तरण -- इन ने प्रयुक्त गब्दों और पर्दो का, जो उका अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिचाणित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्यार में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख सं० एम० 2025/79 उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 4-2-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० एच० तेजाले सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, बस्बई

तारीख 21-4-1980 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 मार्च 1980

निर्देश सं० श्रार-145/ग्रर्जन—अत:, मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं॰ कोठी संख्या 35-एल-5 बी तथा 35 एल 5बी-1
है तथा जो रामपुरबाग बरेली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध भ्रमुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बरेली में रिज ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 30-9-1979 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित्:—

श्री सीनाराम

(ग्रन्तरक)

2. श्री राजीव कुमार व संजीव कुमार

(अन्तरिती)

3. किराएदारान --

- (1) सी० एम० ग्री० इ० एस० ग्राईं डिस्पेन्सरी,
- (2) एन० ग्रार० प्रभाकर,
- (3) ग्रार० बी० सिंह,
- (4) एच० एच० रायत,
- (5) बलदेघ राज,
- (6) एस० पी० सिंह,
- (7) जी० डी० चौधरी (वह व्यक्ति, जिसके स्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल कोठी नं० 35-एल 5 बी व 35-एल 5 बी-1 बाके सिविल लाइन्स भ्रहाता नवाब रामपुर बाग बरेली तथा वह सारी सम्पत्ति जो सेलबीड व फार्म 37 जी संख्या 4920 में वर्णित है जिनका पुजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 30-9-1979 को हो चुका है र

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्ट, (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-3-1980

मोत्रः

प्रकप धाई • टी • एन ० एस •-----

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 भग्रैल 1980

निर्देश सं० ए-82/म्रर्जन/ए० सी०/-71—अत:, मुझे, म्रमर सिंह बिमेन,

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- रुपए ग प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० 48 है, तथा जो सिविल लाइन्स बरेली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से धिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बरेली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 23-9-1979

को द्वांकत संगणि के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का करण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है पौर पन्तरक (अन्तरकों) और प्रकारिती (अनारितियों) के बीच ऐने पन्तरण के लिए तय पामा गा अतिपाल, निस्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में प्रस्तिक कर र हिंगत नदी किया गया है —

- (क) अन्तरण में हुई किसो प्रायकी बाबत, खक्त प्रक्षितियम, के प्रधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के विषः, प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को निन्ह धारती अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काश्विए था, छियाने में सुविधा के सिए;

अतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के बबुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।=== 1. श्री विनायक राध पेश्वा

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ग्राशा सक्सेना

(अन्तरिती)

3. विकेता (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह **सूच**ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उथन सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी प्रविधि बाद में भगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो सकत श्रिष्ठित्यम के अध्याय 20 में परिचापित है, वहीं अर्थ होगा जो सस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नम्बर 48 स्थिति सिविल लाइन्स बरेली जिसका क्षेत्रफल 355वर्ग गज है तथा वह सारी सम्पत्ति जो सेलडीड ग्रीर फार्म 3-जी संख्या 4588 में विणित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्बालय में दिनांक 23-9-1979 को हो चुका है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 28-4-1979

थारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 भ्रप्रैल 1980

निर्वेश सं० एस-186/प्रजंन—अतः, मुझे, प्रमर सिंह बिसेन, आय कर पश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'छक्त प्रश्चित्यम' कहा गया है), की बारा 269-छ के प्रश्नीन समान प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है बुकान जो कि स्थायर सम्पत्ति, धिसका चित्रत बाखार मूल्य 25,000/- च्यए ते प्रतिक है

मीर जिसकी सं० 47 का भाग है, तथा जो सिविल लाइन्स बरेली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद प्रनुसूत्री में भीर पूणं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रा कारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बियत बाजार मूल्य से कम के बृध्यमान प्रतिफल के निवे मन्तरित की गई है जौर मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके बृध्यमान प्रतिफल ने, ऐसे वृध्यमान प्रतिफल का पम्त्रह प्रतिक्ता अधिक है और अन्तरका (प्रम्तरकों) और प्रभारिती (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ग्य से जक्त प्रमारण निखित में बास्तविक क्य में किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी पान की बाबत, उक्त बाबिनियम के प्रजीन कर देने के प्रमारक के शायित्य में क्यी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए। बीर/या
- (वा) ऐसी किसी भाग मा किसी बन या अन्य भारितयाँ को जिन्हें भारतीय आवकर भिवित्तम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अकारिती ब्रांस प्रकट नहीं किया गया वाथा किया आना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

मतः भवं, उक्त भिक्षितियमं की भारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त भिक्षित्यमं की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निभन्निकतं व्यक्तियों, अधीत्: --17—86G1/80 1. श्री विनायक राव पेशवा

(मन्तरक)

2. श्रीशिय हरी ग्रावाल

(प्रस्तरिती)

3. विकेता — (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

जनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारी के से 45 हिल की भविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 60 दिन की भविभ, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अन्त स्वावर सम्पत्ति ∄में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, समोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वद्धीकरणः---इसमें प्रयुक्त शन्त्रों श्रीर पदों का, जो उन्त भिधानियम, के भन्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, को उस पश्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल युकान पुखता पश्चिमी रूख ग्रागे जिसके बरामवा युकान के पीछे स्टार उनके पीछे ग्राराजी उफातावा मय विवासत हर मोर तरफी मय ग्राराजी तहती वसहेनी मय तमामी इमारत खिश्ती व चौबरे ग्रन्थरूनी व वैश्नों जो कोठी नं , 47, वाके सिविल लाइन्स बरेली का जुज है व वह सारी सम्पत्त जिसका वर्णन सेलडीड व पज-37-जी संख्या 4989 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 23-9-1979 को हो चुका है।

भ्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रंज, लखनऊ

तारीख : 28-4-1980

प्रक्म बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक झायंकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 भ्रप्रेंस 1980

निर्देश सं० 187/ग्रर्जन--अतः, मुझे, ग्रमर सिंहबिसेन मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए से मधिक हैं। मुल्य श्रौर जिसकी सं० 48 भूमि नं० 38 है, तथा जो शिवचरन लाल रोड, इलाहाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रहिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुख्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्वत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके युश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर भग्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐंसे अन्तरण के जिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश ने उसा प्रस्तरण जिल्लित में वास्तविक कर्णींसे कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के फिए; धौर/था
- (क) ऐसे किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिह्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिह्नियम, या धनकर मिह्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त मधिनियम की द्वारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की द्वारा 269-ग की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्पात्।—— 1. श्रीमती शहरवानो

(अन्तरक)

- श्री भूरजमनी केसरवानो प्रवीप कुमार केसरवानी (श्रन्तरिती)
- उपरोक्त केता व किराएदार बृजलाल गुप्ता महादेव प्रसाव (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति ने ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनां की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयक किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वष्यीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान पुछता नम्बर हाल 48 शिवचरन लाल रोड, इलाहाबाद मय जमीन तहती जिसका नम्बर 38 है मय दीवार हर चहार जानिब तथा कुल सोलह माना मुवैया मकान का क्षेत्रफल 143.8 वर्ग मीटरहै तथा वार्षिक मूल्यांकन 430/- रुपए हैं। मकान मजकूर में चार कमरे हैं किराएदारों द्वारा मुबलिग 95 रुपए माहवार किराया श्राता है तथा वह सारी सम्पत्ति जो सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 3947 में विणित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 4-9-1979 को हो चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, लखनऊ

तारीख : 28-4-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कामीलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजनं रेंज, लखनक

लखनऊ, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० भ्रार-146/ग्रर्जन—यतः, मुझे, श्रमर सिंह बिसेन श्रायकर मिन्निम्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति गोदाम जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं 215 है, तथाजो गांधी नगर मुठ्ठी गंज, इलाहाबाद में स्थित हैं (श्रार इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिकहै और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन कि निनितिखेत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भाधि-नियम के भाधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयहर अधिनियम, 1922 (1922 हा 11) का उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मंतः श्रम, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत् :---

- मैंतर्भ इलाहाबाद ब्राइयन सिन्डीकेट (प्रा०, लि० इलाहाबाद द्वारा मैंनेजिंग डायरेक्टर —-श्री राजाराम जायसवाल डायरेक्टर--श्री हीरा लाल जायसवाल (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती रानी देवी

(भ्रन्तरिती)

 उपरोक्त विकेता (वह व्यक्ति, जिसके भ्रिक्षिभोग में सम्पक्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजात में प्रकाणत की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्दी हरण :- - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त ग्रिधिनियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुपूची

गोवाम नम्बरी 215 वाके मोहल्ला गांधी नगर मुठ्ठी गंज शहर इलाहाबाद मय जमीन व अमला का 1/4 भाग व वह सारी सम्पत्ति जिसका वर्णन फार्म 37 जी संख्या और सेलडीड में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में विनांक 15-9-1979 को हो चुका है।

श्रमरसिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 7-5-1980

प्ररूप धाई• टी• एन• एस•----

मायकर प्रशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-म (1) के प्रभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयक्षर **बायुक्त (निरीक्षण)** मर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 7 मई 1980

निर्वेश सं० एस-188/धर्जन—अतः, मुझे, धमर सिंह विसेन, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन तमन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जा कारग है कि स्थावर सम्पत्ति गोदाम जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से अधिक वै

भौर जिसकी सं० 215 है तथा जो मुठ्ठीगंज गांधीनगर इलाहाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, तारीख 15-9-1979
को पूर्वोक्त सपमित के जिलत बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान
प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वात
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार
मूल्य, जलके बृष्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिष्ठल का
पम्बद्ध प्रतिशत अधिक है भीर धन्तरक (अन्तरकों)
भीर पन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्निक्षित्वत जेहेच्य से जक्त भन्तरण,
जिल्लित में बास्तविक कप से अधित नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की नावत, उस्त घरि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुनिधा के जिए; घोर/या
- (ख) ऐसी जिसी प्राय या किसी धन या प्रथ्य प्राविक्यों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रविक्यिम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या भ्रम-कर प्रविक्यिम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ध्या या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

भन: सम, उक्त पश्चितियन को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के सबीन, तिस्तिबिबत व्यक्तियों, समित :--

 मैसर्स इलाहाबाद माइरन सिन्डीकेट प्रा० लि० इलाहाबाद द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री राजाराम जायसवाल डायरेक्टर हीरा लाल जायसवाल व डायरेक्टर श्री झनुज प्रताप सिंह

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सरोजनी देवी

(ग्रन्तरिती)

 उपरोक्त विकेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई की बाक्रेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से
 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवड़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
 विश्वित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उनत ग्राध-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही ग्रयं होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

गोदाम मम्बरी 215 वार्के मोहल्ला गांधी नगर मुठ्ठीगंज शहर इलाहाबाद मय जमीन व ग्रमला का 1/4 व वह सारी सम्पत्ति है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 15-9-1979 को हो चुका है।

> ग्रमर सिंह विसेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-5-1980 :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत संरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, ग्रहमवाबाद कार्याल ग्रहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1980

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-2763(9843)/1-1/79-80—यतः, मुझे, एस० एन० मांखल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 587/1 है, तथा जो बेजलपुर महमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय महमदाबाद में र्राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 13-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर धन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिधिनयम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री जोशींगभाई पुंजाभाई परमार गांवः के लीयावासण तालुकाः घोलका जिलाः श्रहमदाबाद

(अन्तरक)

- नवप्रकाश को० घोप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
 श्री विपण लाल शंकर भाई मकवाणा—चेयरमैन,
 कलेडपुरा, विकमलाल की चाल, श्रोलीस बिज,
 श्रहमदाबाद ।
 - 2. श्री धीरूभाई वेसींगभाई परमार 18, धिवनकला सोसायटी सिवराजसाने बेजलपुर, ग्रहमदाबाद के मारफत

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से जिसी क्यक्ति द्वारा।
- (अ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 1 एकड़ 8 गुंठा, जिसका सर्वे नं 587/1 जो बेजलपुर महमदाबाद में स्थित है तथा रिजस्ट्रेशन नं 10571 दिनांक 13-9-1979 से रिजस्टर्ड बिकी दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन किया गया है ।

एस० एन० मांडल सकम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, ग्रहमदाबाद।

तारीख : 20-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

नायक्र भविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त धायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-, महमदाबाद

श्रहमदाबाव, दिनांक 20 मार्च 1980

मिवेश सं० ए० सी० क्यू०-23-3-2767(985)/1-1/ 79-80-यतः, मुझे, एस० एन० मंडिल, ब्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रुपये से भ्रधिक धौर असकी सं असर्वे नं 588/2 है, तथा जो बेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकरिंग के कार्यालय, म्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भाधीन, तारीख 13-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह **बिग्रवास** करने का का**रण है** कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नजिखित उद्देश्य से छक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्यरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीन श्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धनकर अखिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निर्मालिखित व्यक्तियों, श्रवीत् :---

- श्री जेशींगभाई पुंजाभाई परमार गाँव—केलीया वासणा तालुका—घोलका जिला—ग्रहमवाबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. नव प्रकाश को० झोप० हा० सोसायटी लिमिटेड, चैय मैन: विपणाल शंकर लाल भकवाणा, फतेहपुरा क्रिकमलाल जी चाल, एलीस ब्रीम, ग्रहमदाबाद (झन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के की की तर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुक्ता के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्डोक्ररण: ---इतर्ने अयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 0 एकड़ 19 गुंठा सर्वे नं 588/2 है जो बेजलपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है तथा रिजस्ट्रेशन नं 10573 दिनांक 13-9-1979 से रिजस्टर्ड विकी दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन किया गया है ।

> एस० एन० मांडल ्सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-, श्रह्मवाबाद

तारीख : 20-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन एस०----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, म्रहमदाबाद कार्यालय म्रहमदाबाद, दिनांक 21 मार्च 1980

निर्वेश सं पी० भार० 901 एस० डब्लू II/79-80-यतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसम इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० बी० ई० एन० डी० 232-ए, है तथा जो उघना उद्योगनगर रोड नं० 6-ई बुधना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त घर्षि-नियम के भ्राधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मोर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्तः अब, उन्त प्रधिनियम, की घारा 269-घ के अनुसरण मैं, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री रजनकान्त बाबुभाई गोल्डवाला जो मै० गोल्डवाला
2 पुंत्र का भागीदार, पेरेडाइस ग्रपार्टमेंट प्रथवा
लाइन्स सुरत

(ग्रन्तरक)

 मै० पेकवर्ड प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज एन० के० प्राइवेट लिमिटेड के कर्ता और ट्रस्टी श्री कन्हैया लाल भगवान दास पटेल पराग श्रपार्टमेंट्स ग्रडवा लाइन्स सुरत (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्बक्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, भो भी श्रविध बाद में नगप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इत त्वा के रामात्र में प्रकाशित की तारीखा से 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर मदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलिकयत एड मेंट नं० 6-ई प्लाट नं० बी० ई० एन० डी॰ 232-ए है, जो उघना उद्योगनगर में स्थित है जो रजिस्ट्री-करण श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में नं० 3283 से दिनांक 5-9-1979 को रिजस्टर्ड कि गई है ट

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिका ी सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, घ्रहमदाबाद

तारीख: 31-3-1980

प्रक्षप धाई॰ टी • एन • एस • -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रह्मदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 21 मार्चे 1980

वें से प्राप्त है और जिसकी सं नोध नं 2/4516 है, तथा जो सीववास सबेरा मुहल्ला, संप्रामपुरा सूरत, में स्थित है (धीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-9-1979 को पूर्वोक्त नम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास खरने का कारण है कि यवापूर्वोक्त मम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पत्वह प्रतिक्त प्रविक्त है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्नसिक्त उद्देश्य से जन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्नसिक्त उद्देश्य से जन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिकल के ले लिया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत अक्ट अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वाजित्व में कमी कान्ते या तमसे वजने में बुविधा के लिए। धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रम्परिती हारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया बाना चाहिए था. छिपने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निज्निविक्त व्यक्तियों, अर्थात्।—

- 1. (1) श्रीमती कान्ताबेन रामकृष्ण देसाई
 - (2) श्री दिलीप रामकृष्ण देसाई,
 - (3) श्रीमती सरोजबेन शान्ती लाल देसाई,
 - (4) श्रीमती कुसमबेन छोटालाल देसाई,
 - (5) श्रीमती सुधाबेन सी० देसाई,
 - (7) श्रीमती गीताबेन रामकृष्ण देसाई, झपेरी मोहल्ला सग्रामपुर सुरत

(भ्रन्तरकः)

- 2. (1) श्री ठाकुर दास प्राणजीवन दास,
 - (2) श्री रजनीकाना ठाकुरवास,
 - (3) श्री जयन्ती लाल ठाकुरदास
 - (4) श्री भरविन्द लाल ठाकुर दास बेगमपुरा विरोमनी मोहल्ला, सुरत

(ग्रन्तरिती)

को यह त्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहक्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरच 4--इसमें प्रयुक्त सम्बंधिर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ध्रव्याय 20-क में परिकाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस ध्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीत ग्रीर मकान नोध नं० 2/4516 शिवदास मवेरी शेरी संग्रामपुर सूरत में स्थित है ग्रीर रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सूरत में नं०3553/79 से दिनौंक 29-9-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्तम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन र्रेज-II, शहुमवाबाद

तारीख: 21-3-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्वर्णन रेंज-2, ग्रहमदाबाद कार्यालय
श्रहमदाबाद,दिनांक 26 मार्च 1980

निर्वेश सं० पी० श्रार० 910 ए० सी० क्यू०-24-2/79-80 — यतः, मुझे, एस० एन० मांकल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रज. से अधिक है

मोर जिसकी सं० नो० नं० 155 वार्ड नं० 11 है, तथा जो नानापट हनुमान पोल्ड सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के क्षिधीन तारीख 14-9-1979

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एेशी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रवा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
18—86GI/80

- 1. (1) श्री केणवलाल छपालदास श्रीर दूसरे
 - (2) श्रीमती मन्लाबेन केशवलाल शाह,
 - (3) श्री भरत कुमार केशवलाल घोर दूसरे
 - 79, नेहरू रोड, जाले-पार्ले इस्ट बोम्बे

(प्रन्तरकः)

- 2. (1) श्रीमती निर्मेला बेन मोहन लाल सोता,
 - (2) श्री मोहन लाल रणछोड़दास सोनी
 - (3) रम्मीकान्त मोहनलाल सोनी सूरत भागा तालाब पोस्ट श्राफिस के पास

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निहित नोध नं० 155, बार्ड नं० 11 है जो हनुमान पार्ले नानपट सूरत में स्थित है श्रीर जो रजिस्ट्रीकर्ता ध्रीधकारी के कार्यालय सूरत में 3362 नम्बर्स से दिनांक 14-9-79 से रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्रापिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त, (निरीक्षण⁾ शर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 21-3-1980

माहरः

प्रक्षप धाई के टी के एन के एस कि कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर भाषुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, श्रहभद्वादाद

श्रहमदाबाद विनाकः 28 मार्च 1980

निर्देश सं० पी० श्रार० 912 ए० एस० क्यू०/23-2/ 79-80---यतः, मुझे, एस० एन० माडल, प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1961 (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का तारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० टीका नं० 69 एस० नं० 4302 प्लाट नं० 17-ए है, तथा जो छापरा रोड नवसारी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्दीव रण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-9-79 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृल्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पंथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुरयमान प्रतिक्रल से, ऐये द्रमान प्रतिक्षण का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर पन्तरक (ग्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी िस्पी था र या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधिनियम, या धनकर पश्चि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, म्रव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती रमीलाबेन श्रार० ग्रधवर्स् नवसारी (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रेमलता बलचना लाड चारपुल ग्राश्रम बगिया के सामने नवसारी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 विन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दाएँ।;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्ती करण: --- इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ग्रीर मकान टीका नं० 69 एस० नं० 4302 प्राट नं० 17-ए हैं जो वीगर। रोड नवसारी में स्थित है ग्रीर रिजन्द्रीटी अधिकारी के कार्यालय नवसारी में नं० 1824 से दिनांक 26-9-79 के रोज रजिस्टर्ज की गई है।

एस० एन० मांडल स**क्षम** प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख : 28-3-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानम, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद,दिनांक 7 भ्रप्रैल 1980

निर्देश सं० पी० म्रार० 1010 ए० सी० क्यू०/23-1/ 79-80—यत:, मुझे, एस० सी० परीख ,

आग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स्थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रोर जिसकी सं एस नं 405-6 सिविल स्टेशन 41 न्यूज जगनाथ फ्लैंट है। तथा जो पटेल सेवा समाज राजकोट में स्थित है (प्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में थ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख 28-9-1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृलिखित व्यक्तियों अर्थास्:—— 1. पटेल सेवा समाज प्रमुख श्री नानजी अम्बाभाई पटेल 41. जगन्नाथ प्लाट राजकोट।

(भ्रन्तरकः)

नेशनल भ्रौर इंजीनियरिंग कंस्ट्रकशन एण्ड प्रा० लि०,
 41, जगन्नाथ प्लाट, राजकोट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी है। पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रोर मकान एस० नं० 405-6 है जो सापाल स्टेशन 41, जगन्नाथ प्लाट पटेल सेवा समाज राजकोट में स्थित है श्रोर रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में 5823 से दिनांक 28-9-79 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 7 मंत्रैल, 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, श्रहमदाबाद कार्यालय श्रहमदाबाद,दिनांक 7 श्रप्रैल 1980

निर्वेश सं० पी० म्नार० 1011 ए० सी० क्यू०/23-1/79-80---यतः, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 870 पैकी है, तथा जो लोहाना स्ट्री विकास केन्द्र के सामने कस्तूरबा रोड, राजकीट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्च रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकीट में रजिस्ट्रीकर्रा श्रीविनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीविन तारीख सितम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्निनितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग को अनुसर्थ में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. (1) श्रीमती ज्योत्सनाबेन हरीण कोठारी
 - (2) श्री उपाप्रवीप कोठारी
 - (3) श्री प्रभात रमणीकलाल कोठारी प्रभातकुंज राजकोट

(प्रन्तरक)

श्री मनहरलाल भगवानदास मोदी
 43 नागदेवा कास रोड बोम्बे-3

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पादीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन कम्पाउन्ड के साथ एस० नं० 870 है जो लोहाना स्त्री विकास केन्द्र के सामने रेस कोर्स के पास कस्तूरबा रोड राजकोट में स्थित है भ्रीर रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में नं० 3382 से सितम्बर 79 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० पारीख सक्षम ग्रिविकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-I, ग्रहमवाबाद

तारीख: 7-4-1980

प्ररूप आई° टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 22 भ्रप्रैल 1980

निर्देश स० पी० भार० न० 920 ए० सी० क्यू०/23-II/ 79-80---यतः' मुझे एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

भीर जिसकी सं० नोध नं० 1939/2 प्लाट न० 3 है, तथा जो महादेव नगर सोसायटी सम्रामपुरा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा का लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

- 1. (1) श्री मनहर लाल मोहन लाल ढोली,
 - (2) श्री महेन्द्र मोहनलाल डोली
 - (3) श्री नटवर लाल मोहन लाल डोली
 - (4) श्री धन्द्रकान्स मोहन लाल डोली
 - (5) श्री सुरेशचन्द्र मोहन लाल डोली
 - (६) श्री वसन्त लाल मोहन ला डोली इन्देरपुरा राजवाड़ सूरत

(भ्रन्तरक)

2. श्री कान्ती लाल छगनलाल पटेल 85 साधना सोसायटी परछा रोड, सूरत

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

जमीन नोध न० 1939 वार्ड न० 2 है जो न्यू महेन्द्रनगर सोसायटी सम्रामपुरा सूरत में स्थित है श्रीर रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में नं० 4464/79 से विनांक 25-10-79 के रोज रिजस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० परीख सक्ष्म प्राधिकारी, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ज्ञहमवाबाद

तारीख: 22-4-1980

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस -----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद कार्यालय
श्रहमदाबाद, दिनांक 22 श्रप्रैल 1980

निर्देश स० पी० भ्रार० न० 921 ए० सी० क्य० 23-II/ 79-80- यस:, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० नोध न० 1165 वाई न० 10 है, तथा जो लालजी महाराज शेरी गोपीपुरा सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 5-9-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्षित में यास्तिबृक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयू की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा अब-कर अधिनियम, मा अब-कर अधिनियम, मा अब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निस्निविधित व्यक्तियों अर्थात्:--- 1. श्री जगर्किशन दास केशक्साल शाहा नयापुरा राना वाड ह्रसूमाय हेकरा न० ३ ब्रुरत

(श्रन्तरक)

श्री दिनेशचन्द्र अनसुख लाल मजमुदार इस्टेट न्यू न०
 पुत्त० वी० रोड गांताकृज वेस्ट बोम्बे-54

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए क्यर्थनमिहर्या करता हुं।

असत सुम्मारित के सर्वन के सम्बन्ध में करोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र को अक्तकान की तारी खते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपस्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो उक्त अधिवियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल कियत मोध नं 1165 बार्ड नं 10 है जो लालाजी बहाराज की वारी भोषीपुरा सूरत में स्थित है और न 3264 में दिमांक 5-9-79 के शोज रजिस्ट्रीकर्ला ब्रिधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, एरणाकुलम ऋर्जन रेंज-2, खहमदाबाद

तारी**ख** : 22-4-1980

प्रकपः धन्दैं टीं • एनं • एस • ----

आयकर अधितिनम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन पूचना

भारत सरकार

कार्यानय, संश्वामक प्रायक्तर पायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 ग्रप्रैल 1980

आयकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र के से अधिक है

भौर जिसकी सं० नोध नं० 1712 झन्डागेरी वार्ड मं० 2 है, तथा जो सग्रामपुरा सूरत में स्थित है (ग्रींर इससे उपाबद भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 14-4-1979

को पूर्वों कन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्तपूर्वों का कम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पण्डल प्रतिशत घषिक है धौर अन्तरल (धन्तरकों) धौर अन्तरिती (धन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रग्तरण निखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है !--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उनत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कथी करने या उससे बचने में सुविधा के विए। और या
- (च) ऐसी किसी घाय यो किसी धन या घम्य बारितयों की, जिन्हें घायकर घितियम, 1922 (1922 का 11) या उपत घितियम, या धनकर घितियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए चा, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सन, उन्त ग्रह्मनियम की सारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त भ्रष्मिनियम की भ्रारा 269-म की उप-धारा (1) के अभ्रीत निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रमीत्:--

- ा. (1) श्री मनीमाल झवेरभष्ट
 - (2) श्री सोमभाई झवेरभाई
 - (3) श्री भ्रमृतलाल झवेरभाई जयापुरा रानापाड बचलीशेरी सूरत

(श्रन्तरक)

 श्री भाष्युगाह कालीदांस झन्डागोरी सग्रामपुरा सूरत । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी सर्वे पूर्वोक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवर्मीहर्यी करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाध में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवद किसी प्रश्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरीं के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रतियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यो

जमीन भ्रौर मकान नोध नं० 1712 झन्डाशेरी वार्ड नं० 2 सम्रामपुरा सूरत में स्थित है थ्रौर रजिस्ट्रीकर्ता भ्रिष्ठकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्टर्ड की गई है। जिसका रजिस्टर्ड नं० 3103 है भ्रौर दिनांक 11-9-79 के रोज रजिस्टर्ड की गई हैं।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, म्रहमदाबाद

तारीखं : 22-4-1980

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

मायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, ध्रहमवाबाद कार्यालय ध्रहमदाबाद, दिनांक 26 ग्रप्रैल 1980

निर्देश सं० पी० धार० नं० 923 ए० सी० क्यू०-23-11/ एस० सी० परीख, 79-80---यतः, मुझे, मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित 25,000/- रुपए से प्रधिक है मुल्य भ्रौर जिसकी सं० सीम सर्वे नं० 29/1 स्रौर 29/2 है, तथा जो एस०टी० स्टेन्ड के सामने वाँसनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वासनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सारीख 5-9-1979

को पूर्वोक्तं सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान मितफल से, ऐसे वृज्यमान मितफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तर (भन्तर हों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधि-नियम के ग्रमीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मैं सुविधा के निए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या फिसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रज, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनु• सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :→- 1. श्री पटेल रेवाभाई शंकरभाई श्रौर दूसरे 10, श्रलका सोसायटी, वीसनगर

(ग्रन्तरक)

2. शाह सुबोध चन्द्र रतीलाल लक्ष्मी सोसायटी वीसनगर (श्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दी करण: -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त घिकि नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 29/1 श्रीर 29/2 है जो एस० टी० स्टेन्ड के सामने वीसनगर में स्थित है श्रीर रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सूरत में न० 1076 श्रीर 1077 से दिनांक 5-9-1979 के दिन रिजस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 26-4-1980

प्ररूप आई०टी० एन० एस० --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-II, ध्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० पी० म्रार०नं० 924 ए० सी० क्यू० 23-II/ 79-80--यत:, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु० से अधिक हुँ।

स्रोर जिसकी सं० नं० 39 बड़ौदा कस्वा है तथा जो महमद तालाब के पास मधुकुंज सोसायटी बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-9-1979

को पूर्वाक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्चित व्यक्तियाँ अर्थात्:--

19---86GI/80

 गोपाल नगर को-श्रोपरेटिय सोसायटी लि० प्रमुख चम्पकलाल रतनलाल व्यास 16 भन्दरेश्वर पोनली फलीया बड़ौदा

(ग्रन्तरक)

2. मैं जयन्तकुमार गोकुलदास ठक्कर द्वारा श्री जयन्तकुमार गोकुलदास ठक्कर, लेह्रीपुरा, न्यूरे छ, बडौदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सभ्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

खुली जमीन एस० नं० 39, बड़ौदा कस्बा बड़ौदा में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में नं० 4496 से दिनांक 1-9-79 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-U, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-4-1980

मोहर '

प्ररूप श्राई० टी० एन० एम०--

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

ार्यालयः सहायह श्रायकर श्रा**युक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-1, एच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट नई दिल्लीं-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी ०/एक्यु०-I/एस० आ(र०-III/8-79/ 329---यतः, मुझे, श्रीमति एस० के० श्रोलखा, ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनक रहतात 'उना पश्चितिसम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित 25,000/-से बाजार मृत्य रुपये श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 27 बीघा, 12 बिस्वा है, तथा जी गांव गदईपूर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबक अनुभूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में रजिष्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख, सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है धौर अन्तरक (प्रन्तरकों) धौर अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐने प्रन्तरण क निए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धिंध-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बंबने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतोर आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निविखन व्यक्तियों, श्रथीत: --- श्री एच० ब्रार० नैयर (हि० अ० प०) हारा करता हरबंस राय नैयर पुत्र दीवान महेश दास निघासी 48 पूर्वी मार्ग, वसंत बिहार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्री बसंत सिंह, श्रमित सिंह, सरबीर सिंह पुत्रगण श्री हरी सिंह 21-तानक गार्किट तिलक बाजार, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी स्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूबना के राजगल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवह किसी श्रन्थ व्यक्ति बारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धी करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क म परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एरिया 27 बीघा 12 बिस्वा खसरा नं० 489 (4-16) 490 (4-10), 493 (6-2), 497 (2-12), 495/1, (0-8), <math>449/2 (3-8), 495/3 (1-0), 496 (4-16), द्य्व वैल फैन्सीग वायर गांव गदईपुर, तहसील महरोली में स्थित है।

मिथेज एस० के० ग्रोलख **एक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई विक्ली-110002

तारीख : 15-5-1980

मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1980

निर्देश सं० 697/ए० सी० वयू० म्रार०-III/80-81/कलकत्ता --यत[्], म्**मे**, प्राई० बी० एस० जुनेजा, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके परवात् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के अधीन सप्तम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हत्ये से प्रधिक ग्रीर जिसकी सं० 8 है, तथा जो बेलतला रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाब इ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकक्ता में रजिस्दीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 29-8-1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफत्त के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐमे ब्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रत्नरण निधित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (ह) अन्तरण ने हुई हिसी आग की वाजा उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी हिमी आप या हिमी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनहर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के पनुसरण में, मै, उनत अधिनियम की धारा 269-च की खनधारा (1) के अधीन, निम्तिजिखित व्यक्तियों, अर्थीतः——

- 1. श्रीभित तपित मिल्न भौर के० तृष्ति रानी मिल (अन्तरक)
- 2 ऐक्प्रनीर को-भ्रापरेटिव हाउसिग सोसायटी लिमि० (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्षत समात्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में अ किसी ध्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निधिन में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरग: ---इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत प्रशि नियम के अध्यार 20- ह में परिभाषित हैं, वहीं ग्रार्थ होगा, जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

अनुपुची

दो तल्ला मकान ग्रीर स्ट्रक्वरम साथ 14 कटरा 5 छटाक 20 स्क्वेथर फूट जमीन जो 4 बेलतला रोड, कलकत्ता पर ग्रबस्थित ——जो रजिस्ट्रार ग्राफ एसुरेनसेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं 1-2089 तारीख 29-8-1979 के ग्रनुसार है।

ग्राई० बी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीखा : 21-5 1980

मोहर:

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 9th May 1980

No. F.6/80-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has ordered that Shri R. N. Verma, Assistant be promoted/appointed to officiate as Court Master with effect from the forenoon of May 8, 1980, until further orders.

B. M. CHANDWANI Asstt. Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 22nd April 1980

No. A.19013/1/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Datta an officer of the Indian Administrative Service (West Bengal: 1967) to the post of Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission, New Delhi with effect from the afternoon of 11th April 1980, until further orders.

Y. R. GANDHI Administrative Officer for Under Secretary (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 8th May 1980

No. O.II.1032/75-ESTT.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 19th April 1980 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II.1463/80-ESTT.—The President is pleased to appoint Lt. Col. (Retd.) Vipln Chandra Chaturvedi as a Chtet Medical Officer (Commandant) in the Central Reserve Police Force in a temporary Capacity with effect from the forenoon of 14th April 1980 until further orders.

K. R. K. PRASAD Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 5th May 1980

No. E-16013(2)/2/79-PERS.—On transfer on deputation Shri D. Chandra Mohan, IPS (MP: 66) assumed the charge of the post of the Commandant, CISF Unit, MAPP, Kalpak-Ram w.e.f. the forenoon of 10th April 1980.

No. E-38013(3)/21/79-PERS.—On transfer to Ranchi Shri S. N. P. Sinha, relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, VPT Visakhapatnam w.ef. the foremon of 4th April 1980.

No. E.38013(3)/24/79-PERS.—On transfer to Ramagundam, Shri V. N. Tewari relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, SHAR Centre, Sriharikota w.e.f. the afternoon of 2nd April 1980.

Sd. (Illegible) Inspector-General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL

New Delhi, the 8th May 1980

No. 10/52/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by Promotion, Shri B. K. Maratha, Assistant Director (Programme) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Dy. Director (Programme) on ad-hoc basis, as Dy. Director (Programme), in the same office, on regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of 9th April 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Maratha will be at New Delhi.

No. 11/110/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri V. H. Vasavada, an Officer belonging to the Gujrat Civil Service as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 22nd April 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Vasavada will be at Ahmedabad.

No. 11/121/79 Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. G. Ram Murthy, an officer belonging to the Andhra Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 10th April 1980, until further orders.

The headquarters of Shvi Ram Murthy will be at Hyderabad,

No. 11/8/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Dr. M. G. Deshpande, an Officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 14th April 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Deshpande will be at Bombay.

No. 11/24/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. Veeraraju, an Officer belonging to the Tamil Nadu Civil Scrvice, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 14th April 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Vecraraju will be at Coimbatore.

No. 11/24/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. Thangavalu, an Officer belonging to the Tamil Nadu Civil Service as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 11th April 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Thangayalu will be at Madurai.

No 11/24/80-Ad I — The President is pleased to appoint Shri N Alapillai, an Officer belonging to the Tamil Nadu Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 10th April 1980, until further orders

The headquarters of Shri Alapillai will be at Tiruchinapalli

P. PADMANABHA,

Registiar General, India

INDIA GOVERNMENT MINT ALIPORE

Calcutta 53, the 2nd May 1980

No P 210/54/80—Shii Mohan Lal Mitra, permanent Dy Acctt, India Government Mint, Alipore, Calcutta-700053, is appointed to officiate as Accounts Officer (Group B post) in the scale of pay of Rs 840—40—1000—FB—40—1200/ for the period from 5th May 1980 to 21st June 1980 against the leave vacancy of Shri Jacob P George, permanent Accounts Officer of this Mint

A ROY

Dy Master of the Mint

INDIAN AUDIT & ACCOUNT DEPARTMENT OFFICE OF THE DACR

New Delhi-2, the 14th May 1980

No Admn 1/00 56—Shri D V Salhotra, (a permanent SO) & officiating Audit Officer of this office, has been absorbed permanently in the Bharat Heavy Electricals Ltd., New Delhi, with effect from 30th November 1979 on the terms and conditions contained in the enclosed statement

This has approval of the Ministry of Finance conveyed vide Comptroller and Auditoi General's letter No 835 GE II/114-79 dated 9-4-80

Sd./- ILLEGIBLE

Jt Director of Audit

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I

MADHYA PRADESH

Gwalior, the 28th April 1980

No DE I/31—Shri M R Ghaiyee, a permanent Accounts Officer is permitted to retire from Government service with effect from 30th April 1980 afternoon on attaining the age of superannuation

D C SAHOO

Si Dy Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II, WEST BENGAL

LOCAL AUDIT DEPARTMENT

Calcutta-1, the 7th April 1980

OO No LA/Admn/1—The Accountant General II West Bengal has been pleased to appoint on ad hoc and provisional

basis, the following permanent Section Officer to officiate as Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal in purely temporary capacity with effect from the forenoon of 1st April 1980 or the date on which he actually takes over charge as Assistant Fxaminer of Local Accounts in this office, whichever is later and until further orders—

Shu Usha Ranjan Thakur

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. Case No. 14818(W) of 1979

OO No LA/Admn/2—The Accountant General II West Bengal has been pleased to appoint on ad hoc and provisional basis the following permanent Section Officer to officiate as Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal in purely temporary capacity with effect from the forenoon of 1st April 1980 or the date on which he actually takes over charge as Assistant Examiner of Local Accounts in this office, whichever is later and until further olders—

Shri Parimal Chandra Kar

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rulle in Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C R Case No 14818(W) of 1979

B N DUTTA CHOWDHURY Examiner of Local Accounts, West Bengal

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

Madras-3, the 9th May 1980

No APC/KK/1785—On the expiry of leave sanctioned to run concurrently with notice period, Sri K Krishnamoorthy, Audit Officer has voluntarily retired under FR 56(k) from service with effect from 24th April 1980 FN

T B NAGARAJAN
Director of Audit

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE ACCOUNTS (NAVY)

Bombay-400039, the 14th April 1980

No AN/I/1600—Shii R Ramachandra Kurup, son of Shri Rama Kurup, Quasi-Permanent Clerk (A/c No. 8312109) of this office had been on unauthorised leave since 25th June 1979 and failed to acknowledge receipt of any of the Memorandum issued to him at his known addresses. After following necessary disciplinary proceedings under the departmental rules, it was decided to remove him from service with effect from 26th February 1980 and the order of his removal from service was sent to him at his available addresses in the office. As the registered covers containing the order of removal of the official from the service sent to him at his available addresses have been received back undelivered, it is hereby notified that the said Shri R Ramachandra Kurup son of Shri Rama Kurup stands removed from service with effect from 26th February 1980.

Smt CR VIJAYALAKSHMI GUPTA

Dy. Controller of Defence Accounts (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL) CALCUTTA

No. Publication/G.S.-249—List of Promissory Notes and Debenture kept in the custody of Director General Posts & Telegraphs on 31-3-1979.

	Name of Contractors	2-3/4%	con.	3%	3-1/2%	3-1/2%	4%	4%	4%	4%		4-1/2%
		1976	1946	1896- 97	1865	1900- 1901	TSDC	1960- 70	1980	1981	1979	1973
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1.	Priyalal Mukherjee	_	_			_	_	300		_		_
2.	The Civil & Military Gazette,				1,300		_	_				
3.	The Trustees, Tribune Press and non-Press, message news-				1,500	_	_	_	_		_	
	paper, Lahore	_			-	400	_		_	-	_	-
	M/s Dhanuka Industries(P) Ltd. M/s J.K. Business Machines Ltd.		500	_	_		_		—		_	_
	Calcutta		1,000	_	-	_	_		_	_	_	
6.	M/s Paul & Co	_	2,000		_	_			_	_	_	_
7.	M/s National Cable Works Ltd.	-	27,000	_	_		_	_	—	_	_	_
8.	Press Trust of India Ltd.,		2.700									
9	Bombay	_	2,700 3,000	_	_	_	_	_	_	_	_	_
	Balmar Lawrie & Co Ltd.,										_	
11	Bombay Narandas Rajaram & Co. (P)		100	_	_	_	_				_	_
11.	Ltd ,		3,000	_	_		_		_	_	_	_
12.	Press Trust of India Ltd.,		26,200									
13.	Bombay	<u>*</u>	12,500				_	_	_	_	_	_
14.	Protos Engg. Co. (P) Ltd.	_	10,000	_					_	_		
	Turner Morrison & Co. Ltd	_	9,000		_	_			-		_	_
16.	Life Ins. Corporation of India, Central office Bombay		27,000									
17	Central office Bombay		3,500	_		_				_		
	M/s South Indian Export Co.,		3,300	_	-	_		_		_	_	_
10,	Madras	_	500		-	_	_		_		_	_
19.	The Pioneer Ltd., Lucknow .		1,500		-	_		_	_	_	_	_
20,	Mathrubhumi Printing & Publishing Co. Ltd. Kozhi kode,		1 000									
21	Calicut	_	1,000	_		_	_	_	_			_
21.	walla		3,000	_			_		_			_
22.	The Daily Gazette, Karachi .	_	1,000		-			-				_
23.	M/s A.B. Pandit & Co. Karachi		1,000				_	_	_		_	
	M/s Cowasjee & sons, Karachi		200					_		_	_	_
25.	M/s Louis Dreyfus & Co. Ltd., Karachi		500			_		_		_	_	
26.	M/s Eastern Steamship (Pvt.)											
	Ltd.	_	2,000	_	_	_		_			_	
	Gannon Dunkurly & Co. Ltd.	_	1,000		_	_	-		_	_		
	Hind Shipping Agencies	_	1,500 5,000			_	_		_			
	M/s Lionel Edwards Ltd The Daily Gazette Press		3,000	_	_				_		_	
30.	Karachi	_	_			_		100	_			
31.	M/s Burma Shell Oil Storage & distributing Co. of India Ltd.	_					_	1,500			_	
	M/s Ralli Brothers Ltd	-	-		_			1,000	_	_	_	
33.	M/s Burma Shell Oil Storage & distributing Co. of India Ltd.,											
	Lahore		-	_		_		200	_	_	_	
34.	Do. Rawalpindi	_	_	_			_	200	_	_	_	_
35.	The Daily Gazette Press, Karachi											

-1/2 %	4-1/2%	4-3/4 %	4-3/4% WB	5%	5-1/2%	5-1/2%	5-1/2% Maha- rashtra	5-1/2 % MP	
1955-60	1985	1989	1976	1982	1991	1995	1977	1977	Name of Plegec
14	15	16	17	18	19	20	21	22	
_		_			_	_	_		P.M.G. Bengal & Assam (Bangla Deshitem)
-	_	_	_	_	_	_			P.M.G. Punjab Telegraph Traffic Branch.
_	-	_	_	_	_	_	_	-	P.M.G. ^P unjab Tele g raph Traffic Branch
-	_				-	_		_	Chief Supdt. C.T.O. Calcutta. Do.
=	_		_	_		_	_	=	Controller of Telegraph Stores, Alipore.
_	_	_	_	_					Manager Telegraph Work Shops, Alipore,
_	-		-	_	-				Chief Supdt, C.T.O. Bombay,
_	_	_	—	_	_	_	_		Do.
_	-	_	_	_	_	-	_	-	Do.
_	_		_	_	_		-		Do.
_	_	_	_	_	-	_	_	-	Do.
_	_	_	_	_				_	Do.
									Do.
_	_	_	_	-					Do. Do.
_		_		_		_			ъ.
_	_	—	_	_	_		_		Do.
_	_	_	_	_		-	_		Chief Supdt., C.T.O. Madras.
									Supdt, in-charge C.T.O. Lucknow.
	_		_					_ "	Supdt. Central Telegrah Office, Kozi-
			_						kode, Calicut.
_	_			_	_	-	-	_	Chief Supdt, C.T.O. New Delhi
_	_	_		_		-	-		Supdt. in-charge Telegrph Office, Karachi
_	_	_	-	_		_	_	-	Do.
									Do.
_	_		_		_	_	_	_	Do.
_	_	_	_		-		_	_	Telegraph Traffic Supervisor (III) D.T.O. Matunga, Bombay.
_	_	_			_		_	_	Chief Supdt. C.T.O. Bombay
	_	_				_			Do.
									Chief Supdt, C.T.O. Calcutta,
_		_	_			_	_	_	Supdt. in-charge Telegraph Office Karachi
_	~	_			_	-	_	_	Supdt, Telegraph Office-Karachi
_		_		-	-		_	_	Do,
									Chief Supdt. of Telegraphs C.T.O. Lahore.
	_					_		_	Chief Supdt, C.T.O. Rawalpindi,
400	_	-	-	-	_	_	_		Supdt. in-charge Telegraph Office Karachi.

Name of Contractors	5- <u>1</u> %	5-1/2% 1rdrrs	5-1/2%	Comp.	5-3/4 % W.B.	5-3/4 % Maha-	
	1970	1978	2000	Bond 1999	1979	rastra 1979	
1 2	23	24	25	26	27	28	
1. Priyalal Mukherjee	-		-	_	-	p	
2. The Civil & Military Gazette, Lahore	_				_	_	
3. The Trustees, Tribune Press and non-Press, message news- paper, Lahore				_	_	_	
4. M/s Dhanuka Industries (P) Ltd.	_		_	-	_	-	
M/s J.K. Business Machines Ltd., Calcutta		_				_	
6. M/s Paul & Co		_	-	_	_	_	
7. M/s National Cable Works Ltd.	_	_					
8. Press Trust of India Ltd., Bombay	_	<u> </u>	_	_		_	
9. The Bharat Line Ltd.,	_	_	_		_		
10. Balmar Lawrie & Co. Ltd., Bombay		_			_	_	
11. Narandas Rajaram & Co. (P) Ltd.	_		_	_	_	_	
12. Press Trust of India Ltd.,	_		=	_	_	- - - -	
13. Killick Nixon Ltd	_	_	_	_	_	_ 	
14. Protos Engg. Co. (P) Ltd.	_	_	_	_	_	 -	
15. Turner Morrison & Co. Ltd.16. Life Ins. Corporation of India,	_		_	_			
Central office Bombay	_	-	_		_	_	
17. Killick Nixon Ltd	_	_	_	_	_	→	
19. The Pioneer Ltd., Lucknow	_	_	_	_	_	_	
20. Mathrubhumi Printing & Pub- lishing Co. Ltd. Kozhi Kode,							
Calicut	-	_	_	_	_	_	
walla 22. The Daily Gazette, Karachi	_	_			_		
•	- 		_		-	_	
23. M/s A.B. Pandit & Co. Karachi 24. M/s Cowasjee & sons, Karachi	_	_	_	_	_		
25. M/s Loius Dreyfus & Co. Ltd.,	_					_	
26. M/s Eastern Steamship (Pvr.)	_	_	_	_	_	_	
Ltd		_	_	_	_	_	
27. Gannon Dunkurly & Co. Ltd	_	_	_			_	
28. Hind Shipping Agencies29. M/s Lionel Edwards Ltd	_	_	-	_		_	
•	_	_	_	_	_	→	
30. The Daily Gazette Press, Karachi	_	_	_	_	_	_	
 M/s Burma Shell Oil Storage & distributing Co. of India Ltd. 	_	_	_	_	_		
32. M/s Ralli Brothers Ltd. 33. M/s Burma Shell oil Storage	_		_			-	
& distributing of India Ltd., Lahore	-		_		_	_	
34. Do. Rawalpindi		_	-	_	_	_	
35. The Daily Gazette Press, Karachi		_	_		_	_	

rastra	4-3/4% Kerala	4-1/2% Kerala 1974	5-3/4% 2006	6-/1/2	W.B.	Maha- rastra	5-3/45	Name of Pledgee
1980	1976 30	31	32	33	1982 34	1985	36	
29	30	31	34	33	34		30	
_	_		\leftarrow	_		_	_	P.M.G. Bengal & Assam (Bangla Desh item)
~~	_	-	_		_			P.M.G. Punjab Telegraph Traffic Branch
_		_	-	_	-		-	P.M.G. Punjab Telegraph Trafic Branch
		-	-	-	_		_	Chief Supdt. C.T.O. Calcutta
	_	_•		_	_		_	Do.
		-	_	_	_	_	-	Controller of Telegraph Stores, Alipore.
_	_		-	_	_	-	_	Manager Telegraph Work Shops, Alipore.
—	_	_		_	_	-	-	Chief Supdr. C.T.O. Bom- bay.
	_		_		_	_		Do.
_			_	_	_	_		Do.
		_	_	_	_		—	Do.
_	-	_		-	-	_	_	Do.
_		_	_		-	-		Do.
	_	_		_				Do.
		_	-		_			Do.
-	_		_	_	_	_	_	Do.
-	—				_	_	_	Do.
	_	-	_	_		_		Chief Supdt. C.T.O. Madras. Supdt. in-charge C.T.O.
								Lucknow. Supdt. Central Telegraph
	_		_	_		_	_	Office, Kozhikode, Cali- cut.
		-	-	_	_	_	-	Chief Supdt. C.T.O. New Delhi
_			_	_	_	-	—	Supdt. in-charge Telegraph office, Karachi.
_	_			_	_	_		Do.
_					_	_	_	Do.
_	-	-	_	_		-	_	Do.
_	-	_	_	_	_	_	_	Telegraph Traffic Super- visor (III) D.T.O. Matu- nga, Bombay.
_		_	_		-	-	-	Chief Supdt. C.T.O. Bom- bay.
_	_		_	_	_	_	-	Do.
-			_		_		_	Chief Supdt. C.T.O. Cal- cutta.
-	_		_	-	_		_	Supdt. in-charge Telegraph office Karachi.
-	_	_			_	_		Supdt. Telegraph Office- Karachi.
		_						Do.
_		-	_	_	_			Chief Supdt. of Telegraphs C.T.O. Lahore.
h	-	-	_		_	_	Н	Chief Supdt. C.T.O. Rawalpindi
_	_	_		****	_		_	Supdt. in-charge Telegraph Office Karachi.

2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	10	4.4
				0		<u> </u>		10	11	12	13
6. Herbartsons Ltd		_	_		_	_	_	_		_	_
37. R.R. Nabar & Co.	_	P		_	_	_				_	_
38. Herbertsons Ltd	_		_	_	_	_			_	_	_
39. M/s Cooper Engg. Ltd			_	_	_	_	_	_		_	_
40. The Indian Overseas Bank Ltd.	_		_	_	_		_	_	_		_
11. M/s Gannon Dunkerly & Co.											
12. Do		_	_	_			_	_		_	_
13. The Scindia Steam Navigation	_	_		_	_	_	_		1,000		_
Co. Ltd.			_								
14. Do	_	_	_		_		_	_		_	
15. Reserve Bank of India	_				_	_	_	_		_	_
46. Batliboy and Company Ltd.	_				_	_		_	_		_
17. Mehta Vakil & Co.	_				_			_	_	_	
18. Development Secretary (F)			_	_		_		_		_	_
L.I.C. of India		_	9,000		_	_					
19. Indian Overseas Bank	_			_		_	_			_	
50. Do			_	_	_		_			_	
51. Do	-			_	-	_	_				
52. Do. , ,	_		_	_			_			_	_
33. United Bank of India Cal-									_		_
cutta	_	_	_	_		_	_				_
54. M/s Lionel Edwards Ltd	-	_	_	_	_		_	_			
55. M/s Machinnon Mackenzie Co.											
(P) Ltd		_	_	_	_	_	_	_	-		_
56. M/s Batliwalla & Karani	_	_		_		_			_	_	_
57. United Bank of India (H.O.) Calcutta											
Calcutta 58. Industrial Development Bank	_	_	_		_	_	-	_		_	_
of India											
59. M/s Allahabad Bank Ltd,			_		_	_	_	_	-	_	_
(Cal. Branch)	_		_	_		_					
50. United Bank of India H.O.								_		_	
Calcutta		_	_	_		_		_		_	_
1. Indian Overseas Bank	_	_	_	-	_	_	_	_			
52. Do	_	-	_	_		_	_		_	_	* `_
CO TENIENT NIME TAN											ŀ
53. Killick Nixon Ltd.	_			-	_	_		_			_
4. M/s Lionel Edwards Ltd.	_	—	-		-	_	_		_	_	_
5. Maharashtra State Co-operative Bank Ltd.											
Dulla Ditt.		_	_	_	_	_	_	_	_	_	_
Total	— 1,5		9,000	1,300	400						

							_		
14	15	16	17	18	19	20	26	22	
_								~	Chief Supdt, C.T.O. Bombay.
		-		_	_	_	H	_	Do.
_	-	_	_	_	800	_			Do.
_	_			_	2,500	_	_		Supdt, C.T.O. Poons
	_			_		_	-	-	Chief Supdt. C.T.O. Calcutta
_	500	_	~	_		-	_	-	Chief Supdt C.T.O. Bombay
_	500		_	_				_	Do.
_	_	_	-		-	_	_	_	Do.
				35,000					Do.
	_	_		15,000	_			_	Do.
_		_		40,000	_			—	Do.
_	_			_	-	700	-		Do.
_	_	_	-	_	_		_		Telegraphist in-charge D.,T.O. Santacruz, Bomby,
	-	_			_	_			Chief Supdt, C.T.O. Madras,
_	_	5,000			_			_	Do.
	_	10,000	_		_	_		_	Do.
_	_	5,000	-	_	-	_		_	Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
_		500	~	_	_	_	_	-	Do. Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
_		-	_	_		_	_		Do.
_	_	_		_		_	_	_	Do.
									Chief Supdt. C.T.O. Calcutta
_	_	-		_	_	_		_	Chief Supdt, C.T.O. Bombay.
_				_		_	<u></u>	-	Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
		_		_	_	_			Do. Chief Supdt C.T.O, Madras.
_	-	_	-	-	-	_	-	_	Supdt in-charge D.T.O. Anna Road, Madras.
_	-	_		_	_	_	~	_	Chief Supdt, C.T.O. Bombay Do. Do
400	5,500	20,500	<u>-</u>	90,000	3,300	700			

1 2		23	24	25	26	27	28	
36. Herbertsons Ltd		1,400		_	_		_	
37. R.R. Naber & Co		100	_	<u>-</u>		_		
38. Herbertsons Ltd.				_			-	
39. M/s Cooper Engg	g. Ltd		_	-	-	P		
40. The Indian Overs	eas Bank Old.	18	_		-			
41. M/s Gannon Dur	ikerly & Co. Ltd.			_	_		-	
42. Do		_	_	-	_	_	_	
43. The Scindia Stea Co. Ltd	m Navigation			_	_	_		
44 75			_ _	_	_	_	200	
		_		_			300	
45. Reserve Bank of I			_		_		_	
46. Fatliboy and Con				_	_	_		
47. Mehta Vakil & C		-			_	•	_	
48. Development Seconf India .	retary (F) L.I.C.		_	_				
49. Indian Overscas I							_	
4). Maian Oyetseas i	Dalla				. _		_	
50. Do		_	_	25,000	_	_	-	
51. Dø, .		_		-	6,000	_		
52. Do			_	76,700	_			
53. United Bank of	of India Cal-							
		-	-	1,100		-		
54. M/s Lionel Edwa	rds Ltd	-	_	75,000	_	_		
55. M/s Machinnon	Mackerzie Co.							
			_		_	_		
56. M/s Batliwalla &		_		_		_	_	
57. United Bank of								
		_				-	_	
58. Industrial Dovel	•							
of India		_	_	_				
	Bank Ltd.,	_				_		
60. United Bank of								
Calcutta	111010 11.0.	_			_			
61 . Indian Overseas B	ank	-	_	4,000	_	-	_	
62. Do		-	-		_	-	_	
63. Killick Nixon Ltd.			-				_	
64. M/s Lionel Edward	ds Ltd		-			_		
65. Maharashtra State	Co-operative							
Bank Ltd.							_	_
Total		1,500		1,77,800	100,00		300	

								
29	30	31	32	33	34	35	36	
_		_	-	_	_	_		Chief Supdt. C.T.O. Bom-bay.
_	_	_	-	_	-	_		Do.
-	_	_	-		-	_		Do.
_				-	_		_	Supdt C.T.O. Poona.
	_	_	-	_		_	_	Chief Supdt C.T.O. Calcutta.
_	_	_		_		-	_	Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
_			-	_		_	_	Do.
-	_	-	_		_	_		Do.
_	_	_	_	_	_	_	_	Do.
_			-	_	_	-		Do.
		-				_		Do. Do.
_	_	_	-	_	_	_		Telegraphist in-charge D.T.O. Santa cruz, Bom- Bay.
_	_				_	_	_	Chief Supdt. C.T.O. Madras.
	-	_						Do.
		_	-		_	_		Do.
.	_	-	-	. —		_	_	Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
	-	_		_	_			Do,
-	_					-	_	Chlef Supdt. C.T.O. Bombay.
	-			_	_		_	Do.
		_						Do.
_		_		-		_	_	Chief Supdt. C.T.O. Cal- cutta.
		_	~~	13,500				Chief Supdt. C.T.O. Bombay.
		-		_	_	50,000	_	Chief Supdt. C.T.O. Calcutta.
	-	_			_		25.000	Do.
	_	-	20,000				_	Chief Supdt. C.T.O. Mad- ras.
	_	_	28,000	_	-	-		Supdt in-charge D.T.O. Anna Road, Madras.
,000	_				_	_	_	Chief Supdt, C.T.O. Bom-bay.
								Do,
	—	_	_	_	_	25,000		Do.
4,000			48,000	13,500	50,000	25,000	25,000	

No Publication/G.S.—1801 deted 13-3-1980

Sd/-Accounts Officer (Postal A/cs) Circle Postal Accounts
C. leutta

MINISTRY OF DEFENCE

D.G.O.F. HEADQUARTERS CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 2nd May 1980

No. 25/G/80—The President is pleased to accord ex-post-facto approval to the appointment of the undermentioned officer Supervisors (promoted from Superintendent) as Staff Officers in an officiating capacity on adhoc basis for the period shown against each :—

Si. No. Name		From	To
1 2		3	4
S/shri			
1. Kamalendu Gupta (Since	retired) .	1-3-68	24-9-71
2. Jyoti Prakash Dasgupta (Since retired)	1-3-68	28-3-69
3. Ramendra Nath Bose (Sin	nce retired)	1-3-68	28-3-69
4. Krishna Iyer Harihara R	aman .	1-3-68	28-3-69
5. Prafulla Kumar Roy (Sin	ce retired)	1-3-68	31-12-72
6. Kshitish Chandra Mukheretired)	crjee (Since	1-3-68	5-10-71
7. Baldev Singh Kampani (S	lince retired)	1-3-68	12-7-71
8. Sisir Ranjan Guha Roy	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	1-3-68	5-10-71
		1-3-00	J-1 U- /1
9. Rathindra Nath Sengur retired)		1-3-68	5-10-71
10. Nirmal Chandra Mukh	erjcc (Since	1-3-68	30-9-69
11. Mukunda Lal Kundu (Sir	ce retired)	1-3-68	30-4-72
12. Ramendra Nath Bosc (Si		1-3-68	7-8-68
13. Pasupati Chatterjee (Since		1-3-68	15-12-69
14. Biswanath Chatterjee (Sit		1-5-69	7-7-73
15. Shambhu Nath Sinha (Sit		6-10-69	31-12-75
16. Dharm Chand Verma (Si		22-10-69	5-8-74
•		22-10-07	5-0-74
17. Dhirendra Prasad Srivar retired)	• •	16-6-70	31-7-76
18. Ale Hasan (Since retired	/expired) .	5-12-70	31-12-74
19. Rabindra Nath Bose (Sin-	ce retired)	25-3-71	27-5-77
20. Hari Bhusan Ghosh .		31-1-72	27-5-77
21. Tirtha Prasad Bagchi (Sir	ice retited).	7-2-72	30-9-75
22. Kanai Lal Mukherjee (Si	nce retired)	31-1-72	27-5-77
23. Hari Pada Chattjeree Sin	ce retired).	3-7-72	27-5-77
24. Prafull Nath Sanyal (Sinc retired)	e	20-4-73	27-5 - 77
25. Gopal Chandra Dasgupta tired)	(Sinco re-	20-4-73	31-3-74
26. Timir Ranjan Dutta(Since	retired) .	4773	27-5-77
27. Nirmal Chandra Sengupta			
tired) 28. Bhupati Bhus3n Biswas		5-11-73 6-12-73	31-7-76 27-5-77
29. Krishna Chandra Bhattac retired)	harjee (Since	10-1-75	27-5-77
30. Manmohan Lal Nanda (Since expired)	10-1-75	27-5-77
31. Hara Pad Chowdhury (Sin		30-4-75	31-12-72

^{2.} Financial effect arising out of the above appointments will be admissible from 1-1-1973 in terms of Ministry of Defence letter No. PC II9(30)/68/ IV D(Fy) dated 27-9-75 as amended vide—their letter No. PC.II.9(30)/68/IV/D(Fy) dated 10-12-1975.

INDIAN ORDNANCE FACTORY SERVICE

Calcutta, the 2nd May 1980

No. 26/G/80.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri D. Sharma, Permanent Assistant Manager w.e.f. 25th September 1978 (AN).

V. K. MEHTA Asstt. Director General Ordnance Factories/Estt.

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 13th May 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1331/80-Admn(G)/2846.—The President is pleased to appoint Smt. C. Zutshi, IAS (MH:1971) formerly Jt. Director of Industries in the Directorate of Industries, Govt. of Maharashtra, Bombay, as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, with effect from the forenoon of the 17th April 1980 until further orders.

C. VENKATARAMAN Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 6th May 1980

No. 6/864/69-Admn(G)/2779.—Shri J. V. Sarma, Assistant Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay expired on 21-3-1980.

P. C. BHATNAGAR

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

ISPAT, KHAN AUR KOYLA MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 9th May 1980

No. 3267N/A-32013(AO)/78-19A.—The ad hoc appointments of the following officers to the posts of Administrative Officer (Previously as Assistant Administrative Officer) in the Geological Survey of India are regularised with effect from the dates shown against each of them.

Name and date of regularisation

- 1. Shri P. K. Ganguly-25-2-1980.
- 2. Shri J. K. Singha Roy-25-2-1980.
- 3. Shri S. K. Dutta-25-2-1980.

V. S. KRISHNASWAMY

Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 3rd May 1980

No. A. 19011(27)/70-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri U. N. Sarkar, Superintending Mining Geologist on ad-hoc basis to the post of Superintending Mining Geologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31-3-80 until further orders.

S. V. ALI Head of Office.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 5th May 1980

No. A. 38012/2/80-Estt.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri C. R. Roy, Assistant Production Manager (Printed Publicity) of this Directorate retired from Govt. service and relinquished the charge of the post on the afternoon of 30th April, 1980.

J. R. LIKHI Deputy Director (Admn.) Joi Director of Advertising & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th May 1980

No A 12026/25/77-Admn I—Consequent on his transfer from the Central Govt Heatlh Scheme, Dr S K Suri assumed charge of the post of Dental Surgeon at Dr Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi on the forenoon of 1st August, 1979

On his transfer to Dr Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi, Dr. S K Suri relinquished charge of the post of Junior Staff Surgeon (Dental) under the Central Govt Health Scheme on the forenoon of 1st August, 1979

S L KUTHIALA, Deputy Director Administration (O&M)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Plant Site, NAPP T/Ship, the 13th May 1980

No NAPP/Adm/1(171)/80/S/5942—Chief Project Engincer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri A D Bhatra, a permanent Assistant Administrative Officer and officiating Administrative Officer-II in Branch Secretariat Department of Atomic Fnergy, New Delhi, to officiate as Administrative Officer II, in the scale of pay of Rs 840-40-1000-EB-40-1200-, in the Narora Atomic Power Project, we't the Forencon of April 9, 1980 until further orders

G G KULKARNI Senior Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Madras-600006, the 28th April 1980

No MRPU/200(150)/80-Adm—The Director, Directorate of Purchase & Stores appionts Shri P V Prabhakaran, a temporary Storekeeper to officiate as Assistant Store Officer in the scale of pay of Rs 650-30 740-35-810 EB-35-880 40-1000-EB-40-1200 on an adhoc basis in the Reactor Research Centre Stores of the same Directorate with effect from April 7, 1980 FN to May 9, 1980 (AN)

S. RANGACHARY, Senior Purchase Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 6th May 1980

No AMD 1/23/79-Adm —Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri Pankaj Kumar Sinha as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 18, 1980 until further orders

The 8th May 1980

No AMD-1/7/79 Adm—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri D K Khatkhedkar, Section Officer of the Office of the Accountant General-II, Maharastra, Nagpur, as Assistant Accounts Officer on deputation in Atomic Minerals Division

with effect from the afternoon of April 25 1980 until further orders

No AMD-8(1)/80 Rectt — Director. Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shii I K Shirm i, Accountant in the Atomic Minerals Division as Assistant Accounts Office in the rame Division in a purely temporary capacity with effect from the Folenoon of Maich 24, 1980 itee Shii P K Das, Assistant Accounts Officer granted leave until further orders

M S RAO, Sr Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 7th May 1980

Ref No 05012/R/4/OP/2017—Officer-on Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shii Parathamala Philipose Cherian, an Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Tuticorin) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project, in a temporary capacity we f 20 11 79 (FN) to 10 3 80 (AN) vice Shri G Padmanabhan, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer

K SANKARANARAYANAN Senior Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603 102, the 28th April 1980

No A-32013/10/80/R/5466—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints the undermentioned officials of this Centre as temporary Scientic Officers/Engineers Grade—SB in the scale of pay R_S 650 30 740 35-810 FB-35 880-40-1000 FB 40 1200 with effect from February, 1 1980 until further orders

sl N	To	Name &	Present	Status
1]	Dr M	K Ahmed—To		Scientific Istant 'C'
2 :	Shrı V	C Achari-P		Asstt Foreman of & officiating Foreman
3 ;	Shri A	R Shaikh—Pe	rmanent A	Asstt Foreman of & officiating Foreman
4 :	Shii R	Raman—Quasi		nt Fraughtsman 'C'
5	Shrı R	Madhusoodhar		Permanent
6	Shrı J	Seshagiri—Per	Assistant '/ Scientifi	A' of PPED & officiating
		J Joseph—Peand officiating		Tradesman 'D' of
				S PADMANARHAN

S PADMANABHAN, Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trlvandrum-695022, the 6th May 1980

No VSSC/EST/F/1(17) — The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned persons in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space as Scientist/Figure 'SB' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 1st April, 1980 and until further orders —

SI. Name No	Designation	Division/ Project
1 2	3	4
S/Shrl 1. C Stvankutty 2. A P Varghese 3 P Ramakrishnan	Sci/Engr SB Sci/Engr. SB Sci/Engr SB	ARD STR EFF

1 2	_						 3	4
Surv shri				 _				
4. M. M. Udaiyar			- 1				Sci/Engr. SB	EFF
5. C. J. Varkey							Sci/Engr. SB	EFF
6. C. Gopalekrishna	an .						Sci/Engr. SB	ANL
7. N. Sooryanaraya							Sci/Engr. SB	PRT
8. Smt. C. V. Anna:	mma .						Sci/Engr. SB	SMA
9. S. Muthu .					,		Sci/Engr. SB	RPP
10. Smt. P. V. Umad	levi						Sci/Engr, SB	RPP
1. Vinod Sarwade							Sci/Engr. SB	RFF
2. K. C. Rajan Nad	lar .						Sci/Engr. SB.	PFS
3, P. N. Rama Rao							Sci/Engr. SB	PLS
4. S. Sukumaran Na							Scl/Engr. SB	SPD
15. S. Subramanian		,					Sci/Engr. SB	FRP
6. Radhakrishna Sa	thvavolu			,			Sci/Engr. SB	SLV
7. K. R. Mohanan						,	Sci/Engr. SB	SLV
18. K. R. Bhaskara 1					,		Sel/Engr. SB	EMD
9. A. Hanumanthar				,	,		Sci/Engr. SB	COM
								P. A. KUI

Admin. Officer-III (EST) for Director, VSSC

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 8th May 1980

No. A-32014/3/78-E.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants as Assistant Meteorologists in an officiating capacity with effect from the dates indicated against their names and until further orders :-

and Date from which appointed as Name St. No., Assistant Meteorologist

- 1. Shri Rishi Kumar Verma-4-3-1980.
- 2. Shrì L. D. Agarwal-4-3-1980.
- 3. Shri O. S. Agarwal-27-2-1980.
- 4. Shrl N. K. Banerjee-21-1-1980.
- 5. Shri Hukam Singh Sagar -1-3-1980.
- 6. Shri Panchu Ram-25-3-1980.
- 7. Shri Dalbir Singh Lambey-1-3-1980.
- 8. Shri Ram Dhari Singh-25-3-1980.

S. K. DAS. Additional Director General of Meteorology (Instruments)

for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATON

New Delhi, the 8th April 1980

No. A-32013/8/79-E.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. C. Mazumdar, Director, R.C. & D.U. (ad-hoc) and at present on deputation with International Civil Aviation Organization, to the post of Director in the Aeronautical Com-munication Organization of the Civil Aviation Department, on officiating basis, with effect from the 6th Feb., 1980.

C. K. VATSA,

Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 6th May 1980

No. A38013/1/80-EA.—Shri K. S. Venkataraman, Aerodrome Officer, Civil Aerodrome, Begumpet retired from Government Service on the 30th April, 1980 AN on attaining the age of superannuation.

V. V. JOHRI, Deputy Director of Administration.

The 9th April 1980

No. A-31013/1/79-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri O. S. Wadhawan, Officiating Inspector of Flying, Civil Aviation Department, in a substantive capacity in the same post with effect from 5th March, 1979.

No. A-31013/2/79-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri P. S. Gujral, officiating Assistant Director, Maps & Charts, Civil Aviation Department, in a substantive capacity in the same post with effect from 16th October, 1977.

C. K. VATSA.

Assistant Director of Administration

New Delhi, the 6th May 1980

No. A. 32013/6/76-ES.—The President is pleased to sanction the continued ad hoc appointment of the following seven officers in the grade of Aircraft Inspector from 1-1-80 to 24-1-80 (24 days) or till regular appointments to the grade are made whichever is earlier.

- 1. Shri Anupam Bagchi
- 2. Shri S. Mazumdar
- 3. Shri H. M. Phull
- 4. Shri L. A. Mahalingam
- 5. Shri D. P. Ghosh
- 6. ,Shri L. M. Mathur
- 7. Shri R. N. Sastry

The 9th May 1980

12025/7/79-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri Narinder Singh V. S. M. as Assistant Director of Air Safety (Engg)/Senior Air Safety Officer (Engg) in an officiating capacity with effect from 8-2-1980 (A.N.) until further orders and to post him in the office of the Director General of Civil Aviation, R. K. Puram, New Delhi.

> N. A. P. SWAMY, Asstt. Director of Administration.

New Delhi, the 12th May 1980

No. A. 39012/2/80-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri T. N. Venkataramana, Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Madras Airport, Madras with effect from 8-3-80 (AN).

No. A. 32014/2/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is plessed to appoint the undermentioned Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on adhoc basis with effect from the dates indicated against each and to post them to the station indicated against each:—

Sl. No. Name				Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge	
S/Shri						· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
1. V. R. Chabra .	•	٠		•	A.C.S., Palam	ACS, Safdarjung Airport, New Deli.	9-4-80 (FN)
2. T. V. Xavier .					A.C.S., Madras	A.C.S., Madras	13-4-80 (FN)
3. K. P. Janardhanan					A.C.S., Nagpur	A.C.S., Nagpur	10-4-80 (FN)
4. C. P. R. Menon .					A.C.S., Madras	A.C.S., Madras	13-4-80 (FN)
5. M. A. Lele .					A.C.S, Bmbay	A.C.S., Bombay	11-4-80 (FN)
6. R. N. Moghe .					A.C.S., Bombay	A.C.S., Bombay	11-4-80 (FN
7. N. T. Vazirani .					A.C.S., Bombay	A.C.S., Bombay	14-4-80 (FN)
8. K. S. Bajwa .					A.C.S., Amritsar	A.C.S., Amritsar	14-4-80 (FN)
9. C.G. Menorkie .					A.C.S., Bombay	A.C.S., Bombay	14-4-80 (FN

No. A-32013/10/79-EC.—In continuation of this Deptt, Notification No. A-32013/10/79-EC, dated 8-11-1979, the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri Suresh Chandra to the grade of Assistant Director of Communications in the Civil Aviation Department beyond 26-3-1980 and upto 31-8-1980 or till regular appointments to

the grade are made whichever is earlier and to post him in the same office.

R. N. DAS
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay-1, the 25th April 1980

No St-2/1979-80.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1) of Rule 232-A of the Central Excise Rules, 1944 the names and addresses, and other particulars specified in Sub-rule (2) of the persons who have been convicted by the Court under Section 9 of the Cent al Excises and Salt Act, 1944, and persons on whom a penalty of Rs. 1,0,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are published as follows:—

I--COURT CASES

S. No.	Name of the p	persons A	ddress	The provision Contray	_	The amount of penalty imposed	
1	2		3	4			
			—NIL———				
		IIDE	PARTMENTAL ADJUD	ICATIONS			
S. No.	Name of the persons	Address	Provisions of the Act or Rules made thereunder contravened	Amount of penalty imposed	Value of excisable goods adjudged by an officer under Section 33 to be confiscated.	s Amount of fine in lieu of con- fiscation under section 34 of the Ac	
1	2	3	4	5	6	7	
1. M /s	. Banker Textiles	60, Govt. Industrial Estate Kandivali (W) Bombay- 400067.	Rules 9(1), 52(A), 53, 173F, 173G(1) (2)(4) and 226 of the Central Excise Rules, 1944.	Rs. 10,000/-	682 ·50 Kgs. of Fancy Yarn valued Rs. 17,000/-	Rs. 5,000/-	
2. M/s	. Tata Mills Ltd.	Ambedkar Road, Dadar, Bombay-400 014.	Rule 173B read with Rule 173F, 173G(1) read with 9(1), 47, 49, 173G (2) read with 52A of the Central Excise Rules, 1944.	Rs. 10,000/-	Rs. 5,51,746.86	Rs. 10,000/-	

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 12th May 1980

No. 19012/639/77-Adm.IV.—Chairman, Central Water Commission hereby accepts resignation tendered by Shri H. N. Dakua from the post of Extra Assistant Director with effect from the afternoon of 21st January, 1980.

J. K. SAHA Under Secy. for Chairman, Central Water Commission

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 14th May 1980

No. M(63)-AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri M. A. Mohiuddin as Assistant Manager (Admn.) in the Government of India Press, Ring Road, New Delhi, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the 3rd February 1980 (forenoon) until further orders.

M. M. JOSHI, Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Burmah-Shell Provident Trust Pvt. Ltd.

Bombav-2, the 31st March 1980

No. 15128/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Burmah-Shell Provident Trust Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Burmah-Shell Pensions Trust Pvt. Ltd.

Bombay-2, the 31st March 1980

No. 15414/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Burmah-Shell Pension Trust Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. C. R. Patel & Company Private Limited

Bombay-2, the 16th April 1980

No. 15542/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. C. R. Patel & Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck oft the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Macmull's Garrage (Private) Limited

Bombay-2, the 16th April 1980

No. 7792/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (I) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Macmull's Garrage (Private) Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ms. K. D. Vaswani & Company Private Limited
Bombay-2, the 16th April 1980

No. 8473/Liq/560(5)—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s K. D. Viswani & Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bombay Woodcraft Private Limited

Bombay-2, the 16th April 1980

No. 12736/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Bombay Woodcraft Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Amrit Trading Company Private Limited

Bombay-2, the 16th April 1980

No. 18193/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Amrit Trading Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S C. GUPTA Asstt. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Associated Service (India) Limited

Shillong, the 9th May 1980

No. 655/560(3)/557.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s Associated Service (India) limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. North East Mirror Publication Private Limited
Shillong, the 9th May 1980

No. 1648/560(3)/559.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereot, the name of M/s. North East Mirror Publication Private limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

Shilong, the 9th May 1980

In the matter of the Companies Act, 1956 as of M/s. Rupmahal Theatres Private Limited

No. 1113/560(3)/564.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Rupmahal Theatres Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. K. CHATTACHARJEE
Registrar of Companies,
Assam, Meghalava, Manipur, Tripura,
Nagaland, Arunachal Pradesh &
Mizoram, Shillong,

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX (CADRE CONTROL AUTHORITY)

Kanpur, the 6th May 1980 ORDER

Establishment— Central Services—Group 'B' —Gazetted—Incometax Officers— Promotion, transfer and posting of—

No. 13.—The following Inspetors of Income-tax are appointed to officiate as Income-tax Officers (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from their taking over the charge and until further orders. They will be liable to reversion in case it is subsequently found that their appointments have been

made in excess of the vacancies available. Their services, on promotion are placed at the disposal of the Commissioners of Incometax indicated against each:---

Sl. No., Name of the official and Services placed at the disposal of C.I.T.

S/Shri

- 1. B. N. K. Verma, Audit Cell, Meerut.-Meerut.
- 2. Ram Prasad (S.C.), T.R.O., Agra-Agra.

B. GUPTA
Commissioner of Incometax
(Cadre Control Authority, Kanpur).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 802-A/79-80/Dadri.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule

situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dudii on 28-5-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Shri Raje S/o Khacheru, Bihari S/o Ballu and Gopi S/o Chhuttan, R/o Madawali Fazalpur, Distt. Delhi.

(Transferor)

(2) Ş/Shri Maharishi Dhyan Vidya Peeth Uttar Pradesh, E-9, Defence Colony, New Delhi through Dr. C. Mahapatra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 298 measuring 3-9-3 Bigha situated at Bhagel Begumpur, Parg: & Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-4-1980

(1) Sri Santi Ranjan Bhattacharyya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Sukhamoy Paul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. 662/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4, situated at C.I.T. Scheme No. 114A

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 171.08 sq. meter situated at plot No. 4, C.I.T. Scheme No. 114A and being portion of 106, Prince Anwar Shah Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEIA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 3-3-1980.

(1) Sri Ashutosh Debnath P.O. & P.S. Ranaghat, Dt. Nadia, W-B.

(Transferor)

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) M/s, Nadia Textiles Mills P.O. & P.S. Ranaghat, Dt. Nadia, W.B.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. Ac-110/R-IV/Cel/79-80.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 4317/6781, situated at P. S. Ranaghat Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ranaghat on 13-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3-Ks. & 15-Chs. with building situated at Mouza Ranaghat No. 155, P.O. & P.S. Ranaghat, Dt. Nadia, more particularly as per Deed No. 8009 of 1979.

K. SINHA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 3-3-1980.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

= -----

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1980

Ref. No. Ac-111/R-IV/Cal/79-80.--Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 942, situated at Mouza, P.O. & P.S. Siliguri, Dt. Darleeling

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Sri Krishna Prosad Misra Ashrampara, P.O. Siliguri, Dt. Darjecling.

(Transferoi)

(2) S/Sii Aiun Chakravorty & Pallab Chakravorty, Jalpaiguri Town, Dt. Jalpaiguri.

(Transferee)

Objectione if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .13 acres with building situated at Mouza, P.O. & P.S. Siliguri, Dt. Darjeeling, more particularly as per Deed No. 4485 of 1979.

> K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Calcutts.

Date: 3-3-1980

Scal;

FORM ITNS----

(1) Shri Brij Nath Khandelwal & another.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Durga Shukla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1980

Ref. No. Sl.537/TR-70/C-59/Cal-1/79-80.—Whereas, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3 & 4 situated at Hanspukur Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building—partly 3 storied and partly 4 storied admeasuring 3500 sft. being premises No. 3 & 4, Hanspukur Lane, Calcutta vide Deed No. 4350 dt. 11-8-79.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 12-3-1980,

(1) Sri Nirmal Kr. Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Prembuta Delmia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1980

Ref. 682/Acq.R-11I/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that one fourth share in 13 cottahs 1 chittacks of land and building erected thereon situated at demarcated portion of 1, Jhamapukur Lone, Calcutta as per Deed No. 7385 of 1979.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 12-3-1980.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

22-86G1/80

FORM ITNS----

(1) Sri Nirmal Kr. Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Bimla Dalmia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1980

Ref. No. 683/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I, V, S, JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that one fourth share in 13 cottahs 1 chittacks of land and building erected thereon situated at demarcated portion of 1, Jhamapukur Lane, Calcutta, as per Deed No. 7386 of 1979.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-3-1980.

Seal:

FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Nirmal Kr. Ghosh.

(Transferor)

(2) Sri Kashinath Seksaria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th Morch 1980

Ref. No. 684/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1, situated at Jhamapukur Lane, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeshid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that one fourth share in 13 cottahs 1 chittacks of land and building crected thereon situated at demarcated portion of 1, Jhamapukur lane, Calcutta, as per Deed No. 7387 of 1979.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Qalcutta-16.

Date: 12-3-1980.

(1) Sri Nirmal Kr. Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gıtadavi Dalmıa.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1980

Ref No 685/Acq R III/79-80/Cal —Whereas, I, I V S JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 1, situated at Jhamapukui Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17th August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that one fourth share in 13 cottahs 1 chittacks of land and building erected thereon situated at demarcated portion of 1, Jhamapukur Lane, Calcutta, as per Deed No. 7388 of 1979.

I. V. S JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date . 12-3-1980

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 20th March 1980

Ref No Ac 118/R IV Cal/79-80—Whereas, I, K SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No 68, situated at Ram Golam Singh Road, Asansol (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 17-8 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Nani Gopal Basak, Murgasol, Asansol

(Transferor)

(2) Sri Lalit Mohan Basak, Ram Gopal Singh Road, Usha Gram, Asansol

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5-K, 6-Chs situated at 68, Ram Golam Singh Road, Ushagram, Asansol, Dt Burdwan, more particularly as per deed No 4775 of 1979

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date . 20-3-1980.

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 20th March 1980

Ref. No. Ac-119/R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 72, situated at Sarut Chatterjee Road, Shibpur, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 11-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Soumendra Nath Roy, (2) Ramendra Nath Roy, (3) Sachindra Nath Roy, (4) Gopendra Nath Roy, (5) Brojendra Nath Roy, all of 72, Sarat Chatterjee Rd., Shibpur, Howrah, (6) Smt. Sipra Mazumdar of 99/1N, Bidhan Sarani, Cal-4, & (7) Smt. Chitra Sengupta of 72, Russa Road East, Cal-33.

(Transferors)

(2) Smt. Manika Roy of 257/3, Circular Road, Caland at present of 72, Sarat Chatterjee Road, Shibpur, Howrah.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 12-Chs. & 14-Sft. with building situated at 72, Sarat Chatterjee Road, Shibpur, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 1309 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16.

Date: 20-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 20th March 1980

Ref. No. Ac-120/R-IV/Cal/79-80 —Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 72, situated at Sarat Chatterjee Road, Shibpur, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 11-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1)(1) Soumendia Nath Roy, (2) Ramendra Nath Roy, (3) Sachindra Nath Roy, (4) Gopendra Nath Roy, (5) Brojendia Nath Roy, all of 72, Sarat Chatterjee Road, Shibpui Howrah, (6) Smt. Sipra Mazumdar of 99/1N, Bidhan Sarani, Caf-4, (7) Smt Chitia Sengupta of 72, Russa Road Fast, Cal-33.

(Transferor)

Smt. Namita Roy,
 72, Sarat Chatterjee Road,
 Shibpur, Howrah.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 12-Chs. & 28-Sft. with building situated at 72, Sarat Chatterjee Road, Shibpur, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 1308 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 20-3-1980.

(1) Sti Debendra Bejoy Banerjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Sandhya Das.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 21st March 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. Ac-64/R-II/Cal/79-80—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

(b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. 62, situated at R.M. Banerjee Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-8-1979

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2-Ks. 8-Chs. with building situated at 62, R M. Banerjee Rd., Cal-35, under P.S. Dum Dum.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-3-1980.

(1) Srl Sanat Kr. Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Kamalkari Designs (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCAME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 21st March 1980

Ref. No. Ac-66/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11/1, situated at Alipore Avenue

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 18-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23.—86GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1-B., 7-Chs. & 1-sq. foot with building situated at 11/1, Alipore Avenue, Calcutta, under P.S. Alipore.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 21-3-1980.

Scal;

(1) Sri Matilal Pramanik

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Tapash Dutta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 21st March 1980

Ref. No. Ac-65/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 31, situated at Lake Town

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4-Ks. & 2-Sft. situated at Plot No. 31 Block-B, Lake Town, Cal.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date; 21-3-1980.

Scal 2

 Shri Ramendra Kr. Das & Smt. Chandralehka Bhowmik,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrl Niaz Ahmed.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st April 1980

Ref. No. Sl. 538/TR-99/C-82/Cal-1/79-80.—Whereas, I, V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 63, situated at A. J. C. Bose Road, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 16-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building partly two storied and partly single storied servant quarter on land measuring 6K 40 sft. being premises No. 63 Acharya J. C. Boso Road, Calcutta vide Deed No. 4385 dt. 16-8-79, registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 1-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st April 1980

Ref. No. 688/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/1 and

bearing No. 7/2A, situated at Maratha Ditch Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sm. Ashima Ghosh, Sm. Mira Bose, Sm. Maya Roy, Sm. Chhaya Dutta, Sm. Raba Mitra and Sm. Keya Basu.

(Transferor)

(2) Sm. Chameli Scal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 6 cottahs more or less together with building elected thereon at premises No. 7/2A, Maratha Ditch Lane, Calcutta-3.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 1-4-1980

Seal:

(1) Sm Lakshmı Moni Dassi.

SM. ANIMA SIKDER

(Transferor)

(2) M/s Pigment & Allied Products.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st April 1980

Ref. No. Sl. 539/TR-104/Cal-1/79-80—Whereas, I, I, V. S. JUNEJA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25.000/ and

bearing No 1, situated at Netai Babu Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Person in occupation)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 K 10 chs and 2 sft with structures being premises No 1, Netai Babu Lane, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No I 4431, dt 17 8-1980

I V S JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range I, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date . 1-4-1980 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) Sri Anil K. Dasgupta, Sri Salil Dasgupta, Sri Asit Dasgupta, Sri Amit Dasgupta, Sri Anit Dasgupta, Sm. Bela Roy and Sm. Anita Dasgupta.

(Transferor)

(2) Srl Arun Kumar Bagchi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1980

Ref. No. 689/Acq. R-III/80-81/Cal.-Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. 1/A/1, situated at Raipur Road East, Calcutta-32 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Alipore on 10-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that two storied building containing a land of area 2 cottahs 8 chittacks situated at premises No. 1/A/1, Raipur Road East, Calcutta-32.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Calcutta 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 8-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th April 1980

Ref. No. Ac-2/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31, situated at P. K. Ganguly Road, Bally, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 24-8-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Prova Dasgupta, 12, Hara Chandia Mullick Street, Calcutta-5.

 (Transferor)
- (2) Dr. (Mrs.) Ira Chatterjee, 8, Rai Saheb Debendra Nath Mukherjee Road, Bally, Howrah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3-cottahs including building situated at 31, P. K. Gangully Road, Bally, Howrah, more particularly as per Deed No. 1384 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-4-1980.

(1) Shri Santa Nag.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Sk. Md. Sayeed.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1980

Ref. No. Sl. 540/TR-162/Cal-2/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. P-283, situated at Dargah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly two and partly three storeyed building together with land measuring 5 k. 1 ch. more or less being premises No. P-283 Dargah Road, Calcutta registered before the subregistrar, Sealdah vide Deed No. I-789 of 1979.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 11-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th April 1980

Ref No. Ac-3/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. ---, situated at Maheshtalla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 7-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24-86GI/80

- (1) M/s. Equipment & Machinery Corpn. (India) Pvt. Ltd.
 - (Transferor)
- (2) M/s. India Tea Storage Agency.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share of vacant land in P.S. Maheshtalla under Kh. No. 623 to 625 & 635-637 and Dag No. 192 & 6 decs. More particularly described in deed No. 3486.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 15-4-1980,

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th April 1980

Ref. No. Ac-2/R-II/Cal/80-81.—Wherens, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No .- situated at Maheshtalla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Equipment & Machinery Corpn. (India) Pvt.

(Transferor)

(2) M/s. India Tea Storage Agency.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share of vacant land in P.S. Maheshtalla under Kh. No. 625, 624, 623, 623, 636, 637, 635, 626, and Dag No. 192/914, 192, 192/915, 198/870, 198, 191, more particularly described in deed No. 3711.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 15-4-1980

FORM ITNS---

(1) M/s. Equipment & Machinery Corpn. (India) Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. India Tea Storage Agency.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 15th April 1980

Ref. No. Ac-1/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mabeshtalla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 24-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Land measuring 583 dec. under P.S. Maheshtalla more particularly described in deed No. 3810.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Date: 15-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1980

Ref No. Ac-5/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 2, situated at Stark Road, Bally, Howrah

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at Howrah on 16-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay fax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Sreeram Chowlhury, of 28, Baranashi Ghosh Street, P.O. Jorasanko, Calcutta.

 (Transferor)
- Sri Mohanlal Agarwala, C/o., National Marble Co.,
 Lal Bazar Street, Calcutta.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 19-K. 3-Ch, and 40-sq. ft. with building situated at 2, Stark Road, Bally, Howrah, more particularly as per Deed No. 1329 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 16-4-1980.

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1980

Ref No Ac 6R IV/Cal 80-81—Whereas I, K SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000- and

bearing No 83/1, situated at Jeliapaia Lane, Golabari, Howiah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Howrah on 13 8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Ram Chandia Show, 83/1, Jeliapaia Lane, Howrah (Tiansferoi)
- (2) Sri R P Show, Sri J P Show, Sri A P Show, Sri A K Show (Minor) and Sri T K Show (minor), all of 22 Sreemanta Kundu Lane Gola bari, Howrah (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 9-K and 10 Ch with building situated at 83/1, Jaliapata Lane, Golabaii, Howrah, more particularly as per Deed No 2370 of 1979

K SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta 16

Date 16-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ahmed Mohammed of 23, Park Place, Park Circus, Calcutta. (Transferor)

(2) M/8. Kransvip Engineering Pvt. Ltd., 504, Queens Mansion, Park Street, Calcutta. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April 1980

Ref. No. Ac-7/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. 32, situated at Shiv Chandra Chatterjee Street, Bally, Howrah

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Howrah on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 Bigha, 5 Kattahs and 6 Chattaks with building situated at 32, Shiv Chandra Chatterjee Street, Bally, Howrah, more particularly as per Deed No. 4166 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

peersons, namely :-

Date: 16-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF JNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th April 1980

Ref. No. Ac-8/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. Sinha being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

bearing No. 4, situated at Kotwali, Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Joy Prakash Dasgupta, Sri Udayan Dasgupta and Aruna Das, al lof 80, Park Street, Calcutta-17. (Transferor)
- (2) Srl Vinobhai Patel of 40-C, Cential Avenue, Calcutta-12. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 acres, 1 rood, 4 pales and 12-sq. ft. situated at 4, Kotwali, Mouza and Distr. Darjeeling, more particularly as per deed No. 4403 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 17-4-1980,

(1) Tara Sundari Dev & another.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mehar Afroz Begum & ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd April 1980

Ref. No. Sl. 541/TR-101/C-89/Cal-1/80-81.—Whereas, I. I. V. S. Juneja

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. 8, situated at Tiratta Bazar Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly two and partly three storied building together with land measuring 2 cottabs 8 chittacks more or less being premises No. 8, Tiratta Bazar Street, Calcutta, registered before the SubRegistrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-4472 dated 17-8-1979.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV, 54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 23-4-1980,

(1) Subhendu Prasad RoyChoudhury.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Srl Debesh Kumar Sinha.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd April 1980

Ref. No. Ac-5/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

bearing No. 4/32, situated at Fern Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the hansferor to pay tax under the said Act, in respect d any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

26-86GI/80

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2k-7ch-35 sq. ft. situated at 4/32, Fern Road, Calcutta-19, under P.S. Ballygunge, more particularly described in deed No. 4702.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafl Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Date: 23-4-1980.

(2) Himalayan Co-operative Housing Society Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Arun Kumar Bhattacharlee.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUITA

Calcutta, the 23rd April 1980

Ref. No. Ac-4/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. Sinha being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 178A, situated at S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Registrar Alipore, 24 Pgs. on 8.79

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 858 Sq. ft. situated at 178A. S. P. Mukherjee Road, Calcutta-26 under P.S. Bhowanipore, more particularly described in deed no. 4786.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 23-4-1980.

(1) Sri Sudhir K. Bhattacharjee and another.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA (2) Sri Banshi Badan Trivedi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SHOWER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st May 1980

Ref. No. 691/Acqn.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 11, situated at anak Road, Calcutta

(and more fullydescribedin the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given little that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of building together with land measuring 4 k 14 ch. 8 sft, more or less being premises No. 11 Janak Road, Calcutta registered vide deed No. 4585 of 1979

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting, Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date:1-5-1980

(1) Sri Paritosh K. Bhattacharjee & Anr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sm. Anima Trivedi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st May 1980

Ref. No. $692/Acq_{\Pi}$. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I.V.S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11, situated at Janak Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-8-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tav Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of building together with land measuring 4 k 14 ch. 8 sft. more or less being premises No. 11 Janak Road, Calcutta registered vide deed No. 4586 of 1979.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Date: 1-5-1980.

(1) Sri Nishlt K. Bhattacharye & ano.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Seta Mukherjee

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st May 1980

Ref. No. 693/Acq-R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11 situated at Janak Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of building together with land measuring 4 k. 14 ch. 8 sft. more or less being premises No. 11 Janak Road, Calcutta registered vide deed No. 4587 of 1979.

I. V. S. JUNEJA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III. Calcutta 54 Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 1-5-80

[PART III-Suc. 1

FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st May 1980

Ref. No. 691/Acqn.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11 situated at Janak Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Sudhir K. Bhattacharjee and another (Transferor)

(2) Srl Banshi Dhar Trivedi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of building together with land measuring 4 k. 14 ch. 8 sft. more or less being premises No. 11 Ianak Road, Calcutta registered vide deed No. 4585 of 1979.

I. V. S. JUNEJA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 1-5-80

at Calcutta on 24-8-79

FORM ITNS-

(1) Sri Paritosh K. Bhattacharjee & Anr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sm. Anima Trivedi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st May 1980

Ref. No. 692/Acqu.-R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value expeeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11 situated at Janak Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of building together with land measuring 4 k. 14 ch. 8 sft. more or less being premises No. 11 Janak Road, Calcutta registered vide deed No. 4586 of 1979.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, CALCUTTA

Date : 1-5-80

FORM ITNS— (1) Sri Nishi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Sri Nishit Kr. Bhattacharjee & Anr.

(Transferor)

(2) Smt. Seta Mukherjee.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st May 1980

Ref. No. 693/Acqn.-R-III/80-81/Cal.---Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11 situated at Janak Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-8-79

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys on other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of building together with land measuring 4 k. 14 ch. 8 sft. more or less being premises No. 11 Janak Road, Calcutta registered vide deed No. 4587 of 1979.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, CALCUTTA

Date: 1-5-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Madras-600 006

Madras-600006, the 19th March 1980

Ref. No. 30/AUG/79—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 139, 140 & 141 situated at Coral Merchant Street, Madras-1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II Madras North (Doc. No 3302/79) in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namety:—26—86GI/80

Shri G Jagdishchandra Chowdry,
 Shri G. Krishnamoorthy @ G. K. M. Chowdry.
 Shri G. Ramamoorthy @ G. R. M. Chowdry.
 No. 141, Coral Merchant Street, Madras-1.
 (Transferor)

(2) 1. Shri Dhandapani.
2. Shri Selvaraj.
3. Shri Nagarajan.
4. Shri Gunasckaran.
Panamalaipettai Village & P.O.
Via. Villupuram, South Arcot Dist.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3302/79 J. S. R. O. II, Madras North Land & Building at Door No. 139, 140 & 141, Coral Merchant Street, Madras-600 001.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1.
Madias-600 006

Date: 19-3-1980

(1) Shri T. S. Srinivasan, 20, Town Hall Road, Madurai.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri P. S. K. Sankar & Shri P. S. K. Balasubramniam. 3/843 (ii), Bharathinagar, Paramakudi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 19th March 1980

Ref. No. 51/NOV/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 20, situated at Town Hall Road, Madurai.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 1978/79) on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1978/79 S.R.O. Pudumandapam, Madurai. Land & Buildings at Door No. 20, Town Hall Road,

O. ANANDARAM.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 19-3-1980

(1) Shri S. Seshan, 20, Town Hall Road, Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. S. K. Sankar & Shri P. S. K. Balakrihsnan, 3/843(ii) Bharathi Nagar, Paramakudi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Madras-600006, the 19th March 1980

Ref. No. 48/NOV/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 20, situated at Town Hall Road, Madurai, has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 2046/79) on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2046/79 S.R.O. Pudumandapam, Madurai. Land & Buildinfis at Door No. 20, Town Hall Road, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.

Date: 19-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras 600006, the 24th March 1980

Ref. No. 8/AUG/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13, situated at Whannel's Road, Egmore, Madras-8. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at JSRO I Madras North (Doc. No. 3063/79) in August,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shri A. Valliangiri,
 Village Road,
 Madras-31.

(Transferor)

(2) J. Shri S. Albert.
2. Miss. Vadivoovathi.
3. A. Chakaravarthy.
4. A. Muralitharan,
5. A. Usha,

6. A. Madhukumaran,

No. 22, Ilnd Main Road, Kottur Garden, Madras-85.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3063/79 JSRO I, Madras North.

Land & Buildings at Door No. 13, Whannel's Road, Egmore, Madras-8.

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 24-3-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madias-600 006, the 24th March 1980

Ref. No. 9/ΛUG/79.--Whereas, 1, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13, situated at Whannell's Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO I Madias North (Doc No. 3064/79) on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri A. Velliangiri, No. 67, Village Road, Madras-31.

(Transferor)

(2) 1. S. Albert.2. Miss. A. Vadivoovathi.

3. A. Muralidharan.

4. A. Usha.

5. A. Chakaravarthi.

6. A. Madhukumaran. No. 22, Hnd Mai

IInd Main Road, Kottur Garden, Madras-85.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3064/79 JSRO I, Madras North. Land & Buildings at Door No. 13, Whannell's Road, Fgmore, Madras-8.

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 24-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri A. Velliangin, No. 67, Village Road, Madras-31.

(Transferor)

(2) Mrs. A. Susila Ammal, No. 22, 2nd Main Road, Kotturgardens, Madras-85.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600 006, the 24th March 1980

Rcf. No. 10/AUG/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 13, situated at Khannel's Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at JSRO I, Madras North (Doc. No. 3065/79) on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3065/79 JSRO I, Madras North.

Land & Buildings at Door No. 13, Whannel's Road Fgmore, Madras-8.

O. ANANDARAM.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600006.

Date: 24-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-1 MADRAS-600006

Madras-600 006, the 25th March 1980

Ref. No. 54/AUG/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 259, situated at West Masi Street, Madurai.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at JSRO III Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 1713/79) on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. G. T. Raj, Prop. Bharat Photo Emporium, West Masi Street, Madurai.

(Transferor)

(2) M/s. M. S. P. Raja & Co., by its partners
1. Smt. G. Susila.
2. Shri G. Mathivanan,
3. Shri S. Packiarajan
4. Shri S. Prabhakaran.
259, West Masi Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1713/79 JSRO III, Pudumandapant Madurai.

Land & Buildings at Door No. 259, West Masi Street, Madurai.

O. ANANDARAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Madras-600006.

Date: 25-3-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th March 1980

Ref No 44/AUG/79 — Whereas, I, O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

,situated at Agl lands at Thagarapati & No

Elachui Village, Dharmapuri Dist

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Uthangarai (Doc. No 1062/79) on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely:-

- T Laksymana Gounder, (1) 1
 - Γ L Vellayappan,
 Τ L Meganathan (Minor),
 - 3 4 Muniammal,
 - Deivanai Ammal,
 - Yasoda,
 - Unnamalai,
 - Sakunthala (minor) and
 - Lakshmi (minor)

(Transferor)

(2) Shri G Devendran,

S/o Shri N Gridhari Prasad,

52, Devanga, High School Road, R S. Puram,

Combatore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No 1062/79 SRO Uthangarai

Agricultural lands-22 06 ncres-at Thagarapatti Village & Elachui Village, Dharmapuii District

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I Madras-600 006

Date · 26-3-1980. Seal.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I

MADRAS 600 006

Ref. No. 31/SEPT/79.—Whereas, I, O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No 27/1 & 29/2, situated at Govinda Agraharam, Hosur, Dharmapuri Dist

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Dharmapuri, (Doc No 3423/79) on Sept 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—86GI/80

(1) 1 Shri K Sathyanarayanamurthy,
 2 Shri K S Nagarajan,
 62, Mahatma Gandhi Road, Hosur.

(Transferor)

(2) The President,
Maharishi nstitute of Creative Intelligence India,
Maharishi Institute of Creative Intelligence India,
Rishikesh, Pouri Garhwal Dist Uttar Pradesh
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No 3423/79 SRO, Dharmapuri

Dry lands Survey No. 27/1—524 Hectres.
Dry lands Survey No. 29/2—004 Hectres.
at Govinda Agraharam, Hosur Town, Dharampuri Dist

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
Madras-600006

Date · 26-3-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600 006, the 5th April 1980

Ref. No. 28/AUG/79.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10, situated at Bunder Street, Madras-600 001. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at JSRO II, Madras North (Doc. No. 3417/79) on Aug. 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Desu Chandramma, No. 13, Sarojini Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Shri P. Ramachandran, No. 5, Subbu Chetty Street, Park Town, Madras-600 003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3417/79 JSRO II, Madras North.

Land & Buildings at Door No. 10, Bunder Street, Madras-600 001.

O. ANANDARAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600006.

Date: 5-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1980

Ref. No. 6/AUG/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. , situated at Ward No. 11, Madurai Road, Sivaganga Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Sivaganga (Doc. No. 820/79) on August 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. T. S. Kamaladevi Nachiar.

2. S. Devi Susindranath.

3. Shanmugavalli.

T. S. Rajeswar.
 T. S. Lalitha.
 T. S. Shanmugam.

Door No. 8, Gill Nagar, Madras-94.

(Transferor)

(2) Shri O. S. T. Velayutham, S/o. Shri O. T. O. S. Thenappa, Chettiar, Kollangudi Segaram, Alagapuri Post (via) Sivaganga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 820/79-1.8/79 J.S.R. II, Siyangaga, Vacant land at Ward No. 11, Madurai Road, Siyangaga.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge-1,
Madras-600006.

Date: 8-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 8th April 1980

Ref. No. 7/AUG/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

,situated at Ward No. 11, Madurai Road, Siyaganga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO Sivaganga (Doc. 820/79-I.9/79)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) 1. Smt. T. S. Kamaladevi Nachiar.

2. S. Devi Susindranath.

3. Shanmugavalli,

T. S. Rajeswar.
 T. S. Lalitha.
 T. S. Shanmugam.

Door No. 8, Gill Nagar, Madras-94.

(Transferor)

(2) Shri O.S.T.C. Chinniah. S/o Shri O.T.O.S. Thenappa Chettiar, Kollangudi Segaram, Alagapuram Post, (via) Sivaganga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 820-I-9/79 JSRO I, Sivaganga

Vacant lands at Ward No. 11, Madural Road, Sivaganga.

O. ANANDARAM, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 8-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1980

Ref. No. 13/AUG/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 31, situated at Panthadi 5th Street, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO Madurai (Doc. No. 2952/79) on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri T. N. Krishnarao.
 Shri K. Prabhakaran.
 Shri K. Sudhakar.
 - No. 31, Panthadi 5th Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. T. R. Kamala,
W/o Shri Ramamurthy,
2, Panthadi 5th Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2952'79 JSRO, Madural.

I and & Buildings at Door No. 31, Panthadi 5th Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Income-tax, Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 8-4-1980.

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 8th April 1980

Ref. No. 14/AUG/79.—Wheras, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 31, situated at Panthadi 5th Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO Madurai (Doc. No. 2953/79) on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri T. N. Krishnarao.
 Shri K. Prabhakaran.
 Shri K. Sudhakar.
 No. 31, Panthadi, 5th, Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. T. R. Kamala,
 W/o Shri Ramamurthy,
 2, Panthadi 5th Street, Madural,

(Transferee)

Objections, if any, to be acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2953/79 ISRO, Madurat

Land & Buildings at Door No. 31, Panthadi 5th Street,
Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Income-tax, Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 8-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1980

Ref. No. 15/AUG/79.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 31, situated at Panthadi 5th Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO Madurai (Doc. No.2954/79) on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri T. N. Krishnarao. 2. Shri K. Prabhakaran.

3. Shri K. Sudhakar. No. 31, Panthadi 5th Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. T. R. Kamala, W/o Shri Ramamurthy, No. 2, Panthadi 5th Street, Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2954/79 PSRO Madural.

Land & Buildings at Door No. 31, Panthadi 5th Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 8-4-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1980

Rcf. No. 16/AUG/79.—Wheras, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 31, situated at Panthadi 5th Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Λct, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO Madurai Doc. No. 2955/79) on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri T. N. Krishnarao.

Shri K, Prabhakaran.
 Shri K, Sudhakar,

No. 31, Panthadi 5th Street, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. T. R. Kamala,
 W/o Shri Ramamurthy,
 No. 2, Panthadi 5th Street, Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2955/79 JSRO Madural.

Land & Buildings at Door No. 31, Panthadi 5th Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 8-4-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1980

Ref. No. 36/AUG/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinufter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17, 18 & 19 situated at Gandhi Irwin Road, Madras-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perlamet, Madras (Doc. No. 900/79) in August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the laibility
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28-86 GI/80

Shri B. A. Mallaya,
 Shri B. H. Mallyya,
 Shri B. Dhincsh Mallya.
 Tutland Gate Vth Street,
 Madras-6.

(Transferor)

(2) Shri P. Perlaswamy, No. 119, Avathanam Pappier Road, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 date of the publication of this notice in the Official persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Doc. No. 900/79 S.R.O. Periamet, Madras. Land & Buildings at Door No. 17, 18 & 19, Gandhi Irwin Road, Madras-8.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
Madras-600 006.

Date: 8-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1980

Ref. No. 53/AUG/79.-Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing S. No. 733 situated at T.K. Chettinaickenpatti, Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dindigul (Doc. No. 1240/79) on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. M. K. Jagadeesan, S/o Shri P. M. Kandasamy Mudaliar, Unniyur, Musiri Taluk, Trichy Dt.

(Transferor)

Shri R. P. Arunagiri,
 Shri R. P. Subramaniam,
 Shri R. P. Lakshmanan,
 Mohanur Villago, Namakkal Taluk,
 Salem Dist.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1240/79 JSRO 11, indDigul. Wet lands 1 acre 20 cents & Rice & Oil Mill Buildings at S. No. 733, T.K. Chettinaickenpattl, Dindigul.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 8-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. R. Kamini, W/o Shri R. Pandiasekar, Pattiveeranpatti, Nilakottai Taluk.

(Transferor)

(2) Shri P. R. K. Pages, S/o Shri P. R. Karuppiah Nadar, Pattiveeranpatti, Nilakottai Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th April 1980

Ref. No. 58/AUG/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 89, 90, 692/3, 97 & 144/3 & 4 situated at Sirumalai Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dindigul (Doc. No. 1271/79) on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1271/79 JSRO, Dindigul. Agricultural in S. No. 89, 90, 692/3, 97, 144/3 & 4 at Sirumalai Village.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 7-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th April 1980

Ref. No. 59/AUG/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 119, 86/1, 91/1 situated at Sirumalai Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dindigul (Doc. No. 1272/79) on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(1) of (1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. R. Sumathi, W/o Shri R. Rajasekar, Pattiveeranpatti, Nilakottai Taluk.

(Transferor)

(2) Shri P. R. K. Pages, S/o Shri P. R. Karuppiah Nadar, Pattiveeraupatti, Nilakottai Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1272/79 ISRO, Dindigul. Agricultural lands in Survey No. 119, 86/1, 91/1 etc. Total 43.60 acres in Sirumalai Village.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 7-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1980

Ref. No. 64/AUG/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S.No. 278/1, 277 & 310-B/1 situated at Bella Vista, St. Mary's Road, Kodaikanal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras North. (Doc. No. 3466/79) on August 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri R. R. Sarma, No. 16, Cenotaph Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) M/s. Durametallic (India) Ltd., Dhun Building, No. 327, Mount Road, Madras-600 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3466/79 JSRO I, Madras North.

Land & Buildings in S. No. 278/1, 277 & 310-B/1, Bella Vista, St. Marys Road, Kodaikanal.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madray-600 006.

Date: 9-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th April 1980

Ref. No. 8728.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 182, South 3rd, St., situated at Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Pudukottai (Doc. No. 2085/79) on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Rukmaril Ammal,
 Ramabadran
 Lakshmiuarayanan
 Harshini
 Sarvabooma, Subasundara Devi
 Venkatesan, Sethumadavan,
 Parankusam, P. Ramchandran, Tharaharaman,
 Domadaran, Kottur Naidu St., Madras-85.
 (Transferor)
- (2) S. P. Voorayya, S/o Subbayya Udayar, Kizhpanayur, Tirumayam Tk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 182, South 3rd St., Pudukottai. (Doc. No. 2085/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 7-4-1980

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th March 1980

Ref. No. 8735.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 260, Velacherry Road situated at Fast Tambaram, Madras-45,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tambaram (Doc. 3601/79) on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:——

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 N. Balakrishna Mudaliar, N.B. Ramalingam 39, A. Muthiah Mudali St., Madras.

(Transferor)

(2) M/s. Precision Electric Device, 3rd St., Deiva Nagar, Madray-45.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 260, Velacherry Road, Madras-45. (Doc. 3601/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 28-3-1980

(1) Venkatachalam (A) S. V. V. Pathy Devendran (A) Devarajan S. Mohandas. 227, 228, Raja St., Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. Nallaswamy G. Pose. S/o Gopal Achari, 116, Telugu Brahmin St. Coimbatore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th April 1980

Ref. No. 10353.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 228, Raja St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 4262/79) on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and ground No. 228, Raja St., Coimbatore. (Doc. No. 4262/79)

> RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th April 1980

Ref No. 7517.--Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 52, C. P. Ramaswamy Iver situated at Road, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1702/79) on October, 1979 for an apparent consideration which than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, not by:—
29—86 GI/80

 Mrs. Subhadra C. Menon
 Sir C. P. Ramaswamy Iyer Road, Madras-18.

(Transferor)

G. Sankar,
 Hindi Prachar Sabha Road,
 Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 52, Sir. C. P. Ramaswamy Iyer Road, Madras-18.
(Doc. 1702/79)

RADHA BALAKRISHNAN,

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Madras-600 006.

Date: 7-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th April 1980

Ref. No. 7512.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 146, Mowbrays Road, situated at Madras-18, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

tering Officer at Mylapore (Doc. 1464/79) on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) D. V. Rangaswamy, T. K. T. Amrutham, 146, Mowbrays Road, Madras-18 T. R. Rukmani Ammal 9, Riverside St., Cuddalore-1, Thangamma Rajagopal. 36, First Main Road, Besant Nagar. Madras. Rajagopal Raghavan, 36. First Main Road, Besant Nagar, Madras, D. V. Robini Kumar, 36. First Main Road, Besant Nagar, Madras. Chitra Kalayanaraman. 36 First Main Road, Besant Nagar, Madras. Yavanthi Sridharan, 36 First Main Road, Besaut Nagar, Madras Rajagopal Govind 36. First Main Road, Besant Nagar, Madras 18.

(Transferors)

(2) B. R. R. Mohan Rao 7. Ashoka Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 146, Mowbrays Road, Madras-18. (Doc. No. 1464/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 7-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th April 1980

Ref. No. 7506.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 49, Mowbrays Road, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1442/79)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dineshchandra K. Shah, 11. Hindi Prachar Sabha Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) K. N. Raghavan, 17, Sri Ram Colony, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 49, Mowbrays Road, Madrae-18. (Doc. 1442/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 7-4-1980

(1) M. B. Kannan, Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. L. A. M. Deivanai Achl, 12/25, 2nd St., Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th April 1980

Ref. No. 10446.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS No. 11/1262/12, situated at Ganapathy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaudhipuram (Doc No. 3128) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at T.S. No. 11/1262/12, Ganapathy. (Doc. 3128/79)

> RADHA BALAKRISHNAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-4-1980

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th April 1980

Ref. No. 10363.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 11/1279/12, situated at Ganpathy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 2460/79) on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Saraswathi, Senthilkumar, Giriraj, Kadirvel, 24C, Sirivan Kardathu Colony, New Siddapudun, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sarojini
 W/o P. Shanmugham,
 112. Chinnaswamy Naidu Road,
 Siddapudut, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at T.S. No. 11/1279/12, Ganapathy. (Doc. 2460/79)

RADIIA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 7-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th April 1980

Ref. No. 10363.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

T.S. No. 11/1279/12 situated at Ganapathy (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhipuram (Doc. 2461/79) on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Saraswathi, Senthilkumar, Giriraj, Kadirvel, 24C, Siriyan Kandathu Colony, New Siddapudur, Coimbatore.

(Transferor)

(2) S. Vijayalakshmi D/o P. Shanmugham, 147, 2nd St., Etxension, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at T.S. No. 11/1279/12, Ganapathy. (Doc 1261/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 7-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th April 1980

Ref. No. 10359.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16/28, Devanga High School, situated at Road, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Colmbatore (Doc 4359/79) on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kannammal
W/o Perumal Naidu
45, Devanga High School Road,
Coimbatore.

(Transferor)

 S. Sornammal, W/o Seetharaman, 25/118, Thiyagi Kumaran St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 16/28, Devanga High School Road, Coimbatore.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-JJ,
Madras-600 006.

Date: 7-4-1980

FORM IINS----- (1)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 8th April 1980

Ref. No. 10484.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. 550 Main Road situated at Bhavani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavani (Doc. 2032/79) on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) N. S. Annamalai Chettiar Chockalingam Muthukaruppan, Nagappan, Chidambaram Sona Mina Theatres (P) Ltd., Cantonment, Tiruchirapalli.

(Transferor)

(2) M. Sivaraj, 40, Jangumar St., Bhavani, Periyar Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 550, Main Road, Bhaanvi. (Doc. 2032/79)

RADHA BALAKRISHNAN,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600.006.

Date: 7-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th March 1980

Ref. No. 8671.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 448. Big Bazar situated at Trichy

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 2006/79) on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:--29-86 GI/80

(1) G. Chandrasekaran, 4, Komaraswamy patti Kizh St., Salem Dt. Radha Raman, Anaimalai Bazar St., Pollachi Tk. G Ramanathan, Joint Duector, Agricultural Dept. Pudukottai, G. Subramanian. Big Bazar, St., Purukottai, G. Venkatarangan, 32A, Answari First St., Madurai Dt. V. Rathnakumar Gupta, 32A, Answari First St., Madurai Dt. G Kasturi Gupta. Manager, Bank of Tanjore Vandiwash.

(Transferor)

(2) C. Arjina Bai, W/o R. Chinnikrishnan 30, Big Chetti St., Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 448, Big Bazar, Trichy-3. (Doc. 2006/79)

> RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 28-3-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th April 1980

Ref. No. 10321.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2, Telungupalayam situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. 2060/79) on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 V. P. Sabapathy,
 V. S. Arul,
 S. Aravind, Dalal House, Alagesan Road, Coimbatore-11.

(Transferor)

 M. D. Jos, Moonjely House, Puthencheri, Trichur Dt. Kerala, K. I. Varkez, Karimpanal House, Kanjirapatty, Kottayam Dt. Kerala State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2, Telungupalayam (S.F. 498/131)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Mudras-600 006

Date: 7-4-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 28th March 1980

Ref. No. 7486.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17, 11th Avenue, situated at Ashok Nagar, Madras-83 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodambakam (Doc. 3318/79) on August 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Saraswathi Valliappan, P.J. 16, Officers' Colony, Panjagatta Hyderabad-500004.

(Transferor)

(2) S. Chandrasekhar, 17, 11th Avenue, Ashok Nagar, Madras-600 083.

(Transferce)

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building 17, 11th Avenue Ashok Nagar, Madras-83. (Doc. 3318/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 28-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th April 1980

Ref. No. 7494.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

6, Wallajah Road, situated at Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 728/79) on August 1979

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bhojraj Hassomal (P) Ltd.
 Jai Tirth Mansions, Barracks Road, Bombay-400 020.

(Transferor)

 M/s. Janaba Meryambai Janaba Zathun Bai & Fazle Hussain,
 Maclean Street, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building 6, Wallujah Road, Madras (Doc. 728/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 18-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th April 1980

Ref. No. 8723.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No S No 359 1/3, situated at Ozhavarkarai Communication.

munue
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ozhavarkatai (Doc. 867/79) on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Govindaraju, Govindammal, Selvanathan, Vijaya (A) Viswanathan
 Kamaraj Road, Pillai Thottam Mudaliar Pet, Commune, Pondicherry.
 - (Transferor)
- (2) Mary Anjesalijabed 52, Mondorsiye St., Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 359 1/3, Ozhavarkarai Commune, Pondicherry. (Doc. 867/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II, Madias-600 006

Date: 18-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 18th April 1980

Ref No 8801—Whereas I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No Thimmainaickenpalayam, situated at Commune, Ariyankuppam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc 1353/79) on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Kırandey Srinivasalu Chettiai, 27, Kamatchiamman Koil St, Pondicherry,

(Transferer)

(2) Jagannathan, 5/7, Madathu St., Nellithoppu, Pondicherry-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Thimmainalckenpalayam, Commune, Arıyankuppam.

(Doc. 1353/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Madias-600 006

Date . 18-4-1980 Seal :

(1) Susairaj, 51, Rangapillai St., Pondicherry-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) The Sant Nirankari Mandal, 64, Godown St., Madras-1.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACOUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th April 1980

Ref. No. 7398.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding R₉, 25,000/- and bearing

No. 2, Govinda Naidu St., situated at Ayyavoo Naidu Colony, Madras-29

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 3191/79) on August 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2, Govinda Naidu St., Ayyavoo Naidu Colony, Madras-29.

(Doc. 3191/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 18-4-1980.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th April 1980

Ref. No. 7398.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 66, Nelson Manicka Mudaliar, situated at Road, Madras-29

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kodambakkam (Doc. 3192/79) on August 1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Selvanathan Armel, 31, Rangapillai St., Pondicherry-1.

(Transferor)

 The Sant Nirankari Mandal, 64, Godown St., Madras-1.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 66, Nelson Manicka Mudaliar Road, Madras-29. (Doc. 3192/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 18-4-1980.

51, Rangapillai St., Pondicherry-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Sant Nirankari Mandal 64, Godown St., Madras-1.

may be made in writing to the undersigned-

(1) Arvl. Devadas Gandhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th April 1980

Ref. No. 7398.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove-able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 2, Ayyavoo Naidu Colony, situated at Govinda Naidu St., Madras-29

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 3193/79) on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—86GI/80

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2, Ayyavoo Naidu Colony, Govinda Naidu St., Madras.
(Doc. 3193/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 18-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th April 1980

Ref. No. 10356.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 29/228 & 229, situated at Diwan Bahadur Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4325/79) on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K. Ethirajulu, 41, Rajaji St., Erode.

(Transferor)

(2) K. Rangaswamy, 29/230, Diwan Bahadur Road, R. S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 29/228 and 229, Diwan Bahadur Road, Coimbatore.
(Doc. 4325/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:

Date: 18-4-1980

T. V. Subramania Chettiar, 47, Race Course Road, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. R. Purushothaman, 15A, A. K. Nagar, Saibaba Colony, Coimbatore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th April 1980

Ref. No. 10360.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 8/47, situated at Race Course Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4386/79) on August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Compound wall at 8/47, Race Course Road, Combatore. (Doc. 4386/79).

> RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: : 17-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Everest Inks & Allied Products (P) Ltd., 17, Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferor)

(2) Madras Industrial Linings Ltd. 71, Harrington Road, Madras-600 031.
(Transferse)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th April 1980

Ref. No. 7484.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent-Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 f- and bearing

No. S. No. 79/1B and 79/2 (Part), situated at Kumananchavady and Goparasanallur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Poonamallee (Doc. 2941/79) on August 1979 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Kumananchavady-S. No. 79/1B and S. No. 79/2 (Part) at Goparasanallur. (Doc. 2941/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 18-4-1980

FORM ITNS----

(1) Dr. (Mrs.) Saraj J. Souri rep. by T. S. Sridharan, 30, IV Main Road, Gandhinagar, Madras-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. V. V. R. Exports, 27/28, Cooum River Road, Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th April 1980

Ref. No. 7404.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

61, Vellacherry Road, situated at Madras-32 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 2009/79) on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :--- The (crms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 61, Velachery Road, Madras-32. (Doc. 2009/79).

RADHA BALAKRISHNAN,

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 18-4-1980 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th April 1980

Ref. No. 10358.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 224, situated at Avanashi Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4344/79) on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 C. S. Sudarsini, C. R. Krishnan, 23, Aghabali Ali Road, 1B, Pillayar Koil St., Hussur, Karnataka Extension, Arughambakkam.

(Transferor)

(2) Baskar, R. Ravl, Sivakumar, Kotiswari, 'Kanaka Villa', No. 4, Randi St., R. S. Puram, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 224, Ayanashi Road, Coimbatore, (Doc. 4344/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 18-4-1980

(1) M. S. Ramachandran, 16, Sterling Road, Madras-34.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S. Vijayalakshmi W/o. S. Rajendar, 4, Rajaji North St., Madras-34. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th April 1980

Ref. No. 7492.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16, Sterling Road, situated at Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 1196/79) on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 16, Sterling Road, Madras-34. (Doc. 1196/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th April 1980

Ref. No. 8674.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 154/1 to 154/3, situated at Thirukallar St/65 to 69, Mada Koil St., Karaikkal

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikkal (Doc. 441/79) on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Fathima Sukria, Mod. Yasin Maraikar Md. Maraikar, Md. Ibrahim Maraikar, Ahamad Maraikar, Md. Alavakkar Maraikar, Malmoon Ummal, Aaima Ummal, Syed Subbadal Bivi 48, Mama Thambi Maraikar St., Karaikal.

(Transferor)

(2) Mahabunnissa, W/o. Mahboob Hussain, 154, Thirukallar St., Karaikal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 154/1 to 154/3, Thirukallar St/65 to 69, Mada Koil St., Karaikkal. (Doc. 441/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 18-4-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) B Krishnamurthy, 25, Rangapillai St, Pondicherry

(Transferor)

(2) K. Jayalakshmi, W/o K. C. S. Kumaravel, 1/1, Kamaraj Nagu Salai Pondicherty

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 18th April 1980

Ref. No 8666—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 127A, Kamaraj Nagar, situated at (Narimedu) Saiam Registering Officer it

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Pondicherry (Doc 1254/79) on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—86GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 127A, Kamaraj Nagar (Narimedu) Saram, Oulgaret, Pondicherry (Doc 1254/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date 18-4-80 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600-006, the 15th April 1980

Ref. No. 10361.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. F. 331, Malumachampatti, situated at Coimbatore Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) RMT Drill (P) Ltd., Unit 9, 9A & 10, Coimbatore (Private) Industrial Estate, Coimbatore-21. (Transferor)
- (2) Revathi-CP Equipment Ltd., Malumachampatti, Coimbatore Tk. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at S. F. No. 331, Malumachampatti, Colmbatoro Tk. (Doc. 2084/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th April 1980

Ref. No. 49/AUG/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 110-A, situated at West Colony, Komarapalayam

Agraharam, Komarapalayam

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Komarapalayam (Doc. No. 1865/79) in August 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) I. Dr. S. Palanivelu, Minor P. Shanmugham,
 Minor P. Prakash, Minor P. Narayanan, 51, Pillaiyar Koil Street, Vadapalani, Madras.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswathi, W/o Shri K. S. K. Subramania Chettiar, Door No. 3, 6th Cross Sillari Road, Bangalore City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE CHEDULE

Document No. 1865/79 SRO Komarapalayam.

Land & Buildings at Door No. 110-A, West Colony, Koma-Tiruchengode rapalayam Agraharam, Komarapalayam, Taluk, Salem Dist.

> O. ANANDARAM, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-1. Madras-600 006.

Date: 26-4-1980

[PART III—SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th April 1980

Ref. No. 50/AUG/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 122-A situated at Raghavendrachar Street, Komarapalayam

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Komarapalayam (Doc No. 1783/79) on August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely—

 Smt. S. Umayal Achi, W/o Shri A. R. Sethuraman Chettiar, Raghavendrachar Street, Komarapalayam,

(Transferor)

(2) Shri N. Sivaraj. S/o Shri Nagaraja Chettiar, Puthar Street, Komarapalayam, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1783/79 SRO Komarapalayam. Land & Buildings at Door No. 122-A, Raghavendrachar Street, Komarapalayam, Salem Dist.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 26-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th April 1980

Ref No. 51/AUG/79—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 122-A situated at Raghavendrachar Street, Komarapalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO komarapalayam (Doc. No 1784/79) in August, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said. Act, to the following persons, namely:—

 Smt. S Umayal Achi, W/o Shri A. R. Sethuraman Chettiar, Raghavendrachar Street, Komarapalayam.

(Transferor)

(2) Shi i S. Jagadeesan, S/o Shi i N. Sivaraj, Puthar Street, Komarapalayam, Salem Dist

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1784/79 SRO Komarapalayam.

Land & Buildings at Door No. 122-A, Raghavendrachar Street, Komarapalayam, Salem Dist.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madias-600 006

Date: 26-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th May 1980

Ref. No. 21/DEC/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and betwing No.

S. No. 79/1C situated at Kailasampalayam Village, Trichengode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), the office of the Registering Officer

1908), the office of the Registering Officer at SRO Trichengode (Doc. No. 2004/79) on December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Amirthalingam, S/o Shri Kasi Chettiar, 5/4, S.V.A. Extension No. 3, Tiruchengode.

(Transferor)

(2) Shri A. Periasamy, S/o Shri Arasan Chettiar, S.V.A. Extension, Tiruchengode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2004/79 SRO Trichengode.

Wet lands in S. No. 79/1C and buildings at Kailasampalayam Village, Trichengode.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 12-5-1980

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1980

Ref. No. BGR/19/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Residential plot measuring 4000 sq. yds situated at Model Town Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Janak Dulari W/o Shri L. N. Goel through attorney Sh. L. N. Goel, R /o A-I, Apartments, Bombay now at Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Tilak Raj and Janak Raj S/o Late Shri Dewan Chand
C/o M/s. Dewan Chand Builders (P) Ltd.,
Ashoka Estate, 24, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being residential plot measuring 4000 sq. yards situated in Section No. 11, Model Town, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4536 dated 19-9-1979 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

> G. S. GOPALA Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 8-5-1980

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Santosh Gupta R/o 6, D.L.F. Colony, Rohtak.

(Transferor)

(2) Shi P C. Aggarwal S/o Shri Mohar Chand R/o House No. 535, Sector-15, Faridabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1980

Ref. No. BGR/41/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 467 in section 15-A situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 467, situated in Sector 15-A, Faridabad.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak.

Date: 8-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri B. Venkatrao, S/o Sri B. Kedarji Rao,
 Sri B. Nataraja Rao R/o Badanidiyur Village, Udupi Taluk.

(Transferor(s)

(2) M/s. Rajmahal Hotels Private Ltd., Manipal represented by its Director, Sri T. Ramesh, U. Pai

Transferee(s)

◆FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-I (560001)

Bangalore, the 6th May 1980

C.R. No. 62/24677/79-80/Acq/B.—Whereas, J, H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 86/4A situated at Badanidiyur Village, Udupi Taluk (D.K.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Uduni Doc. No. 320/79-80 on 30-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—86GI8¶

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 320/79-80, Dated 30-8-79.

Property at S. No. 86/4A vacant land situated in Badanidiyur village, Udupi Taluk, Dakshina Kannada District.

H. THIMMAJAH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 6-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-I (560001)

Bángalore, the 6th May 1980

C.R. No. 62//24678/79-80/Acq/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 86/4B, situated at Badanidiyur Village, Udupi Taluk (D.K.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udupi Doc. No. 321/79-80 on 30-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) 1. Sri B. Srinivas Rao S/o Sri B. Kedarji Rao,

2. Srl B. Suresh Rao 3. Srl B. Ashok Rao

Se/o Sri B. Srinivas Rao 4. Mrs. Meenakshi Amma W/o Sri B. Srinivasa Rao R/o Badanidiyur Village, Udupi Taluk.

Transferor(s)

(2) M/s. Rajmahal Hotels Private Ltd., Manipal represented by its Director, Sri T. Ramesh, U. Pai

Transferee(8)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichaver period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 321/79-80, dated 30-8-1979.

Property at S. No. 86/4B, vacant land situated in Badanidiyur village, Udupi Taluk, Dakshina Kannada District.

H. THIMMAIAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 6-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-I (560001)

Bangalore, the 6th May 1980

Ref. No. C.R. No. 62/24679/79-80/Acq/B.—Whereas I, H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 86/4C situated at

Badanidiyur Village, Udupi Taluk (D.K.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udupi Doc. No. 322/79-80 on 30-8-79

Udupi Doc. No. 322/79-80 on 30-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri B. Puttraya Rao S/o Sri B. Kedarji Rao, and his minor Sons (2) Sri Rajendra
(3) Sri Raghavendra, R/o Radanidiyur Village, Udupi Taluk.

Transferor(s)

(2) M/s. Rajmahal Hotels Private Ltd., Manipal represented by its Director, Sri T. Ramesh, U. Pai

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 322/79-80, dated 30-8-1979.
Property at S. No. 86/4C, vacant land situated in Badanidiyur village, Udupi Taluk, Dakshina Kannada District.

H. THIMMAIAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 6-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-I (560001)

Bangalore, the 6th May 1980

C.R. No. 62/24680/79-80/Acq/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 86/4D situated at Badanidiyur Village, Udupi Taluk (D.K.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Udupi Doc. No. 323/79-80 on 30-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persone, namely :-

- (1) 1. Sri B. Dharma Rao S/o Sri B. Kedarji Rao,
 - 2. Sri B. Sitarama Rao,
 - 3. Sri Chandrashekhar,
 - 4. Sri Jugudeesha 5. Srl Udaya
 - 6. Sri Bhavani Shankar
 - 7. Sri Vasudeva, All minor sons of No. (1) R/o Badanidiyur Village, Udupi Taluk.

Transferor(s)

(2) M/s. Rajmahal Hotels Private Ltd., Manipalrepresented by its Director, Sri T. Ramesh, U. Pai

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov. able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 323/79-80, dated 30-8-79.
Property at S. No. 86/4D, vacant land situated in Badanidiyur village, Udupi Taluk, Dakshina Kannada District.

H. THIMMAIAH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 6-5-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th April 1980

C.R. No. 62/24293/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 15/1B & T.S. No. 152-1B, situated at Attavar Village, Balamatta Ward, Mangalore City,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mangalore City Doc. No. 367/79-80 on 12-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shi James Jivothama, S/o Shri Israel Jivothama residing at Balamatta, Mission, Compound, Mangalore.

(Transferor)

 1. Shri P. S. Kunhi Ahamed S/o Shri Sulaiman Kunhi,
 2. Shri P. Abbubacker S/o Shri Abdulla,
 Both residing at Pecchakad, P.O. Keekhan,
 Via Pallikeri, Hosadurga Taluk,
 Kerala State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 367/79-80, dated 12-9-79.
Property along with a storied building bearing R.S. No. 15/1B, & T.S. No. 152-1B measuring 242 Sq. Metres. Situated at Attavar Village, Balamatta Ward, Mangalore City.

H. THIMMAIAH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition, Range, Bangalore.

Date: 28-4-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 28th April 1980

C.R. No. 62/25130/79-80/ACQ/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Sy. No. 106/1

situated at Derebail village, Mangalore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore City, Doc. No. 432/79-80 on 25-9-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/sMahalasa Trust, by its Trustee Sri M. Venkatesh Pai, at Donkerkery, Mangalore-575003.

(Transferor)

(2) Shrimati Aruna Nayak, W/o Srl Kepul, Dinesh Nayak, Partner in M/s. Kepul Narasinha Nayak & Co., at Matadakani Road, Mangalore.

(Transferoc

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 432/79-80, dated 25-9-1979.
Property with land & building bearing Sy. No. 106/1, situated in Derebail Village, Mangalore Taluk, measuring 0-35 cents.

Boundaries:—On Eeast: By Lane,

South: By portion of same S. No. sold to M/s K. L. Poddar & Sons (P) Ltd.

North: By portion of same S. No. sold to M/s. K. L. Poddar & Sons (P) Ltd.

West: By Private Road.

H. THIMMAIAH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 28-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 5th May 1980

C.R. No. 62/25414/79-80/Acq/B.—Whereas, I, H. THIMMAIAH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-tand bearing

No. 8, situated at Ulsoor Road, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Shivaijnagar, Doc. No. 2098/79-80 on 18-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 ((1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri C. N. Kuppuswamy; 2. C. K. Krishna
 Master C. K. Ramnarayan
 S/o Sri C. K. Krishna
 R/o No. 18, Ramakrishnappa Road,
 Cox Town, Bangalore-5.
 C. N. Gopal, 5. C. G. Jagadish
 Master Sunil Kumar
 S/o Shri C. G. Jagadish
 Srl C. G. Shankar,
 R/o No. 306, Narayana Pillai Street,
 Bangalore-560001.

(2) Dr. D. D. Mundhra
Sto Shri I D. Mundhra

S/o Shri L. D. Mundhra, No. 18/4, Cambridge Road Cross, Ulsoor, Bangalore-6.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other personin terested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Doc. No. 2098/79-80, dated 18-10-79.

A portion of premises No. 8, Ulsoor Road, Civil Station, Bangalore, measuring 7830 sq. ft.

H. THIMMAIAH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 5-5-1980

(1) Dr. Chandulal N. Joshi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Bhikulal S. Vasa and Smt. Indumati S. Vasa

(Transferce)

(3) 1. Shri P. C. Kamdar 2. Smt. Bharati Bangera

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 21st April 1980

Ref. No. AR-II/2939-12/Feb. 80,—Whereas, I, A. H. TEJALE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3, Original Plot No. 11/1, situated at S. No. 287 Vile Parle (West)

has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S-2025/79 and registered on 4-2-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

A. H. TEJALE
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-4-1980

Seat::

(Transferor)

FORM ITNS-

(1) Shri Sita Ram

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG, TUCKNOW

Lucknow, the 6th March 1980

Ref No R 145/Acq - Whereas I, A S BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fin maket value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 35 | 5B & 35 | 5BI situated at Civil Tines Ahata Nawab Rampui Galden Bareilly

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on 30 9-1979

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-34-86GI/80

(2) S/Shri Ralcev Kumai & Sanjeev Kumar (Transferce)

(3) S/Shri 1 CMO, Dispensary, 2 N R Prabhakar, 3 R F Singh, 4 H S Rawat, 5 Baldeo Raj, 6 S P Singh, & 7 G D Chowdhry (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I YPI ANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Kothi No 35 L 5B and 35-L 5BI situate at Civil Lines Ahata Nawab Rampui Gaiden, Bateilly and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No 4920 and sale deed which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Bareully on 30 9 1979

> A S BISEN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Lucknow

Dinc 6 7 1980

(1) Vinayak Rao Peshwa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Asha Saxena.

(3) Above seller.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th April 1980

Ref. No. A-82/Acq/80-81.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Open plot of land measuring 355 sq. yds. bearing No. 48 situated at Civil Lines, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barcilly on 23-9-79

for an apparent consideration which is less than the

I ir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 355 sq. yds, bearing No. 48, situate at Civil Lines, Bareilly, and all that descriptions of the property which is mentioned in form 37G No. 4588 and sale deed duly registered at the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 23-9-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 28-4-1980.

(1) Shil Vinayak Rao Peshwa.

(Fransferot)

(2) Shii Shiv Haii Agrawal.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 28th April 1980

Ref. No. S-186/Acq/80-81—Whereas, I, A. S. BISLN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building of the shop which is part of House property No 47, saturated at Civil Lines, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barcilly on 23-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Building of the shop which is part of house property No. 47 situate at Civil Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in form 37G No. 4589 and safe deed duly registered at office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 23-9-1979.

A S BISEN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 28-4-1980

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 28th April 1980

Ref. No. 8-187/Acq/80-81 -- Whereas, I. A S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 48 and land No. 38 measuring 143.8 sq m. situated at Shiv Charan I al Road, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Allahabad on 4-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as anofresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt Shahar Bano.

(Transferor)

- (2) Smt. Suraj Mani Keserwari, Shri Pradeep Kumai Keserwari.

 (Transferee)
- (3) Above seller and the tenants Mahadeo Pd. Yadav and Brij I of Gupta (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 48 and land No. 38 situated at Shiv Charan Lal Road, Allahabad, area 143 8 sq. m and all that description of the property which is mentioned in form 37G No. 3947 and sale deed duly registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 4-9-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 1 ucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date . 28-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, 1 UCKNOW

Luckow the 7th May 1980

Ref. No. GIR No. R-146/ Λ cq —Whereas, I Λ S. BISI N, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Λ ct), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

4th part of Godown No 215 situated at Gandhinagar, Muthiganj, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 15-9-79

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- M/s Allahabad Iron Syndicate Private Ltd. Allahabad through (1) Managing Director Shri Rajaram Jaiswal, (2) Director, Hirakal Jaiswal, (3) Director, Shri Arjan Pratap Singh.
 (Transferor)
- (2) Smt Ram Devi

(Transferee)

(3) Above sellers

(Person in occupation of the property)

(4) Above sellers.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning n₃ given in that Chapter.

THE SCHEDULF

1th part of property—Godown No 215, situate at Mohalla-Gandhinagar, Muthigany, Allahabad, including land and building, land measuring 118.74 sq. mtis and all the description of the property which is mentioned in form 37G No. 4172 and sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 15-9-79

A. S. BISFN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 7 5 1980

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th May 1980

Ref No S-188/Acq—Whereas, I, A S BISFN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

1th part of Godown No 215 situated at Gandhinagai, Muthiganj, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Allahabad on 15 9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Allahabad Iron Syndicate Pvt ftd., Allahabad through (1) Managing Director, Shii ƙajaram laiswal, (2) Director, Hiralal Jaiswal, (3) Director, Shii Anuj Pratap Singh

 (Tiansferoi)
- (2) Smt Saroum Devi.

(Transferee)

(3) Above sellers

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

th part of property Godown No 215, situated it Mohalla Gandhinagar, Muthiganj, Allahibad, including land and building, land measuring 1277 Sq ft and all the description of the property which is mentioned in form 37G No 4171 and sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrat, Allahabad, on 15 9 79

A S BISEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-(ax,
Acquisition Range, Lucknow

Date 7 5-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE: ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 20th March 1980

Ref. No. Acq.23-]-2767(984)/1-1/79-80.—Whereas, I. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 587/1, situated at Vejalpur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jesingbhai Punjabhai Parmar, Village: Kelia Vavana, Tal. Dholka, Distt. Ahmedabad.

(Transferor)

- Navprakash Co. Op. Housing Society 1 td. through:
 Shri Jivanlal Shankerbhai Makwona, Chairman, Fatehpura, Tril amlal's Chawl, I llisbridge, Ahmedabad.
 - 2. Shri Dhirubhai Jesingbhai Parmar, 18, Jiyankala Society, Jiyraj Park, Vejalpur, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land admeasuring A-I, G-8, bearing S, No. 587/1, situated at Vejalpur, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 10571 dt. 13-9-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-3-1980.

FORM ITNS ~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, IIANDLOOM HOUSE: ASHRAM ROAD, AHMIDABAD

Ahmedahad-380009, the 20th March 1980

Ref. No. Acq.23-I-2767(985)/I-1'79-80.—Whereas I, S. N. MANDAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 588'2, situated at Vejalpur, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jeshingbhai Punjabhai Parmar, Village: Kelia, Vasana, Tal: Dholka, Distt, Ahmedabad.

(Transferor)
Society I td.,

(2) Navprakash Co-operative Housing through: Chairman:
Shri Jivanlal Shankerlal Macwana, Fatehpura, Trikamlalni Chawl, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land admeasuring A-O, G-19, bearing S. No. 588/2, situated at Vejalpur, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 10573 dated 13-9-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-3-1980.

_-----

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSF; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 20th March 1980

Ref. No. P.R. No. 901 Acq. 23-19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. B.F.N.D. 232-A situated at Udhna Udyognagar Road No. 6, E, Udhna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 5-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
35—86G18

 Shri Rajnikant Babubhai Golvala, Partner of: M/s. Golvala & Co., Paradize Apartment, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Packard Plastic Industries Karta & Trustee of N. K. Private Ltd., Shri Kanaiyalal Bhagwandas Patel; Parag Apartment, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said proper'y may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Road No. 6E, Plot No. B.E.N.D. 232A paiki at Udhna Udyognagar, Udhna, duly registered at Surat on 5-9-1979 vide No. 3283.

S. N. MANDAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tark
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-3-1980,

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedobad-380009 the 20th March 1980

Ref. No. P.R. No. 902 Acq. 23/19-8/79-80.--Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 2/4516 situated at Shivdas Zaveri Sheti, Sagram

(and mole fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have market value of the propert. as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent, or isideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the instrument of dansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

- (1) 1. Kantaben Ramkrishna Desai;
 - Shri Dilip Ramkrishna Desai; Sarojben Shantilal Desai;

 - 4. Kusumben Chhotabhai Desai; 5. Sudhaben C. Desai;

 - 6. Gitaben Ramkrishna Desai; Zaveri Street, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Thakordas Pranjivandas;

 - Shri Rajnikant Thakordas;
 Shri Jayantilal Thakordas;
 Shri Arvindlal Thakordas;
 Begumpura, Virangani Mohollo; Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property situated at Shivdas Zaveri Sheri, Sagrampuru, Surat bearing Nondh No. 2/4516, Surat duly registered at Surat on 29 9-79 vide No. 3553/79.

S. N. MANDAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-3-1980.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUST: ASHRAM ROAD, AHMHDABAD

Ahmedabad-380009, the 20th March 1980

Ref. No. P.R. No. 910 Acq. 23-II/79-80,—Whereas, I, S N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 155 Ward No. 11, situated at Nanovat, Hanuman Pole, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 14-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) 1. Shri Keshavlal Chhabildas & others;
 - Manjulaben Keshavlal Shah,
 Nehiu Road, Vile-Paile, East, Bombay.
 (Transferor)
- (2) I Niimelaben Mohanlal Soni;
 - 2 Mohanlal Ranchhoddas Soni;
 - 3. Rashmikant Mohanlal Soni, Bhaga Talav, Near Post Office, Nanavat, Hanuman Pole, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPIANATION: -- The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property situated at Hanuman Pole, Nanavat, Suint bearing Nondh No. 155, Wd. No. 11, Suint admeasuring 121 sq. yds duly registered at Suint on 14-9 79 yide No. 3362.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date 20-3-1980

 Shri Ramilaben R. Adhvaryu, Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Premlata Balvant Lad, Chatpul, Opp. Ashabaug, Navsari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th March 1980

Ref. No. P.R. No. 912 Acq. 23-II/79-80.—Whereas, I, S N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tika No 69, S. No. 4302 Part of Plot No. 17-A, situated at Chhapia Road, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 26-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforc aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Chhopra road, Navsari bearing Tika No. 69, S. No. 4302 Part of Plot No. 17-4 duly registered on 26-9-1979 at Navsari.

S. N. MANDAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 28th March, 1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANE-J, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad 380009, the 27th April 1980

Rct No PR No 1010 Acq 23 1/79-80 —Whereas, I, S C PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

(heremafter referred to as the said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S No 4056 situated at Civil Station, 41, New Jagnath Plot Patel Seva Samaj, Rijkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 28-9-1979

tor an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than illteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) National & Engineering Construction Company Pvt. Ltd., 41, Jagnath Plot, Rajkot (Transferor)
- (2) Patel Seva Samaj, President Shri Nanji Ambabhai Patel, 41, Jagnath Plot, Rajkot

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NNA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 770 sq yd, bearing 5 No 405-6 Civil Station situated at 41 Jagnath Plot, Paiel Seva Samai Rajkot duly registered by Registering Officer Rajkot vide sale-deed No 5823/28-9-1979 i.e. property as fully described therein

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I Ahmedabad

Date: 7-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th April 1980

Ref. No. P.R. No. 11011 Acq.23-I/79-80.—Whereas, I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 870 paiki situated Opp. to Lohana Street Vikas Kendia Near Race Course, Kasturba Road, Rajkot

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on Sept., 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Manharlal Bhagwandas Modi; 43, Nagdevi Cross Lane, Bombay-3.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Jyotsna Harish Kothari,
2. Shri Usha Pradip Kuthari;
3. Shri Prabhat Ramniklal Kothari;
'Prabhat Kunj' Arhapura, Rajkot.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with compound wall etc., adm, 1790 sq. yds, bearing S. No. 870 paiki situated Opp. to Lohana Street Vikas Kendra, Near Race Course, Kasturba Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 3382/September, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 7-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANF-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th April 1980

Ref. No. P.R. No. 920 Acq. 23-II/79-80.—Whereas, I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1939/2 paiki Plot No. 3 paiki land situated at Mahadevnagar Society, Sagrampura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 25-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an yincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kantilal Chhaganlal Patel; 85, Sadhana Society, Varachha Road, Surat. (Transferor)
- (2) 1. Manharlal Mohanlal Dolly;
 - Mahendra Mohanlal Dolly;
 Natvarlal Mohanlal Dolly;
 - 4. Chandrakant Mohanlal Dolly
 - 5. Sureshchandra Mohanlal Dolly:
 - Vasantlal Mohanlal Dolly; Inderpura, Ranavad, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same morning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Nondh No. 1939 Wd. No. 2, New Mohadevnagar Society, Sagrampura, Surat duly registered at Surat on 25 10-79 vide No. 4464/79.

S. C. PARIKH,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANE-J, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSI-, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 22nd April 1980

Ref. No. P.R. No. 921 Acq.23-II/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

Nondh No. 1165 Wd. No. 10, situated at Lolluji Maharaj Sheri, Gopipura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereton has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 5-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dineshchandra Dhansukhlal Majumdar; East View No. 2, S.V. Road, Shanta Ciuz West, Bombay-54.
- (2) Shri Jekisandas Keshavlal Rana; Navapura, Ranawad, Hanuman Tekra No. 2, Surat.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Nondh No. 1165 Wd. No. 10, Lalluj-Maharaj Sheri, Gopipura, Surat, duly registered on 5-9-79 at Surat vide No. 3264.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-4-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd April 1980

Ref. No. P.R. No. 922 Acq. 23-II/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Nondh No. 1712, Zanda Sheri, Wd. No. 2,

situated at Sagrampura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 11-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—86GI/80

 Shri Bhikhubhai Kalidas Zanda Sheri, Sagrampara, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Manilal Zaverbhai

Shri Somabhai Zaverbhai
 Shri Amrutlal Zaverbhai,

Navapura, Ranavad, Vachali Sherl, Surat.

(Transfere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Nondh No. 1712, Zanda Sheri, Wd. No. 2, Sagrampura, Surat, duly registered at Surat on 11-9-79 vide No. 3103/79.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th April 1980

Ref. No. P.R. No. 923 Acq. 23-II/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sim Survey No. 29/1 and 29/2, situated at Opp. S.T. Stand, Visnagar

object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visnagar on 5-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shah Subodhchandra Ratilal, Laxmi Society, Visnagar.

(Transferor)

 Patel Revabhai Shankarbhai and others, 10, Alka Society, Visnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing sim Survey No. 29/1 and 29/2 alongwith a factory shed thereon, situated opp. S.T. Stand, Visnagar and fully described as per sale deed No. 1076 and 1077 registered in the office of Sub-Registrar, Visnagar on 5-9-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th April 1980

Ref. No. P.R. No. 924 Acq. 23-II/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Survey No. 39, Baroda Kasba, situated at Near Mohmed Talav and Madhukunj Society, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 1-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice—under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Jayantkumar Gokuldas Thakkar, Through: Jayantkumar Gokuldas Thakkar, Lehripura, Baroda.

(Transferor)

 Gopalnagar Coop. Housing Society Ltd., President: Champaklal Ratanlal Vyas, 16, Bhandareshwar, Pomli Faliya, Paroda

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 24570 sq. ft. bearing Baroda Kasba S. No. 39, situated near Mohmed Talay and fully described as per sale deed No. 4496 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 1-9-1979.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.T. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/8-79/329.—Whereas I, Mrs. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

27 bigha 12 biswas Agrl. land,

situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on September 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri H. R. Nair (HUF) through its Karta Harbans Rai Nair s/o Dewan Mahesh Dass, r/o 48, Poorvi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Basant Singh, Amit Singh, Surveer Singh, sons of Hari Singh 21-Nanak Market, Tilak Bazar, Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 27 bighas and 12 biswas Khasrw No. 489(4-16), 490(4-10), 493(6-2), 497(2-12), 495/1 (0-8), 495/2(3-8), 495/3(1-0), 496(4-16), with tubewell, fencing wires village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

Mrs. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 15-5-1980

Scal:

(1) Mrs. Tapati Mitra Alias Tripti Rani Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Aikyanir Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSI COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 21st May 1980

Ref. No. 697/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas 1, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4, situated at Beltala Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule ansexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 29-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) fremulting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Two storeyed building and structure together with vacant land measuring 14 K 5 Ch 20 sft. as per decd No. I-2089 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 29-8-1979, being premises No. 4, Beltala Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA

THE SCHEDULE

Competent Authority,
acquisition of the
notice under subct, to the following

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Bachhraj Lactories Ltd., Prop. Jivraj Livandas, Amravati.

(Transferor)

(2) Shri Tulsida, Tarachand Rathi, Shri Ashok Kumar Tulsidas Rathi, Shri Anlkumar Tulsidas Rathi (Minor) All resident of Amravati.

(Transferees)

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR

Nagpur, the 29th February 1980

No. IAC/ACQ/128/79-80.—Whereas, I, S. K BILLAIYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
Nazul Plot No. 3 Sheet No. 56-C, Layout Plot No. 43.

Nazul Plot No. 3 Sheet No. 56-C, Layout Plot No. 43. & 44, situated at Tarkheda, Amravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 20-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as acreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in tempter XXA of the said act that I are a true mean 3 or \$\frac{1}{2} \text{ in the Chapter}\$.

THE SCHEDULF

Nazul Plot No. 3, Sheet No. 56-C, Layout Plot No. 43 & 44, (Area 3,000/- Sq. ft.) each. mouja, Tarkheda, Annavati.

S. K. BILLAIYA
Competent Authority
Inspecting A. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date .29-2-80 Seal: